इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, जूना अखाड़े की अनूठी पहल व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी विक्रम संवत 2081

अमृत विचार

वर्ष -2, अंक -254, पृष्ठ -14+4, मूल्यः -5 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

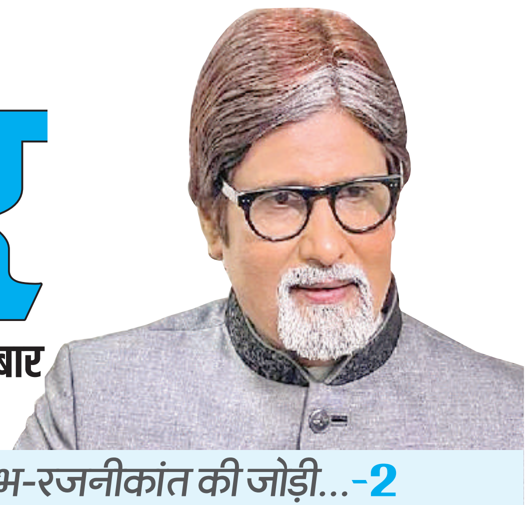

आज का मौसम 42.0° अधिकतम तापमान | 26.0° न्यूनतम तापमान | आसमान साफ रहेगा, धूप खिली रहेगी। | सूर्योदय 05 : 28 सूर्यास्त 18 : 43

कानपुर, रविवार, 5 मई 2024

वेट्टैयन में दिखेगी अमिताभ-रजनीकांत की जोड़ी...-2

कानपुर में 'नमो उत्सव' से माहौल बना गए पीएम मोदी

52 मिनट का रोड शो कर लोकसभा चुनाव के लिए जगा गए लोगों में उत्साह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मुख्यमंत्री योगी, कानपुर और अकबरपुर के प्रत्याशी रथ पर रहे साथ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम को कानपुर में भव्य रोड शो करके मतदाताओं के बीच चुनावी माहौल बना गए। भारी भीड़ के बीच गुमटी गुरुद्वारे पर माथा टेककर शुरू हुए रोड शो के दौरान मोदी-मोदी और नमो-नमो की गूंज रही। बिना बोले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 52 मिनट तक भीड़ को बांधे रखा। क्या बच्चे, क्या बड़े, क्या बुजुर्ग और महिलाएं, सब जोश से लबरेज रहे। आसपास के जिलों से भी भीड़ आई। रोड शो के रथ पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कानपुर नगर प्रत्याशी रमेश अवस्थी, अकबरपुर प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले और पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी भी रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष विमान चकेरी एयरपोर्ट पर शाम 5.45 बजे पहुंचा। यहां विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व भाजपा विधायकों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उनकी फ्लीट 5.47 पर एयरपोर्ट से निकली। उन्होंने रामादेवी चौराहे के दोनों ओर खड़े लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। पीएम मोदी शाम करीब 6.18 मिनट पर गुमटी गुरुद्वारा पहुंचे जहां मुख्यमंत्री योगी और गुमटी गुरुद्वारा कमेटी ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा में माथा टेका। करीब 6.38 बजे प्रधानमंत्री मोदी गुरुद्वारे से निकले और रोड शो के रथ पर सवार हो गए। भवनों की छतों पर खड़े लोगों ने मोदी-योगी के ऊपर फूलों की वर्षा की। पीएम और योगी ने कमल के निशान वाली एलईडी लाइट लेकर अभिवादन स्वीकार किया।

कानपुर नगर के गुमटी में आयोजित रोडशो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● अमृत विचार

अयोध्या में दो किमी लंबा रोड शो आज

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अयोध्या आएंगे। शाम चार बजे महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट से सीधे श्रीराम मंदिर पहुंचेंगे। वहां रामलला का दर्शन-पूजन कर रामपथ पर उतरेंगे। इसके बाद सुग्रीव किला से लता चौक तक लगभग दो किमी तक रोड शो कर फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए जनता का समर्थन मांगेंगे।

सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

- न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन तय

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया, लेकिन साथ ही न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। इस फैसले से महाराष्ट्र सहित प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में किसानों के एक बड़े वर्ग की आय बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सरकार ने न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन (लगभग 46 रुपये प्रति किलोग्राम) और साथ ही 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया है।

हिरासत में लिए गए विधायक रेवन्ना

बेंगलुरु, एजेंसी

सेक्स वीडियो मामला

- महिला के अपहरण के आरोप में मैसुरु में मामला दर्ज

अपहरण के एक मामले में यहां की एक अदालत ने कर्नाटक जद (एस) के विधायक एचडी. रेवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद शनिवार को विशेष जांच दल के अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पूर्व मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे रेवन्ना और उनके विश्वासपात्र सतीश बबन्ना के खिलाफ एक महिला के अपहरण के आरोप में गुरुवार रात मैसूरु में मामला दर्ज किया गया था। मामला महिला के बेटे की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसने यह भी आरोप लगाया था कि रेवन्ना के बेटे और हासन लोकसभा सीट से भाजपा-जद(एस) उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना ने उसकी मां का यौन शोषण किया था। मामले में बबन्ना को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। रेवन्ना को यहां देवेगौड़ा के आवास से हिरासत में लिया गया।

कर्नाटक में सेक्स वीडियो कांड विवाद को लेकर एसआईटी ने जदएस विधायक एचडी रेवन्ना और उनके पुत्र प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। सीबीआई द्वारा हासन के सांसद प्रज्ज्वल के खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी करने की संभावना है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर जद-एस के नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना के उत्पीड़न का शिकार हुईं पीड़िताओं को हरसंभव मदद देने को कहा है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने सिद्धरमैया को लिखे पत्र में कर्नाटक से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के कृत्यों की निंदा की और उनके ऊपर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हाथ होने का आरोप लगाया।

लवली, चौहान समेत दिल्ली कांग्रेस के कई नेता भाजपा में

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व विधायक नसीब सिंह, नीरज बसोया ने भी ली सदस्यता

दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक नीरज बसोया तथा नसीब सिंह सहित कुछ अन्य नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में कांग्रेस के सभी पूर्व नेताओं ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ विपक्षी पार्टी के गठबंधन की आलोचना की।

लवली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा नेतृत्व की सराहना की और कहा कि उन्होंने उन्हें और उनके सहयोगियों को ऐसे समय पार्टी में शामिल होने का अवसर दिया जब वे खोया हुआ महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी मौजूदा लोकसभा चुनाव में बड़े बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखेंगे। लवली ने हाल ही में आम आदमी पार्टी के साथ पार्टी के गठबंधन का विरोध करते हुए दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

पुंछ में सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला

जम्मू, एजेंसी

- गोलीबारी में पांच जवान घायल, दो की हालत गंभीर

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने वायु सेना के एक वाहन सहित सुरक्षाबलों के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

अधिकारियों के मुताबिक यह हमला शाम को शशिधर के पास हुआ जब सुरक्षाबलों के वाहन जिले के सुरनकोट इलाके में सनाई टॉप की ओर बढ़ रहे थे।

इस हमले में पांच जवान घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि सेना और पुलिस के अतिरिक्त जवानों को इलाके में भेजा गया है और आतंकवादियों का पता लगाने तथा उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है।

एक नजर

एअर इंडिया विमान में रख सकते हैं 15 किग्रा सामान

नई दिल्ली। घाटे में चल रही एअर इंडिया ने घरेलू उड़ानों पर न्यूनतम किराए वाली श्रेणी में एक यात्री के लिए केबिन में रखने के लिए सामान का न्यूनतम वजन 20 किग्रा से घटाकर 15 किग्रा कर दिया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया ने कहा कि सभी के लिए एक आकार का नजरिया अब आदर्श नहीं है। कंफर्ट और कंफर्ट प्लस श्रेणियों के तहत 2 मई से निशुल्क केबिन बैगेज सुविधा को 20 किग्रा और 25 किग्रा से घटाकर 15 किग्रा कर दिया है।

यौन उत्पीड़न मामले में पुलिस ने शुरू की जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी. आनंद बोस के खिलाफ महिला कर्मचारी द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोप की जांच के लिए गठित कोलकाता पुलिस की जांच टीम अगले कुछ दिनों में गवाहों से बात करेगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को कहा कि जांचकर्ता पहले ही राजभवन से सीसीटीवी फुटेज साझा करने का अनुरोध कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमने एक जांच दल का गठन किया है जो इस मामले में अगले कुछ दिनों में कुछ संभावित गवाहों से बात करेगा।

दुष्कर्म-हत्या में चार को मौत की सजा

नई दिल्ली। हरियाणा के पंचकूला में सीबीआई की अदालत ने 2016 के नूंह सामूहिक दुष्कर्म और दोहरे हत्याकांड में चार दोषियों को शनिवार को मौत की सजा सुनाई है। 10 अप्रैल को हेमंत चौहान, अयान चौहान, विनय और जय भगवान को दोहरे हत्याकांड, सामूहिक दुष्कर्म और डकैती की घटना में का दोषी ठहराया था। यह घटना हरियाणा के नूंह में 24-25 अगस्त 2016 की दरमियानी रात की है। अदालत ने दोषियों पर कुल 8.20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

जीआईसी में सेवानिवृत्त शिक्षकों की फिर से ली जाएंगी सेवाएं

रविशंकर गुप्ता, लखनऊ

- राजकीय इंटर कॉलेजों में शिक्षकों की कमी दूर करने का फार्मूला
- शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त पढ़ाने पर भी जोर

अमृत विचार : राजकीय इंटर कॉलेजों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए अब माध्यमिक शिक्षा विभाग सेवानिवृत्त शिक्षकों की सेवा लेगा। इन शिक्षकों की तैनाती की प्रक्रिया जुलाई माह में पूरी होगी।

विभाग की ओर से ऐसे शिक्षकों को एक निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा। इस संबंध में विभाग की ओर से उच्च स्तरीय बैठक भी की जा चुकी है। जिसमें राजकीय कॉलेजों से सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों की सेवा लिए जाने का निर्णय हुआ है। औपचारिक घोषणा आचार संहिता समाप्त होते ही की जाएगी। इस बारे में विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जब तक आयोग की ओर से नए शिक्षकों की भर्ती नहीं हो जाती है तब तक सेवानिवृत्त शिक्षकों की सेवा जारी रहेगी। बता दें कि 2024 के परीक्षा परिणाम राजकीय कॉलेजों से एक भी टॉपर न आने का मुद्दा अमृत विचार ने प्रमुखता से उठाया था।

मुख्यमंत्री योगी भी बता चुके हैं विकल्प

बीते वर्ष अक्टूबर माह में आयोग की ओर से चयनित प्रधानाचार्यों को नियुक्त पत्र देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने भी माध्यमिक शिक्षा विभाग को सुझाव देते हुए कहा था कि जब तक नए शिक्षकों की नियुक्ति न हो जाए, तब तक सेवानिवृत्त शिक्षकों की सेवाएं ली जाएं और उन्हें एक निश्चित मानदेय दिया जाए।

> राजकीय कॉलेजों में सेवानिवृत्त शिक्षकों की सेवाएं ली जाएंगी। पूरी प्रक्रिया जुलाई माह में पूरी होगी। इसके साथ ही कॉलेजों में एक घंटा अतिरिक्त भी पढ़ाने के लिए निर्देश दिए गए हैं ताकि शैक्षिक सत्र 2024-25 की परीक्षा में परिणाम बेहतर आए।
> -**डॉ. महेन्द्र देव**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा।

मोदी शहंशाह हैं, जनता से उन्हें मतलब नहीं : प्रियंका

लखानी (गुजरात), एजेंसी

- राहुल गांधी के लिए मोदी के शहजादा तंज पर किया पलटवार

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने भाई राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'शहजादा' तंज पर शनिवार को पलटवार करते हुए उन्हें (मोदी को) 'शहंशाह' बताया, जो महल में रहते हैं और जनता से कटे हुए हैं। कांग्रेस महासचिव अपनी पार्टी की उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर के प्रचार के लिए गुजरात के बनासकांठा लोकसभा क्षेत्र के लखानी में एक रैली को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने मोदी पर सत्ता के लिए गुजरात के लोगों का इस्तेमाल करने और फिर उन्हें भूल जाने का भी आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि वह मेरे भाई को शहजादा कहते हैं। मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि यह शहजादे आपकी समस्याएं सुनने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4,000 किलोमीटर तक चले, किसानों और मजदूरों से मिले तथा उनसे पूछा कि हम उनकी समस्याओं का कैसे समाधान कर सकते हैं।

अब पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी का चुनाव लड़ने से इनकार

भुवनेश्वर। ओडिशा में पुरी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सुचरिता मोहंती ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है और पार्टी से वित्तीय मदद न मिलने का आरोप लगाते हुए पार्टी को टिकट लौटा दिया। कांग्रेस के पूर्व सांसद ब्रजमोहन मोहंती की बेटी सुचरिता ने शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव केसी. वेणुगोपाल को एक ईमेल भेजा, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनका प्रचार अभियान बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि पार्टी ने वित्तीय मदद देने से इनकार कर दिया है। आरोप लगाया कि कांग्रेस के ओडिशा प्रभारी अजॉय कुमार ने उनसे अपने दम पर चुनाव लड़ने को कहा है।

हेराफेरी व्यापारी खरीदते गेहूं, धान, मक्का समेत अन्य शुल्क के उत्पाद, दर्शाते शुल्क मुक्त

चोकर और राजमा के नाम करोड़ों का मंडी शुल्क चोरी

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- चोकर, राजमा, फल, सब्जी आदि कृषि उत्पाद में नहीं लगता मंडी शुल्क और जीएसटी

अमृत विचार : प्रदेश में मंडी के लाइसेंसधारी व्यापारियों द्वारा जमा किया जा रहा मंडी शुल्क, विकास सेस व जीएसटी में बड़ा अंतर है। इस तरह से करीब 300 करोड़ रुपये मंडी शुल्क और विकास सेस चोरी होने की आशंका है। मंडी परिषद ने व्यापारियों के मंडी और जीएसटी के आंकड़ों का मिलान कराने के लिए राज्य कर विभाग को पत्र लिखा है। कई मामले मंडी अधिकारियों ने पकड़े हैं, जिनमें व्यापारियों ने गेहूं, मक्का, धान आदि शुल्क आधारित कृषि उत्पाद खरीदे, जबकि कागजी प्रक्रिया में चोकर, राजमा समेत कई तरह के शुल्क मुक्त उत्पाद दिखाए। इस हेराफेरी में ऐसे भी कुछ कृषि उत्पाद शामिल बताए गए, जो मंडी और विकास शुल्क से मुक्त हैं पर जीएसटी लागू है। इसका भी व्यापारी फायदा उठाकर खरीद में ऐसे उत्पाद दिखाकर मंडी और विकास शुल्क बचाकर सिर्फ जीएसटी भर रहे हैं। इसी तरह जीएसटी भी बचा रहे हैं।

मंडी परिषद हर वर्ष करोड़ों रुपये मंडी और विकास शुल्क चोरी होने की संभावना जताकर राज्य कर विभाग से व्यापारियों के जीएसटी संबंधित आंकड़े मांग रहा है।

फल, सब्जी, गल्ला समेत 81 उत्पाद पर शुल्क

फल, सब्जी व गल्ला समेत 81 कृषि उत्पाद पर कुल डेढ़ प्रतिशत मंडी व विकास शुल्क लागू है। इनमें आलू, प्याज, टमाटर, नीबू, लहसुन, अदरक को छोड़कर बाकी सब्जी व फल शुल्क मुक्त हैं। जीएसटी से भी सभी सब्जी व फल मुक्त हैं। इसी तरह धान, चावल, ज्वार, बाजारा, मक्का, गेहूं, उड़द, जौ, जई, मूंग, चना, मटर, अरहर, मसूर, मूंगफली, तिल, सोयाबीन, अलसी, लाही-सरसों आदि पर मंडी व विकास शुल्क देय है। इनमें शामिल दलन और तिलहन में जीएसटी लागू है।

> व्यापारियों द्वारा भरे जा रहे मंडी शुल्क और जीएसटी में अंतर से बड़े पैमाने पर शुल्क बचाने की आशंका है। राज्य कर विभाग को आंकड़ों का मिलान करने के लिए लिखा है। - **चंदन कुमार पटेल**, उपनिदेशक, मुख्यालय मंडी परिषद

आज का मुकाबला

पंजाब किंग्स
बनाम
चेन्नई सुपरकिंग्स
दोपहर 3:30 बजे

लखनऊ सुपर जाइंटस
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स
शाम 7:30 बजे

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	11	17
टी नटराजन (हैदराबाद)	10	15
मुस्तफिजुर रहमान (चेन्नई)	10	14

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	10	509
विराट कोहली (आरसीबी)	10	500
साई सुदर्शन (गुजरात टाइटंस)	10	418

एलएसजी को घर में केकेआर देगी कड़ी टक्कर

लखनऊ, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग में प्लेऑफ की ओर बढ़ रही लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीमें रविवार को जब एक-दूसरे के सामने मैदान में होंगी तो उनका इरादा जीत के साथ अंतिम चार में अपनी जगह का दावा मजबूत करने पर होगा।

मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान पर कम स्कोर वाले मैच में 24 रन से मात देने के बाद केकेआर को नाम 14 अंक हो गए है और टीम प्लेऑफ क्वालीफिकेशन के बेहद करीब है। ऐसे में लोकेश राहुल की अगुवाई में एलएसजी पर दबाव होगा कि वह श्रेयस अय्यर की टीम के खतरे से बचने का रास्ता खोजे। एलएसजी के 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ 12 अंक है और यह टीम केकेआर से सिर्फ एक पायदान नीचे तीसरे नंबर पर है। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद (12 अंक) जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स (10 अंक) और दिल्ली कैपिटल (10 अंक) भी मजबूती के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई है। एलएसजी को यहां एकाना स्टेडियम में अपने

पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 145 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। केकेआर की टीम को इस सत्र में तीन हार का सामना करना पड़ा है। टीम ने इन तीनों हार के बाद मजबूत वापसी की है। मुंबई के खिलाफ पिछले मैच मे टीम ने 57 रन तक पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन वेंकटेश अय्यर (70) और मनीष पांडे (42) ने 83 रन की अच्छी साझेदारी करके टीम को बचाया। इसके बाद गेंदबाजों ने लगातार अंतराल पर विकेट चटकाते हुए मुंबई की टीम को 18.5 ओवर में आउट कर 24 रन की यादगार जीत दर्ज की।

सीएसके के खिलाफ पंजाब की निगाह लगातार दूसरी जीत पर

धर्मशाला। गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) रविवार को लगातार दूसरी बार आईपीएल मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश जीत की लय हासिल करने पर लगी होगी। तीन दिन पहले ही पंजाब किंग्स ने चेपक पर सीएसके को सात विकेट से हराया था। घरेलू टीम की यह पिछले तीन मैच में दूसरी हार थी जिससे टीम मुश्किल में है। सीएसके 10 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है और पांच बार की चैंपियन उम्मीद करेगी कि स्थान बदलने से उसका भाग्य भी बदल जायेगा क्योंकि नॉकआउट चरण में अपना स्थान पक्का करने क लिए महज चार मैच बचे हैं। सीएसके हरप्रीत बरार और राहुल चाहर की स्पिन जोड़ी के खिलाफ मध्य के ओवरों में तेजी नहीं दिखा सकी जिससे उसने सात विकेट पर 162 रन का स्कोर बनाया था। उनकी बल्लेबाजी भी कप्तान रूतुराज गायकवड़ और शिवम दुबे पर निर्भर होती जा रही है तथा जैसे ही इनमें से एक विफल होता है, वैसे ही टीम के अनिरंतर बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ जाता है। गायकवाड़ ने सत्र का पांचवां 50 से ज्यादा रन का स्कोर बनाया जबकि अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे एक बार फिर शुरूआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे।

हार्दिक का दवाब स्वाभाविक : फिंच

मुंबई, एजेंसी

आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और टीवी कमेंटेटर एरोन फिंच ने कहा कि आईपीएल के मौजूदा सत्र में मुबंई इंडियंस का प्रदर्शन अब तक उसकी गरिमा के अनुरुप नहीं रहा है और ऐसे में कप्तान हार्दिक पांड्या के चेहरे पर दवाब परिलक्षित होना स्वाभाविक है।

स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव से बातचीत में फिंच ने शुक्रवार को केकेआर के खिलाफ मुबंई की हार पर कहा वानखेड़े स्टेडियम में ओस गिरने के कारण आप उनसे 170 रनों का पीछा करने की उम्मीद कर सकते हैं। यह आम तौर पर बल्लेबाजी के लिए एक खूबसूरत जगह है। हालांकि मुबंई का प्रदर्शन थोड़ा चौकाने वाला था। टीम के लगातार निराशाजनक प्रदर्शन से कप्तान हार्दिक का तनाव में आना स्वाभाविक है और वह भी तब,

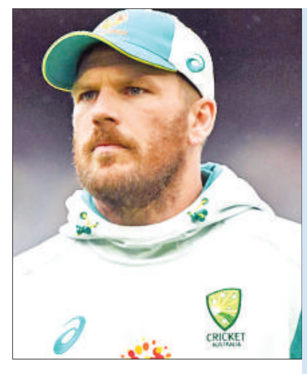

जब कप्तान का खुद का प्रदर्शन भी अच्छा न हो। मैं खुद उस स्थिति में रहा हूं जहां आप व्यक्तिगत रूप से जो कुछ भी करने की कोशिश कर रहे हैं मगर वह दिखता नहीं है और जब टीम उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है, तो यह वास्तव में बहुत ही कठिन हो जाता है। टीम के प्रदर्शन के लिए कप्तान की भूमिका ऐसे समय में काफी चुनौतीपूर्ण हो जाती है।

पीठ में जकड़न के कारण इम्पैक्ट सब के तौर पर खेले रोहित

मुंबई। लेग स्पिनर पीयूष चावला ने कहा कि भारतीय कप्तान और मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीठ में थोड़ी जकड़न के कारण केकेआर के खिलाफ बतौर 'इम्पैक्ट सब' खेलने के लिए बाध्य होना पड़ा था।

इम्पैक्ट सब के तौर पर खेलने उतरे रोहित 12 गेंद में महज 11 रन ही जोड़ सके। इस मैच में मुंबई इंडियंस को केकेआर से 24 रन की हार का सामना करना पड़ा। इससे पांच बार की चैंपियन टीम इस साल के आईपीएल से लगभग बाहर हो गयी है। चावला ने वानखेडे स्टेडियम में मैच के बाद कहा उन्हें पीठ में थोड़ी जकड़न थी इसलिए ऐहतियातन यह फैसला किया गया।

खेल डायरी

ब्रिटेन दौरे पर विभिन्न टीम से भिड़ेगी तमिलनाडु की युवा टीम

चेन्नई। तमिलनाडु के युवा खिलाड़ियों की टीम ब्रिटेन दौरे के दौरान विभिन्न टीमों के खिलाफ सीमित ओवरों के मैच के अलावा कई दिन चलने वाले मुकाबले भी खेलेगी। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने शनिवार को टीम के श्रृंखला के लिए रवाना होने की घोषणा की। टीएनसीए ने कहा कि यह दौरा आधिकारिक रूप से सोमवार से शुरू होगा। टीम के कोच पूर्व भारतीय गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी हैं जबकि एक अन्य पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोबिन सिंह सलाहकार और तनवीर जब्बार बल्लेबाजी कोच हैं। राज्य के विकेटकीपर बल्लेबाज एन जगदीशन और प्रदोष रंजन पॉल टीम के मशहूर चेहरे हैं। इस दौरे पर नाटिंघम, मैनचेस्टर और लंदन में सात वनडे और चार कई दिवसीय मैच खेले जाएंगे।

यूरोप दौरे के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली। आगामी 20 से 29 मई के बीच बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी का दौरा करने वाले भारतीय जूनियर हॉकी टीम की घोषणा शनिवार को यहां कर दी गई। भारतीय जूनियर अपना पहला मैच 20 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ खेलेंगे जबकि उनका अगला मुकाबला 22 मई को ब्रेडा, नीदरलैंड में बेल्जियम से ही होगा। भारतीय टीम 23 मई को ब्रेडा में नीदरलैंड की क्लब टीम ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश से खेलेगी और उसके बाद 28 मई को जर्मनी में जर्मनी के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके बाद वे 29 मई को दौरे के अपने अंतिम मैच में एक बार फिर जर्मनी से खेलने के लिए ब्रेडा लौटेंगे। भारतीय टीम का नेतृत्व डिफेंडर रोहित करेंगे जबकि शारदानंद तिवारी उपकप्तान होंगे।

हरिद्वार की मनीषा ने बनाई भारतीय हॉकी टीम में जगह

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार से वंदना कटारिया के बाद श्यामपुर की मनीषा चौहान ने भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाई है। टीम में घोषणा के बाद मनीषा चौहान के परिवार को बधाई देने वालों का तांता लग गया है। मनीषा चौहान के पिता सेना से रिटायर हैं और मनीषा चौहान ने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया था जिसके बाद मनीषा चौहान को राष्ट्रीय टीम में जगह दी गई। जल्द ही भारतीय महिला हॉकी टीम एफ आई एच प्रो लीग खेलने बेल्जियम और इंग्लैंड जाएगी। मनीषा का जन्म सन 1999 में हरिद्वार के श्यामपुर में हुआ।

ओलंपिक कोटा हासिल करने के लिए ज्योति और शैली करेंगी मशक्कत

नई दिल्ली। भारतीय बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी और लॉन्ग जंपर शैली सिंह पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल करने के लिए यूरोप में कई प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ज्योति मई से जून के बीच पूरे यूरोप में छह अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी, जबकि लॉन्ग जंप खिलाड़ी शैली चार यूरोपीय एथलेटिक्स स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। उनके प्रस्तावों को भारतीय खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने मंजूरी दे दी।

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद लय में आई बेंगलुरु की टीम, सिराज, विशाक और दयाल ने लिए दो-दो विकेट

आरसीबी ने गुजरात को 147 पर किया ढेर

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी। ● एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के गेंदबाजों ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 52वें मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस की टीम को 19.3 ओवर में 147 के स्कोर पर समेट दिया।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीतकर गुजरात टाइटंस को बल्लेबाजी का न्योता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने छठे ओवर तक 19 के स्कोर पर अपने तीन शीर्ष बल्लेबाजों को गवां दिया था। ऋद्धिमान साहा(1), शुभमन गिल (2) और साई सुदर्शन (6) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शाहरुख खान और डेविड मिलर ने पारी को संभाला और चौथे विकेट लिए 61 रन जोड़े।

शाहरुख खान ने 24 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए सर्वाधिक (37), राहुल तेवतिया ने 21 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (35) तथा डेविड मिलर ने 20 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से (30) रनों की पारी खेली। इसके बाद राशिद खान (18), विजय शंकर (10) मानव सुथर (1) और मोहित शर्मा (शून्य) पर आउट हुये। बेंगलुरु के गेंदबाजों ने गुजरात की पूरी टीम को 19.3 ओवर में 147 रन पर समेट दिया। बेंगलुरु को जीत के लिए 148 रन बनाने होंगे। आरसीबी की ओर से मोहम्मद सिराज, यश दयाल और विजयकुमार वैशाख ने दो-दो विकेट लिये। कर्ण शर्मा और कमरून ग्रीन को एक-एक विकेट मिला।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान	10	8	2	16	+0.622
कोलकाता	10	7	3	14	+1.098
लखनऊ	10	6	4	12	+0.094
हैदराबाद	10	6	4	12	+0.072
चेन्नई	10	5	5	10	+0.627
दिल्ली	11	5	6	10	-0.442
पंजाब	10	4	6	8	-0.062
गुजरात	10	4	6	8	-1.113
मुंबई	11	3	8	6	-0.356
बेंगलुरु	10	3	7	6	-0.415

गुजरात को सस्ते में समेटने के बाद अपने प्रशंसकों का अभिवादन करते विराट। ● एजेंसी

गुजरात 147/10

19.3 ओवर, अतिरिक्त : 7

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
रिधिमान साहा का कार्तिक बो सिराज	1	7	0/0
शुभमन गिल का विशाक बो सिराज	2	7	0/0
साइ सुदर्शन का कोहली बो ग्रीन	6	14	0/0
एम शाहरूख खान रन आउट	37	24	5/1
डेविड मिलर का मैक्सवेल बो शर्मा	30	20	3/2
राहुल तेवतिया का विशाक बो दयाल	35	21	5/1
राशिद खान बो दयाल	18	14	2/1
विजय शंकर का सिराज बो विशाक	10	7	2/0
मानव सुतार का स्वप्निल बो विशाक	1	2	0/0
मोहित शर्मा रन आउट	0	1	0/0
नूर अहमद रन आउट	0	0	0/0

गेंदबाजी : स्वप्निल 1-0-1-0, सिराज 4-0-29-2, दयाल 4-0-21-2, ग्रीन 4-0-28-1, विशाक 3.3-0-23-2, शर्मा 3-0-42-1

इंग्लैंड की महिला टीम चयन के लिए इस्तेमाल कर रही कृत्रिम मेधा : कोच

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड महिला टीम के मुख्य कोच जॉन लुईस ने खुलासा किया कि वे अंतिम एकादश का चयन करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक मुकाबलों का संबंध है तो उन्हें इस तकनीक ने महत्वपूर्ण फीडबैक मुहैया कराया है और उन्हें एशेज श्रृंखला जीतने में भी मदद की।

लुईस ने कहा कि उन्हें इस तकनीक के बारे में तब पता चला था जब वह मार्च 2023 में भारत में महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के शुरूआती चरण में यूपी वारियर्स की कोचिंग कर रहे थे। ईएसपीएन क्रिकइंफो की खबर के अनुसार इंग्लैंड रग्बी यूनियन के कोच स्टीव बोर्थविक ने भी कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया था। इंग्लैंड के मुख्य कोच लुईस ने कहा कि एआई प्रणाली से उन्हें पिछले साल महिलाओं की एशेज में दो फॉर्म में चल रही खिलाड़ियों में से एक का चयन करने का फैसला करने में मदद मिली। हमने इस तकनीक का इस्तेमाल पिछले साल एशेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था जो काफी सफल रहा। पिछले साल एक खिलाड़ी का चयन करना था, हमने ऑस्ट्रेलियाई टीम की मजबूती देखी और फिर उसी के अनुसार अपनी टीम को मजबूती दी, अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुनी। यह कारगर रहा, हमारे लिए फायदेमंद रहा।

एथलीटों को प्रतिबंधित दवाओं पर जागरूक कर रहे हैं पूर्व मुक्केबाज अखिल

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज और झज्जर पुलिस में सहायक आयुक्त अखिल कुमार ने झज्जर के जवाहरलाल बाग स्टेडियम में बातचीत में उभरते हुए खिलाड़ियों को सलाह दी कि नशीली दवाओं के खतरे से बचें।

बीजिंग ओलंपिक 2008 के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाले 43 वर्षीय अखिल ने 2006 में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक था। उन्होंने 100 से ज्यादा खिलाड़ियों से बातचीत की जिसमें मुक्केबाज भी शामिल थे। अखिल ने कहा, बतौर खिलाड़ी और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के पैनल के सदस्य होने के नाते मैं इसके खतरे को समझता हूं। मैंने उन्हें सलाह दी कि इससे कैसे दूर रहें। नियमित रूप से होने वाले मेडिकल चेक-अप के दौरान भी उन्हें डॉक्टर को बताना चाहिए कि वे एथलीट हैं ताकि वे उन्हें प्रतिबंधित दवाई नहीं लिखें।

आई-लीग के चार खिलाड़ी विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में

नई दिल्ली, एजेंसी

- फीफा विश्व कप और एएफसी एशियाई कप के लिए संभावित सूची में शामिल

कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 और एएफसी एशियाई कप 2027 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालिफिकेशन के दूसरे चरण के मैचों के लिए भारतीय कोच इगोर स्टिमक द्वारा शनिवार को घोषित 26 सदस्यीय संभावित सूची में आई-लीग के चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

मिजोरम के 23 वर्षीय फॉरवर्ड डेविड लालहलानसंगा ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग की आई-लीग जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम इससे शीर्ष स्तर की आईएसएल में जगह बनाने में सफल रही। रीयल कश्मीर के डिफेंडर हम्माद और इंटर काशी के मिडफील्डर एडमंड लालरिंडिका के साथ आइजोल के फॉरवर्ड लालरिंजुआला लालबियाकनिया को भी जगह मिली है। एआईएफएफ ने कहा कि मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी की टीमें आईएसएल फाइनल में भिड़ेगी ऐसे में इन दोनों टीमों से राष्ट्रीय टीम के लिए चुने जाने वाले संभावितों के नाम की घोषणा दूसरी सूची में होगी। भारत 10 मई को भुवनेश्वर में प्रशिक्षण शिविर शुरू करेगा। टीम ग्रुप ए के आखिरी दो मैचों में 6 जून को कोलकाता में कुवैत के खिलाफ खेलने के बाद 11 को दोहा में कतर का सामना करेगी।

एशियाई अंडर-22 एवं युवा मुक्केबाजी

भारतीय मुक्केबाजों ने पक्के किए रिकॉर्ड 43 पदक

अस्ताना (कजाखस्तान), एजेंसी

आकाश गोरखा, विश्वनाथ सुरेश, निखिल और प्रीत मलिक ने शनिवार को यहां अंडर-22 पुरुष फाइनल में प्रवेश किया जिससे भारतीय मुक्केबाजों ने एएसबीसी एशियाई अंडर-22 एवं युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के विभिन्न वर्गों में अभूतपूर्व 43 पदक पक्के किये। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन आकाश ने 60 किग्रा वर्ग में दबदबा बनाते हुए सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के इलासोव सयात पर 5-0 से जीत हासिल की।

मौजूदा युवा विश्व चैम्पियन विश्वनाथ (48 किग्रा) ने रिव्यू के बाद फिलीपींस के बारिकुआत्रो ब्रायन पर 5-2 से जीत दर्ज की। निखिल (57 किग्रा) और प्रीत (67 किग्रा) ने

भी क्रमशः मंगोलिया के दोर्जानयाम्बु गानबोल्ड और किर्गिस्तान के अल्माज ओरोजबेकोव को 5-2 के समान अंतर से मात दी। लेकिन एम जादूमणि सिंह (51 किग्रा), अजय (63.5 किग्रा), अंकुश (71 किग्रा), ध्रुव (80 किग्रा), जुगनू (86 किग्रा) और युवराज (92 किग्रा) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। ओलंपिक जाने वाली टीम की सदस्य प्रीति (54 किग्रा) सहित नौ महिला मुक्केबाज सेमीफाइनल खेलेंगी। अंडर-22 फाइनल मंगलवार को खेले जाएंगे।

टी-20 विश्व कप में इंपैक्ट प्लेयर नहीं होने से रणनीतिक रूप सोचना पड़ेगा : स्टार्क

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि अगले महीने अमेरिका में टी-20 विश्व कप शुरू होने पर इंडियन प्रीमियर लीग के इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होने से कप्तानों को अधिक रणनीति के साथ सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत टीमों के पास मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की आजादी होती है। इसे पिछले साल लागू किया गया था। जिसके बाद टीमों आसानी से 200 रन के आस-पास स्कोर कर रही हैं। इस गेंदबाज ने कहा, इम्पैक्ट प्लेयर नियम से चीजें काफी हद तक बदल जाती हैं। टीम को एक बल्लेबाज या गेंदबाज अधिक रखने की आजादी मिलती है और इससे बल्लेबाजी में अधिक गहराई आती है। इससे टीम के पास आठवें या नौवें क्रम तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी मौजूद रहते है। स्टार्क ने कहा कि टी-20 विश्व कप में ये नियम नहीं होगा ऐसे में इसका असर स्कोर पर दिखेगा। आपको किसी अतिरिक्त खिलाड़ी के बिना टीम का संतुलन बनाना होगा।

बॉलीवुड हलचल

वेट्टैयन में नजर आयेगी अमिताभ रजनीकांत की सुपरहिट जोड़ी

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की सुपरहिट जोड़ी फिल्म वेट्टैयन में नजर आएगी। टीजे ग्नानवेल द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म वेट्टैयन लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई जा रह है। फिल्म वेट्टैयन के मेकर्स लाइका प्रोडक्शनस ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। पहली ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत साथ में पोज करते दिखाई दे रहे हैं, तो दूसरी फोटो में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन एक-दूसरे से गले मिलते दिख रहे हैं। तीसरी फोटो में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत बातें करते दिखाई दे रहे हैं, साथ ही प्रोडक्शन हाउस ने एक कैप्शन भी लिखा है, द टाइट्नस ऑफ इंडियन

सिनेमा सुपरस्टार रजनीकांत और शंहशाह अमिताभ बच्चन मुंबई में वेट्टैयन के सेट पर। अमिताभ बच्चन और रजनीकांत ने अंतिम बार वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म हम में काम किया था। इससे पहले दोनों कलाकार फिल्म अंधा कानून (1983) और गिरफ्तार (1985) में स्क्रीन शेयर कर चुके हैं।

फरवरी में शुरू होगी डॉन 3 की शूटिंग

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 की शूटिंग फरवरी 2025 में शुरू हो सकती है। फरहान अख्तर अपनी सुपरहिट फिल्म डॉन का तीसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म डॉन की फ्रेंचाइजी है। पहली डॉन में शाहरुख के साथ प्रियंका चोपड़ा नजर आई थीं। इसके बाद वर्ष 2011 में प्रदर्शित डॉन के सीक्वल में भी शाहरूख खान और प्रियंका चोपड़ा की जोड़ी नजर आई। अब डॉन 3 आ रही है, जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी की अहम भूमिका है। कहा जा रहा है कि डॉन 3 की शूटिंग अगले साल फरवरी महीने में शुरू होगी। रणवीर सिंह इस फिल्म की शूटिंग से पहले अपनी अपकमिंग फिल्म राक्षस की शूटिंग पूरी करेंगे। फरहान अख्तर डॉन 3 की लोकेशन के सिलसिले में लंदन में हैं।

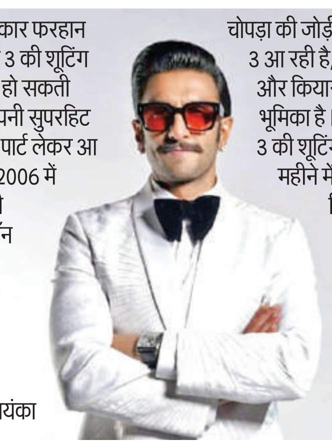

जुलाई-अगस्त में अगली फिल्म पर काम शुरू करेंगे शाहरुख

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान जुलाई-अगस्त में अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू करेंगे। शाहरुख खान ने पिछले साल पठान और जवान और डंकी जैसी कामयाब फिल्मों में काम किया था। शाहरूख खान ने बताया कि वह जुलाई या अगस्त से अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। शाहरुख खान ने कहा मुझे महसूस हुआ कि मैं थोड़ा आराम कर सकता हूं। तीन फिल्में पठान, जवान और डंकी कर चुका हूं, इसमें काफी मेहनत लगती है। ऐसे में मैंने सोचा कि अब मैं थोड़ा आराम कर सकता हूं। मैंने अपनी आइपीएल टीम से भी कहा था कि मैं सभी मैचों में आऊंगा। मेरी शूटिंग अब अगस्त में है या जुलाई में है ऐसे में मैं इन दिनों एकदम फ्री हूं और अपनी आइपीएल टीम को सपोर्ट करने के लिए हर मैच के दौरान मौजूद रह सकता हूं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

जून तक चालू हो जाए महिला घाट पुल:डीएम

यमुना पर बन रहे पुल का किया मुआयना, संपर्क मार्ग 15 जून तक बनाने को कहा

संवाददाता, मऊ (चित्रकूट)

निर्माणाधीन पुल का मुआयना करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने शनिवार को यमुना नदी पर निर्माणाधीन महिला घाट पुल का मुआयना किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को हिदायत दी कि हर हाल में निश्चित समयसीमा में इसे बना दिया जाए। जुलाई तक इस पर आवागमन शुरू हो जाना चाहिए।

कार्यदायी संस्था सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार सिंह ने बताया कि पिलर की कास्टिंग का काम इसी माह पूरा कर लिया जाएगा। जून में ऊपर पैरलल का काम भी पूरा हो जाएगा। डीएम ने एक्सईएन लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड एक कृष्ण कुमार को निर्देश दिए कि पुल के दोनों ओर अप्रोच रोड प्रत्येक दशा में 15 जून तक बन जाए। समयसीमा के अनुसार शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण काम कराया जाए। प्रत्येक दशा में जून के अंत तक काम पूरा हो जाना चाहिए कि जुलाई के अंत तक इसे आवागमन के लिए शुरू कराया जा सके। एसडीएम राकेश कुमार पाठक, तहसीलदार विजय यादव, बीडीओ रामजी मिश्रा, एक्सईएन बीके गौतम, प्रोजेक्ट मैनेजर मित्तल बिरोदर एंड कंट्रक्शन कंपनी लखनऊ फरीद अहमद, थानाध्यक्ष अजीत कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे।

साल से अधर में मऊ-महिला घाट पुल निर्माण

'अमृत विचार' में प्रकाशित समाचार।

'अमृत विचार' ने छापी थी खबर

गौरतलब है कि पुल निर्माण में देरी को लेकर 'अमृत विचार' अपने एक अप्रैल के अंक में '14 साल से अधर में मऊ-महिला घाट पुल निर्माण' शीर्षक से प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर चुका है। इसमें यह भी बताया गया था कि देरी से लागत में तीन गुना तक बढ़ोत्तरी हो गई।

समय से पूरा हो जाएगा कामः प्रोजेक्ट मैनेजर

मऊ-महिला पुल के प्रोजेक्ट मैनेजर अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी ने पुल का निरीक्षण किया है। बताया कि पुल का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बरसात के पहले पहले पुल के नीचे का काम पूरा हो जाएगा। इसके लिए पूरी टीम प्रयासरत है।

अतुल अंजान के निधन पर भाकपा कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा

चित्रकूट। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता अतुल अंजान के निधन पर पार्टी कार्यालय में शनिवार को श्रद्धांजलि सभा की गई। नेताओं ने दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला सचिव अमित यादव एडवोकेट ने कहा कि अतुल जमींदार घराने के होते हुए भी आजीवन मेहनतकशों, किसानों व गरीबों की लड़ाई लड़ते रहे। उत्तर भारत के बड़े वाम नेता के रूप में मुखर होकर किसानों के लिए लड़ाई लड़े। कृषि कानूनों को निरस्त कराने में उनकी । उन्हें आधा दर्जन भाषाओं की जानकारी थी। उनके निधन से वाम आंदोलन को गहरी क्षति पहुंची है, जिसकी भरपाई होना मुश्किल है। रामचंद्र सरस ने कहा कि अंजान छात्र राजनीति के दौरान ही वामपंथी दल में शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा में रामप्रसाद सिंह, मदन भाई पटेल, कमलेश, संदीप कुमार पांडेय, सुशील, शिवबरन, रामू यादव, महेंद्र प्रताप, कल्लू, सोनू आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

गांव में चौपाल लगाकर जागरूक करते एसडीएम प्रमोद झा। अमृत विचार

हर बूथ पर नियुक्त किए जाएंगे पांच मतदान मित्र

राजापुर (चित्रकूट)। उप जिलाधिकारी प्रमोद झा ने शनिवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय नादिन कुर्मियान में मतदाता जागरूकता महाभियान के तहत चौपाल लगाई। ग्रामीणों को अधिक से अधिक संख्या में भयमुक्त होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। हर मतदान केंद्र पर दो दो पंचायत मित्रों की तैनाती की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि लोकतंत्र में मताधिकार एक मौलिक अधिकार है। प्रलोभन, शराब, उपहार व भय व्याप्त कर वोट डलवाना संविधान के विरुद्ध है। निष्पक्ष मतदान से विकास की संभावनाएं बनती हैं। स्वच्छ छवि वाले व्यक्ति का चयन करना अधिकार है। बताया कि बूथों में बुजुर्ग मतदाताओं के लिए पांच- पांच लोगों को मतदान मित्र के रूप में नियुक्त किया जाएगा। ये किसी भी राजनीतिक पार्टी से संबंध न रखते होंगे। हर मतदेय स्थल पर दो मतदान मित्र भी तैनात किए जाएंगे। एसडीएम ने बताया कि पिछली बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बहुत कम मतदान हुआ था। मतदाता जागरूकता महाभियान तभी सार्थक होगा, जब सभी वोट डालेंगे। चौपाल में राजस्व निरीक्षक राजेंद्र सिंह, लेखपाल कपिलमुनि पांडेय, कैलाश सिंह, गुमान सिंह, रमेश सिंह, डॉ. अवधेश सिंह, राजनारायण द्विवेदी, रामनरेश वर्मा, सोनू तिवारी, मान सिंह, राजकुमार राजपूत, लाल सिंह, छेदीलाल सिंह आदि मौजूद रहे।

दो वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चित्रकूट। मानिकपुर थाने के एसआई राजोल नागर ने वारंटी रामबाबू त्रिपाठी निवासी सरैया को गिरफ्तार किया। उधर, एसआई मऊ कृपानंदन शर्मा ने वारंटी शनि तिवारी निवासी यमुना रोड को पकड़ा।

अमित यादव बने स्टार प्रचारक

अमित यादव।

चित्रकूट। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जिला सचिव अमित यादव एडवोकेट को अपनी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है। उनको यूपी की उन सात लोकसभा सीटों और एक विधानसभा सीट, जहां उपचुनाव होना है, में चुनाव प्रचार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अमित का कहना है कि वह पार्टी द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे।

डीएम को संवेदन व अतिसंवेदनशील बूथों की जानकारी दी

चित्रकूट। निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक वी कलाइराशि की अध्यक्षता में व डीएम अभिषेक आनंद, एसपी अरुण कुमार सिंह व सीडीओ अमृतपाल कौर की उपस्थिति में शनिवार को मतदानकार्मिकों व सुरक्षा बलों का रेंडमाइजेशन किया गया। डीएम ने संवेदन व अतिसंवेदनशील बूथों के बारे में बताया। इस मौके पर एडीएम उमेश चंद्र निगम, राजेश प्रसाद, एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, डीडीओ राजकुमार त्रिपाठी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विनय दीक्षित आदि मौजूद रहे।

व्यवस्थाओं की जानकारी लेते जिलाधिकारी अभिषेक आनंद। अमृत विचार

अधिक से अधिक संख्या में बिना भय के करें मतदान

मानिकपुर (चित्रकूट)। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने शनिवार को मऊ-मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय सेसा शिवपुर में चुनाव संबंधी तैयारियों को देखा। सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया कि वे बिना किसी भय के वोट डालें। डीएम ने गांववालों को ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए प्रेरित किया। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मऊ बीके गौतम को निर्देश दिए कि बूथ पर मतदान के दिन छाया, पानी आदि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें। उन्होंने बूथ लेवल ऑफीसरों से 85 प्लस मतदाता, मृतक, दिव्यांग, महिला, पुरुष मतदाता एवं नए मतदाताओं के संबंध में जानकारी की। डीएम ने निर्देशित किया कि मतदाता पर्ची प्रत्येक घर-घर में शत प्रतिशत बंटनी चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान कर सकें। इस मौके पर उप जिलाधिकारी राकेश कुमार पाठक, तहसीलदार विजय यादव, खंड विकास अधिकारी रामजी मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी, थानाध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

स्टांप में कमी पाएं तो जमा कराएं धन

मऊ। जिलाधिकारी ने शनिवार को मवई रोड एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्टांप विलेखों का स्थलीय निरीक्षण किया। सब रजिस्टार अमित कुमार श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि दोनों विलेखों का परीक्षण किया जाए। अगर स्टांप की कमी पाई जाए तो तत्काल नोटिस जारी कर धनराशि जमा कराई जाए। इस मौके पर विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कार्यों को सराहा

चित्रकूट। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में बीते दिनों दिल्ली में हुई कार्यशाला में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की प्रस्तुति ने अन्य कुलपतियों, निदेशकों और प्राध्यापकों की वाहवाही पाई। विवि के कार्यों को सराहना मिली। भारतीय परंपराओं पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. ललित कुमार सिंह ने प्रस्तुति दी।

एक नजर

आदिवासी बच्चों को स्कूल लाने का प्रयास

चित्रकूट। प्राथमिक विद्यालय हनुमानगंज के प्रधानाध्यापक शिवनारायन ने बताया कि स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जंगलों में रह रहे आदिवासी बच्चों को स्कूल तक लाने का प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अभिभावकों के अशिक्षित होने के कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। या तो ईंट भट्ठों में बच्चों सहित पलायन कर जाते हैं या फिर मजदूरी में लगा देते हैं। सरकार का यह मिशन अधूरा रह जाता है।

अंधेरे में रह रहे दुर्गादास का पुरवा के बाशिंदे

चित्रकूट। दुर्गादास का पुरवा में कई दिन से बिजली नहीं है। इससे लोगों को भीषण गर्मी में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि यह मजरा जिला मुख्यालय के नजदीक है। इसके बाद भी जिम्मेदारों को चिंता नहीं है। लोगों ने बताया कि गांव में एक सप्ताह से अधिक समय से हाईटेंशन की तार टूटी है पर इसे जोड़ा नहीं गया। पूरा गांव अंधेरे में डूबा है। विभाग को सूचना देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई।

किशोरी ने आत्महत्या की

सीतापुर (चित्रकूट)। तीर्थक्षेत्र अंतर्गत पुरानी लंका के पास एक किशोरी ने फांसी लगाकर जान दे दी। चित्रकूट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। खुदकुशी की वजह पता नहीं चल सकी। बताया जाता है कि किशोरी भीटापुरवा की रहने वाली है।

आईसीएआर और डीआरआई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

सीतापुर (चित्रकूट)। शनिवार को आरोग्य धाम कार्यालय में आईसीएआर-नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज, आईसीएआर, डीएआरई, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय पूसा कैंपस नई दिल्ली और दीनदयाल शोध संस्थान के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। आईसीएआर-नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और डीआरआई के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने एमओयू पर दस्तखत किए। इस अवसर पर डा. मनोज त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

साहब! हैंडपंप से पानी नहीं भरने देता गांव का युवक

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- महिला ने एसपी को पत्र भेजकर लगाई न्याय की गुहार

अमृत विचार। राजापुर थानांतर्गत सुरजुआपुरवा मजरा भटरी निवासी महिला ने एसपी को पत्र भेजकर गांव के एक व्यक्ति पर सरकारी हैंडपंप से पानी लेने से मना करने का आरोप लगाया है।

अनुसूचित जाति की महिला ने बताया कि उसके ससुर के नाम सरकारी हैंडपंप स्वीकृत हुआ था, जो उसके पड़ोस में लगा है। आरोप लगाया कि उसके पड़ोस में रहने वाले सवर्ण परिवार के व्यक्ति ने हैंडपंप से सबमर्सिबल जोड़ लिया है। वह उन लोगों को पानी नहीं भरने देता। उसने बताया कि दो मई को इस संबंध में उसने थाने में भी सूचना दी पर कोई फायदा नहीं हुआ। उसने एसपी से आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर न्याय की गुहार की है। राजापुर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि ऐसा कोई मामला थाने नहीं आया है। तहरीर मिलेगी तो कार्रवाई करेंगे।

महामति प्राणनाथ महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने शनिवार को मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। उप जिलाधिकारी राकेश कुमार पाठक के नेतृत्व में रैली निकाली गई। इस दौरान प्राचार्य डॉ. एसके चतुर्वेदी, स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ. एस कुरील, बीईओ व छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं। अमृत विचार

जमीन पर कब्जा करने का आरोप

चित्रकूट। भरतकूप अंतर्गत भारतपुर तरांव निवासी रमेश चंद्र, सुखलाल, श्यामकिशोर पटेल, लल्लू, विनोद कुमार, कमल गुप्ता आदि ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कुछ लोगों पर मंदिर के आसपास की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि जमीन की पैमाइश के लिए हल्का लेखपाल की जगह टीम का गठन कर दिया जाए, जिससे वास्तविकता सामने आ सके।

किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाया, भर्ती

मौदहा (हमीरपुर)। पड़ोसी जनपद बांदा के ग्योड़ी गांव निवासी क्रांति (18) पुत्री नन्नू ने घर में रखी सल्फास की गोलियां खा लीं। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने आनन-फानन कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद तबीयत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है।

बच्चों के साथ शिक्षक व मेहमान। अमृत विचार

बचाओ नहीं तो भविष्य में नहीं मिलेगा शुद्ध पानी

संवाददाता, रामनगर (चित्रकूट)

- कार्यशाला में बच्चों को किया गया जागरूक

अमृत विचार। ग्राम पंचायत छीबों के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को बच्चों को जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर महत्वपूर्ण बातें बताई गईं। वक्ताओं ने बच्चों को जल संरक्षण के लिए जागरूक होने की सीख दी।

कार्यशाला का आयोजन यूनोप्स और टेरी संस्था ने किया। आशीष कुमार ने जलवायु परिवर्तन पर जानकारी दी। बताया कि जलवायु परिवर्तन पर ध्यान न दिया जाए तो स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। विधि ने किशोरियों को स्वच्छता और माहवारी प्रबंधन के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि माहवारी के दौरान सूती कपड़े से बने पैड, सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करें और तीन-चार घंटे पर इसको बदलते रहें।

वक्ताओं ने बच्चों को पानी का महत्व समझाया। कहा कि हमें इसे बचाने के लिए भी जागरूक होना होगा नहीं तो आने वाले समय में पेयजल नहीं मिल पाएगा। शिक्षक महेंद्र द्विवेदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने को प्रेरित किया। प्रधानाध्यापक वेद प्रकाश सिंह ने खानपान को लेकर ग्रामीणों को और अधिक जागरूक करने की आवश्यकता बताई।

सत्संग आत्मा को बनाता है शक्तिशाली : श्यामसुंदर

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

- श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का चौथा दिन

कथावाचक।

अमृत विचार। तुलसीतीर्थ मोरगौली मोड़ स्थित सिद्ध आश्रम खोहरा बाबा के पास हो रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथाव्यास डॉ. श्यामसुंदर पारासर ने कहा कि कलियुग में केवल प्रभु के नाम के जाप से मोक्ष मिल जाता है।

उन्होंने कहा कि वाल्मीकि ने उल्टा नाम जप कर ऋषि की उपाधि धारण की थी। कथावाचक ने कहा कि जो व्यक्ति शास्त्रों में बताए नियमों के आधार पर चलता है, वह साकेतगामी होता है। सत्संग आत्मज्ञान के साथ आत्मा को शक्तिशाली बनाता है। सृष्टि के अंधकार को नष्ट करने के लिए भगवान भास्कर की आवश्यकता होती है लेकिन मानव शरीर के अंदर अंधकार को नष्ट करने के लिए सद्गुरु की आवश्यकता है। संतोष त्रिपाठी, घनश्याम द्विवेदी, कृष्णदत्त द्विवेदी, अन्नू मिश्रा, अंशू पांडेय, पप्पू द्विवेदी, सीताराम द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, अनुज द्विवेदी, रितेश पांडेय, गौरीदत्त द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा सुनतीं महिलाएं। अमृत विचार

शास्त्रीनगर में खुला पड़ा नाला। अमृत विचार

बीमारियों को दावत दे रहा शास्त्रीनगर का नाला

चित्रकूट। नगर पालिका अंतर्गत शास्त्रीनगर में खुली नाले का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नाले से बदबू आ रही है, जिससे वहां से गुजरने वालों को दिक्कत हो रही है। इसके अलावा संक्रामक रोगों की भी आशंका जताई जा रही है।

शास्त्रीनगर के बाशिंदों का कहना है कि यह कई साल से इसी तरह खुला है। कई बार ईओ को बताया गया पर सुनवाई नहीं की गई। किराना व्यवसायी पप्पू कहते हैं कि रोजाना लोग उनकी दुकान आते हैं और यहां दुर्गंध की वजह से उनका खड़ा होना भी दूभर होता है। इससे उनके व्यापार को घाटा लग रहा है। लोगों ने बताया कि कई लोगों ने सेप्टिक टैंक के पाइप भी इसी नाले से जोड़ रखे हैं।

नाले में टैंक का पानी गिराना अपराध : ईओ

ईओ लालजी ने बताया कि अगर किसी सेप्टिक टैंक से गंदगी नाले में गिरा रहा है तो यह अपराध की श्रेणी में आता है। इसमें सीधे एफ आईआर के आदेश हैं। जल्द ही मौके का मुआयना कर मामले का निस्तारण कराया जाएगा।

अव्यवस्था — अभियानों की असलियत बयां कर रहीं बजबजाती नालियां, टूटी सड़कें और बिगड़े हैंडपंप

स्वच्छता अभियान के दावे कागजों तक सीमित

अनदेखी

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

अमृत विचार। स्वच्छता और अन्य तमाम तरह के अभियानों की हकीकत जाननी हो तो किसी भी गांव-मजरे में चले जाइए। बजबजाती नालियां, टूटी-फूटी सड़कें, बिगड़े हैंडपंप असलियत खुद ब खुद बता देंगे। जाहिर है, फाइलें दुरुस्त की जा रही हैं और हकीकत पर पर्दा डाला जा रहा है।

गांवों की कौन कहे, पहाड़ी मुख्यालय की हालत ही बदतर है। नालियां पूरी तरह से चोक हो गई हैं। गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। लोगों को संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका है। जिम्मेदारों को इसकी चिंता नहीं। पहाड़ी में सफाईकर्मी तो तैनात हैं लेकिन उनको कहां, कब काम करना है, कब आना है, यह बताने वाला कोई नहीं है। कुछ माह पहले त्रिस्तरीय समिति गठित की गई पर इसका कोई फायदा नजर नहीं आया।

निष्क्रियता के चलते सफाईकर्मी भी मनमानी पर उतारू है। जगह-जगह गंदगी का अंबार है। कल्लू भारद्वाज, गुड्डा भारद्वाज, राकेश पांडेय, इस्लाम, बड़का गौतम आदि ने प्रशासन से इस ओर ध्यान देने की अपील की है।

पहाड़ी की एक बदहाल गली।

गंदगी से बजबजाती नाली। अमृत विचार

मंदिर जाने वाला रास्ता बदतर

लोग बताते हैं कि कस्बे के लोगों की आस्था का केंद्र ग्राम देवी मंदिर जाने वाले रास्ते का भी हाल बदतर है। नालियां पूरी तरह से चोक हैं। गंदा पानी श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहा है।

सड़क किनारे की झाड़ियों से भी खतरा

लोगों ने यह भी बताया कि गांव में दवा का छिड़काव कई वर्षों से नहीं कराया गया। रास्तों के किनारे बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई हैं, जिनसे जहरीले जंतुओं की आशंका बनी रहती है।

पांच आरोपी गिरफ्तार शराब बरामद

चित्रकूट। मानिकपुर थाने के एसआई राजोल नागर ने मयंक कुमार निवासी इंद्रानगर को 45 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। राजापुर के एसआई इमरान खान ने अमित सोनकर निवासी गोस्वामीनगर को 30 क्वार्टर, चौकी प्रभारी सीतापुर गौरव कुमार तिवारी ने भरतलाल निवासी डिलौरा को 28 लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ा। बहिलपुरवा थाने के एसआई जनार्दन प्रताप सिंह ने रामप्रताप कोल निवासी बिजहना कोलान मजरा बड़ी मडैयन को 10 लीटर कच्ची शराब, मारकुंडी एसआई हर्षित मिश्रा ने मुन्ना निवासी दुधबनिया को 15 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति-पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

एक दर्जन नामांकन खारिज 12 उम्मीदवार ठोंक रहे ताल

जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्रों की जांच, दो दर्जन थे उम्मीदवार

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचारः लोकसभा चुनाव में जहां 26 अप्रैल से 3 मई तक नामांकन दाखिल करके दो दर्जन उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में ताल ठोंकी थी, वहीं नामांकन पत्रों की जांच के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने एक-दो नहीं बल्कि पूरे दर्जन भर उम्मीदवारों की प्रत्याशिता पर ग्रहण लगा दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जांच के दौरान विभिन्न खामियों के चलते 12 उम्मीदवारों के नामांकन खारिज कर दिए। अब चुनाव मैदान में मात्र 12 ही उम्मीदवार एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि अभी सोमवार को नाम वापसी के लिए तारीख निर्धारित है, लेकिन अब किसी भी उम्मीदवार के नाम वापस लेने की उम्मीदें कम हो गई हैं।

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद शनिवार को नामांकन पत्रों की जांच का काम भी पूरा कर लिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल की मौजूदगी में एक दर्जन उम्मीदवारों को चुनाव से बाहर करते हुए उनके पर्चे खारिज कर दिए हैं। खारिज नामांकन पत्रों में विभिन्न खामियां पाए जाने का हवाला दिया गया है।

नामांकन स्थल का सजा हुआ गेट। अमृत विचार

नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब चुनाव मैदान में सत्ताधारी भाजपा के आरके पटेल, बहुजन समाज पार्टी के मयंक द्विवेदी, सपा-कांग्रेस गठबंधन से कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल समेत राष्ट्र उदय पार्टी के गुलाबचंद्र वर्मा, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के दिनेश कुमार पटेल, भागीदारी पार्टी के पंचा उर्फ पंचमलाल, अपना दल कमेरावादी के प्रमोद कुमार, लोग पार्टी के बाबूलाल, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के रामचंद्र सरस, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के श्रीराम सिंह गौर, स्वतंत्र जनताराज पार्टी के सुरेंद्र कुमार और निर्दलीय उम्मीदवार रामचरन ही शेष बचे हैं। जबकि नामांकन की आखिरी तारीख तक लोकसभा सीट से कुल 24 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। अभी सोमवार का दिन नाम वापसी के लिए निर्धारित किया गया है, लेकिन चुनाव की असली तस्वीर तो नाम वापसी के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

इनके नाम निर्देशन पत्र हुए खारिज

नाम निर्देशन पत्रों की जांच के बाद सपा से विकल्प रूप में दाखिल शिवशंकर सिंह पटेल समेत विकास इंडिया पार्टी से मोहनलाल, इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी से उमेश समेत निर्दलीय रामसजीवन, राजकुमार, विजय प्रकाश दास, अरविंद, चंद्रभवन, राजबहादुर, बलबन खान गौरी, प्रकाश चंद्र जायसवाल और अब्दुल सोब्हान नोमानी के पर्चे विभिन्न खामियों के चलते खारिज कर दिए गए हैं। ऐसे में अब एक दर्जन प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने के मंसूबों पर पानी फिर गया है। देखना दिलचस्प होगा कि नामांकन खारिज होने के बाद चुनावी दौड़ से बाहर उम्मीदवार किस प्रत्याशी के खेमे में जाकर समर्थन करते हैं।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

नरैनीः विवाहित को ससुरालीजनों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित करने के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर महिला के तहरीर पर पुलिस ने पति सहित सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली क्षेत्र के देवरार गांव निवासी महिला आसमा का विवाह मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार 25 अप्रैल 2019 में मुबारक शेख मंसूरी पुत्र इकबाल निवासी बरुआ के साथ हुई थी। मायके वालों ने दहेज में अपनी हैसियत के अनुसार नगदी सहित गृहस्थी का सारा समान दिया था। कुछ दिनों बाद पति, ससुर सहित अन्य लोग दहेज को लेकर ताना देते थे। इस बता को लेकर अपने माता-पिता को बताया। माता-पिता ने पुत्री को समझा कर ससुराल भेज दिया। कुछ दिन बाद महिला ने एक पुत्री को जन्म दिया। पुत्र पैदा न होने पर ताना देने लगे । साथ ही पीड़ित को मानसिक वा शारीरिक प्रताड़न देने लगे। महिला की तहरीर पर पुलिस अधीक्षक के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने पति मुबारक शेख मंसूरी, ससुर इकबाल, सास समीम बानो, देवर फहीम, गुलशेर, ननद गुलफशा, हुस्न्यारा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

चिकित्सक ने रक्तदान कर बचाई जान

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- सेवर्स आफ लाइफ संस्था ने चिकित्सक को किया सम्मानित
- व्हाट्सएप ग्रुप पर की गई अपील पर पहुंची डॉक्टर

अमृत विचारः चिकित्सकों को धरती का भगवान यूं ही नहीं कहा जाता है। अपनी सेवा, लगन और मेहनत से लोगों की जान बचाने के लिए डाक्टर्स हमेशा तत्पर रहते हैं। ऐसी ही एक मामले में रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में तैनात स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ महिला चिकित्सक ने रक्तदान कर बालिका की जान बचा ली। चिकित्सक के इस नेक कार्य की हर कोई सराहना कर रहा है। सेवर्स आफ लाइफ संस्था ने महिला चिकित्सक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डाक्टर को धरती के भगवान का दर्जा इसलिए दिया गया है क्योंकि वह लोगों की जान बचाने का काम करते हैं। चिकित्सक कभी नहीं चाहता कि उसके सामने पड़े मरीज की मौत हो जाए।

हालांकि आज के दौर में यह पेशा भी व्यवसायिक होता जा रहा है और आए दिन धरती के भगवान कहे जाने वाले डाक्टरों पर कहीं न कहीं से लापरवाही, संवेदनहीनता व अन्य आरोपों वाली खबरें भी सामने आती रहती हैं। लेकिन आज भी ऐसे चिकित्सक मौजूद हैं जो अपने सामने पड़े मरीज को अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और उसे बचाने के लिए जी जान लगा देते हैं। रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा.नीलम सिंह ने एक बार फिर मासूम बालिका की जान बचाने के लिए रक्तदान किया।

जिला अस्पताल में रक्तदान करतीं महिला चिकित्सक। अमृत विचार

महिला चिकित्सक के मुताबिक शहर के निम्नीपार स्थित कांशीराम कालोनी निवासी सरवर खान की एक वर्षीय बालिका खुशी को खून की कमी थी। चिकित्सक ने खून चढ़वाने की सलाह दी। लेकिन मासूम के पिता को रक्तदाता नहीं मिला। पिता ने रक्तदान करने वाली स्वयंसेवी संस्था सेवर्स आफ लाइफ अध्यक्ष सलमान खान से मदद मांगी। संस्था अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर रक्तदान की अपील डाली। व्हाट्एप ग्रुप पर महिला चिकित्सक ने सूचना पढ़ी तो वह रक्तदान करने के लिए जिला अस्पताल के ब्लड बैंक पहुंच गईं। उन्होंने रक्तदान करते हुए मासूम की जान बचा ली।

संस्था अध्यक्ष समेत जिला अस्पताल मुख्य चिकित्साधीक्षक डा.आरके गुप्ता, शादाब खान ने महिला चिकित्सक को प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया।

निर्वाचन आयोग ने जारी किए एप

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचारः लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया सबसे अहम होती है। निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव प्रक्रिया में नागरिकों की पूर्ण सहभागिता जरूरी है। मतदाता बनने के लिए हेल्पलाइन एप काफी कारगर है। इसके जरिये 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा घर बैठे वोट के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा उम्मीदवारों के लिए भी सुविधा एप लांच की गई है। निष्पक्ष चुनाव के लिए सी-विजल एप भी महत्वपूर्ण है। सी-विजिल एप की मदद से आदर्श आचार संहिता उल्लंघन संबंधी शिकायतें घर बैठे दर्ज कराई जा सकती हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं अन्य प्रकार की शिकायत करने तथा उनके निस्तारण के लिए आनलाइन सी-विजिल एप विकसित किया है। मतदाता ऐसी कोई भी शिकायत इस एप पर दर्ज करा सकते हैं। सी-विजिल एप का प्रयोग करने के लिए स्मार्टफोन पर गूगल प्ले स्टोर से सी-विजिल सिटीजन एप डाउनलोड कर अपना मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी के माध्यम से एप में लॉग इन कर शिकायत दर्ज करने के साथ फोटो वीडियो अपलोड किए जा सकते हैं। सी-विजिल एप एक जीआईएस आधारित एप है, जिसमें साक्ष्य के तौर पर केवल लाइव फोटो, वीडियो, ऑडियो ही अपलोड किया जा सकता है। जिला प्रशासन की टीमें सी-विजिल एप व डिस्ट्रिक कॉल सेंटर (डीसीसी) 1950 में प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई करेंगी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रलोभन दिये जाने व अन्य आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित मामलों की शिकायत सी-विजिल ऐप पर की जा सकती है। सी-विजिल के माध्यम से प्राप्त शिकायत का संबंधित अधिकारी जल्द से जल्द निस्तारित करेंगे। इसके बाद विवरण शिकायतकर्ता के सी-विजिल एप पर स्वतरू उपलब्ध हो जाएगा। नियंत्रण कक्ष एवं डीसीसी के 1950 टोल फ्री नंबर के साथ दूरभाष 05192-297257, 297258, 297259 और 297260 पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

एलटी लाइन टूटने से दुकानों में लगी आग

बदौसाः जर्जर एलटी लाइन टूटकर गिरने से सब्जी मंडी में आधा दर्जन दुकानों के छप्पर में आग लग गई। बिजली आपूर्ति बंद कर कर व्यापारियों ने आग बुझाई। तार टूटकर गिरने से मंडी में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदारों ने भग कर अपनी जान बचाई।

शनिवार की सुबह सब्जी मंडी में 440 वोल्ट का बिजली की जर्जर तारें शार्ट सर्किट की वजह से टूटकर आ गिरी। कुछ ही देर में दुकानों में धमाके के साथ आग लग गई। व्यापारी नर्बदा गुप्ता, नीरज गुप्ता, लवलेश गुप्ता, उमेश गुप्ता की दुकानों के सामने लगी छानी और छप्पर धू-धू कर जलने लगे। डरे सहमें व्यापारी दुकानें छोड़ कर बाहर भगे। कोई अनहोनी होती बिजली विभग को फोन कर विद्युत सप्लाई बंद कराई गई। दुकानदारों ने पानी डाल कर आग पर काबू पाया।

सुरक्षा में चूक न होने देने का निर्देश

निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचारः पुलिस प्रेक्षक ने कृषि उत्पादन मंडी समिति में बनने वाले स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल के साथ सुरक्षाबलों के मंडी में ठहरने की साथ सुरक्षा के सभी प्वाइंटों का निरीक्षण करने के बाद पुलिस अफसरों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में किसी तरह की चूक नहीं होनी चाहिए।

लोकसभा चुनाव को मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने जॉय विश्वास को लोकसभा चुनाव का पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया है। शनिवार को उन्होंने कृषि उत्पादन मंडी समिति न् में बनने वाले ईवीएम के स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल व अर्धसैनिक बलों के ठहरने के साथ-साथ सुरक्षा के लिए बनाए गए प्वाइंटों का बिदुवार निरीक्षण किया। और साथ में आए पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्ट्रांगरूम एवं मतगणना स्थल की सुरक्षा में किसी तरह की चूक नहीं होनी चाहिए। साथ ही सुरक्षा में तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों अर्धसैनिक बलों के स्थान में सफाई, पेयजल, विद्युत के पुख्ता इंतजाम कराए जाने के निर्देश दिए। मंडी समिति में की जा रही तैयारियों का निरीक्षण करते हुए समुचित व्यवस्था रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार मौजूद रहे।

मतगणना स्थल का निरीक्षण करते प्रेक्षक जॉय विश्वास व डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

- पुलिस प्रेक्षक ने स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल का जायजा लिया

निरोधात्मक कार्रवाई के तहत आठ गिरफ्तार

बांदाः अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

जनपद के कालिंजर थाना पुलिस द्वारा निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए पप्पू पुत्र रामकुमार रैकवार निवासी तरहटी, सुरेश पुत्र पप्पू रैकवार निवासी तरहटी, लाल बाबू पुत्र श्यामलाल निवासी जमवारा, छोटू भइया पुत्र रामप्रताप यादव निवासी परसहार, बाबू पुत्र भुरिया कुशवाहा निवासी कटरा कालिंजर शामिल हैं। जबकि चिल्ला थाना पुलिस द्वारा निरोधात्मक कार्रवाई के तहत गिरफ्तार किए गए दो अभियुक्तों में सलमान पुत्र समसुद्दीन खान निवासी ग्राम लोमर, नईम खान पुत्र हबीब खान निवासी ग्राम लौमर, वहीं मरका पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त निर्मल सिंह निवासी ग्राम काजीटोला शामिल हैं।

बैलगाड़ी पलटने पर घसीटते रहे बैल, बुजुर्ग की मौत

संवाददाता, बांदा

अमृत विचारःऊंट को देख बिदके बैल बैलगाड़ी लेकर भाग खड़े हुए। बैलगाड़ी पलट जाने से फंसकर बुजुर्ग 20 मीटर तक घिटता चला गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पैलानी थाना क्षेत्र के गौरी खुर्द गांव निवासी बुद्धराज (64) पुत्र पुन्ना रिहायशी मकान से एक किलोमीटर दूर पुरवा में रहता है। वह गर्मी में पानी लेने के लिए एक किमी दूर गांव आता था। गुरूवार की सुबह वह बैलगाड़ी में दो ड्रम पानी लेकर पुरवा जा रहा था। तभी सामने से आ रहे ऊट को देख बैल बिदक गए। बैलगाड़ी लेकर भाग खड़े हुए। बुद्धराज बैलगाड़ी में ही फस कर करीब 20 मीटर तक घसिटता चला गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डाक्टरो ने उसकी हालत नाजुक देख उसे कानपुर रेफर कर दिया। परिजन रूप का इंतजाम करने के लिए उसे घर ले गए। शुक्रवार की शाम उसकी मौत हो गई। शव देखते ही घरवालो में कोहराम मच गया।

आग लगने से तीन मकान जले, युवक झुलसा

संवाददाता, बबेरू

- कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर पाया काबू
- दमकल के देरी से आने पर ग्रामीणों में रहा आक्रोश

अमृत विचारः अचानक आग लगने से तीन मकानों की गृहस्थी जल गई। आग बुझाने के प्रयास में युवक गंभीर रूप से झुलस गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूचना देने के बाद एक घंटा की देरी से दमकल पहुंचने पर ग्रामीणों में आक्रोश रहा। लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर अग्निकांड में हुए नुकसान का आंकलन किया।

कोतवाली क्षेत्र के टोलाकलां निवासी गेंदालाल पुत्र विशाली प्रजापति के तीन पुत्रों अनूप प्रजापति अजय, अनिल के मकान में शुक्रवार की रात 11 बजे अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते पूरा घर आग की लपटों से घिर गया और धू-धू कर जलने लगा। आग की लपटें उठती देख तमाम ग्रामीण मदद को पहुंच गए। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने दमकल को दी। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाते हुए आसपास के मकान बचा लिए। सूचना देने के एक घंटा बाद दमकल पहुंची। दमकल के देरी से पहुंचने पर ग्रामीणों में नाराजगी रही। आग बुझाने के प्रयास में अनूप (24) पुत्र गेंदालाल आग बुझाते समय गंभीर रूप से झुलस गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर लेखपाल ने गांव पहुंचकर अग्निकांड में हुए नुकसान का आंकलन किया। उधर, अतर्रा एसडीएम रावेन्द्र सिंह ने बताया है कि हस्तम गांव में अचानक आग लग गई थी। सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर स्वयं पहुंचकर दमकल ने आग बुझाई। त्वरित कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस सहित अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गयी।

अग्निकांड से क्षतिग्रस्त मकान। अमृत विचार

सार-संक्षेप

युवक को डंडों से पीटा

बांदा : पैलानी थाना क्षेत्र के चंदवारा गांव निवासी रजोल (32) पुत्र तोता सिंह शुक्रवार को सब्जी लेने बाजार गया था। रास्ते में गांव के तीन लोग उसे गाली गलौज करने लगे। रजोल ने विरोध किया। इसी बात से नाराज होकर तीन लोगो ने रजोल को डंडो से पीट कर घायल कर दिया। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। आरोपी मौके से भाग निकले। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है।

बहला-फुसलाकर किशोरी को ले गया

नरैनी : गिरवां थाना क्षेत्र एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस की तहरीर देकर बताया की मेरे लड़के की बारात थाना क्षेत्र के ही एक गांव गई थी। उसकी नाबालिक पुत्री भी बरात में गई थी। जयमाल के समय उसकी पुत्री को गांव का एक व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया। पिता की तहरीर पर थाना पुलिस ने आरोपी पुष्पेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

कार्यक्रम यातायात नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं पर लगाई जा सकती है रोकथाम

सड़क पर सुरक्षा के प्रति सचेत रहने का आह्वान

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार : शासन के निर्देश पर आयोजित सड़क सुरक्षा पखवारा का आयोजन हुआ। समारोह में उप जिलाधिकारी समेत संभागीय परिवहन अधिकारियों, महाविद्यालय प्राचार्य और छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर भागीदारी की। एसडीएम और आरटीओ ने सभी से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। कहा कि यातायात नियमों के कड़ाई से पालन पर सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम लगाई जा सकती है।

अतर्रा कस्बा स्थित राजकीय इंजीनियरिंग कालेज में शनिवार को शासन के निर्देश पर आयोजित सड़क सुरक्षा पखवारा का भव्य समारोह के बीच समापन हुआ। समारोह का उद्घाटन अतर्रा एसडीएम रावेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति की मृत्यु से पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। साथ ही पूरी पीढ़ी पीछे चली जाती है। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर दुर्घटनाओं को रोककर जीरो तक ले जाना है। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी शकर जी सिंह ने कहा कि स्टेकहोल्डर विभागों के अंतर्विभागीय समन्वय से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है स्वयं जागरूक होकर अपने घर और परिवार के लोगो को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अनिल कुमार ने दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट व कार चालकों को सीट बेल्ट लगाने को प्रेरित किया। इस अवसर पर राजकीय इंजीनियरिंग कालेज अतर्रा के छात्रों ने भाषण, कविता तथा नुक्कड नाटक के माध्यम से समारोह में उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। सड़क सुरक्षा के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा अतिथियों को सम्मानित किया गया। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने सभी को सड़क सुरक्षा के प्रति शपथ दिलायी। इस मौके पर संभागीय परिवहन अधिकारी संतदेव सिंह, प्रबंध निदेशक एनएचएआई, यात्रीकर अधिकारी राम सुमेर यादव, क्षेत्राधिकारी अतर्रा, महिला महाविद्यालय प्राचार्य डा.दीपाली गुप्ता, अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य रेखा रानी, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन दिनेश कुमार यादव, राजकीय इजीनियरिंग निदेशक श्रीप्रकाश शुक्ला सहित 300 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन इंद्रवीर सिंह ने किया।

छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते परिवहन विभाग के अधिकारी। अमृत विचार

वाणिज्य कर विभाग का व्यापारी के गोदाम में छापा

संवाददाता, नरैनी

- कस्बे में किराना व गुटखा का है थोक व्यापारी
- छापे की भनक लगने पर व्यापारी हुआ फरार

अमृत विचार : किराना व गुटखा के व्यापारी के गोदाम में वाणिज्य कर विभाग की टीम ने छापा मारा। छापे के दौरान व्यापारी दुकान छोड़कर मौके पर से भग खड़ा हुआ। छापामार कार्रवाई से कस्बे के अन्य व्यापारियों में खलबली मच गई। कुछ कारोबारी दुकानों में ताला लगाकर खिसक लिए।

करतल कस्बे के रहने वाले लल्लू गुप्ता पुत्र मोहन लाल गुप्ता काफी समय से किराना और गुटका मशाले का कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार की शाम मौके पर पहुंची सेल टैक्स की टीम ने दुकान के पास मौजूद गोदाम में छापेमारी की। व्यापारी लल्लू गुप्ता कस्बे के रहने वाले रमेश पटेल के घर में गोदाम बनाए हुए था। इस दौरान टीम के पहुंचते ही व्यापारी दुकान छोड़कर भग खड़ा हुआ। गोदाम के अंदर पहुंची टीम ने स्टाक चेक किया।

इस दौरान मौके पर मिले स्टाक के बिल बाउचर मांगे लेकिन कोई उपलब्ध नही करा पाए। इस दौरान टीम ने गोदाम के अलावा दुकान में पहुंच रखा मैटेरियल चेक किया। टीम को अवैध गुटखा और मसाला सहित तमाम सामग्री बिना बिल बाउचर के अवैध रूप से मौके पर मिली। टीम के द्वारा देर रात तक कार्रवाई और जांच पड़ताल चलती रही। वाणिज्य कर विभाग की टीम व्यापारी को दो दिन के अंदर बिल बाउचर उपलब्ध कराने की चेतावनी देकर वापस लौट गए।

प्रवेश प्रारम्भ प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

गेहूं क्रय केंद्रों पर अब 48 घंटे में होगा भुगतान

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- जिले में खोले गए 49 सरकारी क्रय केंद्र

अमृत विचार। जिले के गेहूं क्रय केंद्रों पर गेहूं की बिक्री करने वाले किसानों को अब 48 घंटे के अंदर भुगतान मुहैया कराया जाएगा,साथ ही गेहूं की दर भी प्रति क्विंटल 2275 रुपए निर्धारित की गई है। जिला प्रशासन के इस आदेश से अब गेहूं खरीद केंद्रों में गेहूं की आमद बढ़ने के आसार बढ़ गए हैं।

अपर जिलाधिकारी वित्त व प्रभारी अधिकारी गेहूं खरीद राम प्रकाश ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत जनपद में गेहूं खरीद 1 मार्च से 15 जून तक निर्धारित है। जनपद महोबा में 49 गेहूं क्रय केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं। इस वर्ष गेहूं क्रय का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। क्रय केन्द्रों पर किसानों द्वारा गेहूं की उतराई, सफाई एवं छनाई के मद में रु. 0.20 प्रति क्विंटल की दर से किये गए व्यय की प्रतिपूर्ति किसानों को की जाएगी। गेहूं क्रय केन्द्र प्रत्येक दिवस में समय सुबह 9 बजे से सायं 6 बजे तक संचालित रहेगें। कृषक बन्धुओं द्वारा सरकारी क्रय केन्द्रों पर विक्रय किये गये गेहूं के मूल्य का भुगतान उनके आधार लिंक एवं एनपीसीआई मैप्ड बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से 48 घंटे में सुनिश्चित किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि अब किसानों को उनकी फसल का उचित मूल भी गेहूं के केद्रों पर मिल रहा है। इसलिए किसानों को खुले बाजार में गेहूं की बिक्री न करके अब अपना गेहूं सरकारी गेंहू क्रय केन्द्रों पर ही विक्रय करें।

महिला से अश्लीलता करने पर केस

महोबा। ग्राम पनवाड़ी मे एक महिला ने कस्बे के ही एक ग्रामीण पर घर के पास अश्लील हरकतें और छीनाझपटी करने पर महिला का मंगलसूत्र टूट गया। बाद में जान से मारने की धमकी देते हुए वह भाग गया। महिला की तहरीर पर थाना पनवाडी में छेड़खानी और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा पंजीकृत हो गया है।

ग्राम पनवाड़ी के एक मोहल्ला निवासी महिला ने पनवाडी गांव के ही एक ग्रामीण पर आरोप लगाया कि वह उसके घर के पास आया और और पैसे के लेन देन की बात करते हुए धमकाने लगा। इसका विरोध करने पर उसने महिला के साथ छीना झपटी कर अश्लील हरकतें की, महिला के चीखने चिल्लाने पर वह उसे जान से मारने की धमकी देता हुआ भाग गया। पीड़िता ने थाना पनवाड़ी में ग्रामीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश के प्रत्याशी मध्य प्रदेश के घरों में मांग रहे वोट

नईमुर्रहमान, महोबा

- एमपी में प्रवेश करने के बाद यूपी के गांव का मिलता रास्ता
- सरहद के घालमेल से प्रत्याशी और प्रचारक हो रहे परेशान

अमृत विचार। सरहद की घालमेल से प्रत्याशी और मतदाता दोनों ही परेशान है। मध्यप्रदेश की सीमा पर आबाद कुछ गांव में अजीबोगरीब स्थिति है। उत्तर प्रदेश क्षेत्र का प्रत्याशी मध्यप्रदेश के मतदाताओं से वोट मांग रहा है, तो कहीं मप्र के प्रत्याशी उप्र के घरों में दस्तक दे देते हैं। मतदान के दिन भी यूपी एमपी की सीमाएं मतदाताओं को हलाकान करेंगी। गांव यूपी के और उसमे दाखिल होने का रास्ता एमपी का है, जिससे प्रत्याशी और समर्थक पसोपेश में पड़ जाते हैं, यहां तक की तमाम प्रत्याशी तो यूपी के एमपी की सीमा में बसे गांव में संपर्क नहीं कर पाते हैं।

जिले की कुलपहाड़ और महोबा तहसील के तमाम गांव मध्यप्रदेश की सीमा से सटे हुए गांव में हैं। कई गांव की स्थिति यह है कि पहले एमपी में घुसना पड़ता है, इसके बाद फिर यूपी का रास्ता मिलता है। अजनर क्षेत्र के ग्राम भगारी, धवर्रा सहित आधा दर्जन से ज्यादा ऐसे गांव हैं, जो एमपी में पहुंचे बिना जिले के गांव में नहीं पहुंच सकते हैं। यूपी एमपी का जबरजस्त घालमेल होने से इन गांवों की हालत यह है कि घर का दरवाजा अगर यूपी में खुलता है तो पिछले कमरे के खपरेल का पानी एमपी मे गिरता है। यूपी के गांव के विद्यार्थी एमपी की बिजली लाइन के खंभों नीचे पढते हैं। सीमा घालमेल में प्रत्याशी और उनके प्रचारक फंस रहे हैं। हमीरपुर महोबा संसदीय सीट के प्रत्याशी उन गांव में वोट मांग रहे हैं, जो मकान एमपी में दर्ज हैं। प्रत्याशी सिर्फ चुनाव के मौके पर ही पहुंचते हैं, जिससे वह पांच साल में यह भी भूल जाते हैं कि कौन गांव यूपी का है और कौन गांव एमपी का है। मकानों और दीवारों में बंटे सूबे में उनको यह पहचान कर पाना दूभर हो जाता है कि कौन उनके मतदाता हैं और कौन एमपी के मतदाता हैं।

सबसे ज्यादा सीमा का घालमेल अजनर क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में है। इन गांवों के लिए यूपी की धरती से कोई रास्ता नहीं है। यूपी के गांव में संपर्क करने के लिए पहले एमपी के गांव में प्रवेश करना पड़ता है। इसके बाद यूपी के गांव में दाखिला मिलता है। मतदान के दिन सीमाएं सील हो जाने से इन गांव के अधिकांश मतदाताओं को मतदान करने में भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। चुनाव के अलावा दिनचर्या में भी सीमाएं आड़े आती हैं। धवर्रा गांव के ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों लोकसभा चुनाव के चलते आएदिन प्रत्याशी आकर वोट मांग रहे हैं। यहां तक कि एमपी के गांव में कभी कभार यूपी के प्रत्याशी वोट मांगने पहुंच जाते हैं तो कभी कभार यूपी के गांव में एमपी के प्रत्याशी आ जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव में सिर्फ प्रत्याशी आते हैं और वादे भी करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद फिर मुड़कर नहीं देखते हैं, जिसके चलते वह यूपी, एमपी के गांव भूल जाते हैं।

निवासी यूपी में सुविधाएं ले रहे एमपी की

यूपी एमपी की सरहद पर बसे कई गांव के बाशिंदे नाम के लिए तो यूपी में निवास कर रहे हैं, जबकि चिकित्सा, शिक्षा, पानी जैसी सारी सुविधाएं एमपी की ले रहे हैं। कारण, मध्यप्रदेश के चारो तरफ से घिरे यूपी के इन गांव के ग्रामीणों को जिला मुख्यालय 60 किमी दूर पड़ता है। जबकि एमपी का जिला छतरपुर बीस से पच्चीस किमी0 पड़ता है और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव आठ से दस किमी दूर है। कमोवेश यही स्थिति स्कूल कालेजों की भी है, जिससे यूपी एमपी की सरहद पर बसे गांव के लोग बाजार से लेकर सबकुछ एमपी में ही करते हैं, लेकिन उन्हें जमीन जायजाद के मामलों के लिए यूपी जिला मुख्यालय महोबा आना पड़ता है। यहां तक कि एमपी से निकली बिजली लाइन के खंभों में लगी ट्यूबलाइट, हाईलोजन की रोशनी यूपी में आती है।

शहर में शाम को गई बिजली, आधी रात को आई

बिजली न आने से लोगों ने घरों के बाहर टहलकर वक्त काटा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शुक्रवार की शाम करीब पांच बजे बिजली कटी तो रात बारह बजे के करीब दर्शन हुए। इस बीच बिजली न आने से लोग घरों से बाहर निकलकर मोहल्ले, चौराहो और मैदानों में खड़े होकर बिजली विभाग को कोसते नजर आए तो वहीं लोकसभा चुनाव की चर्चा कर अपना समय निकालते हुए बिजली आने का इंतजार करते रहे। बिजली विभाग से इस संबन्ध में पूछे जाने पर बताया कि 33केबी लाइन में दिक्कत आने के कारण बिजली गुल रही, जिसे कर्मियों को लगाकर दुरुस्त कराया गया है।

एक ओर शहर वासी गर्मी और लू के थपेड़ों से बेहाल हैं। वहीं विद्युत विभाग द्वारा किए जाने वाली बिजली की मनमानी कटौती से लोगों का बुरा हाल है। आएदिन घंटो बिजली न आने से लोग पसीना-पसीना हो रहे हैं। वहीं कारोबार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। बिजली की बेहिसाब कटौती के चलते महिला, वृद्धजनों और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। रात दस बजे के करीब एक दो बार बिजली आई और लोग घरों के लिए चलने लगे, लेकिन लोगों के मुड़ते ही बिजली फिर चली गई, जिससे लोग इधर-उधर खड़े होकर चर्चाएं करने लगे। आधी रात बिजली आई तो राहत मिली।

ट्रासफार्मर में आग लगने से अफरातफरी

ट्रांसफार्मर में लगी आग।

शहर के रोडवेज के समीप सड़क किनारे लगे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई, जिससे लोगों और वाहन चालकों में अफरातफरी मच गई। आग लगते देख ट्रांसफार्मर के समीप खड़े लोग इधर से उधर भागकर अपने को सुरक्षित करने में लग गए। दुकानदारों द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रांसफार्मर में आग लगे होने की सूचना कर एरिये की बिजली बंद कराई, इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बाद बिजली विभाग के कर्मियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद बिजली लाइन को ठीक किया, लेकिन बिजली नहीं आई और रात करीब बारह बजे बिजली आने के बाद लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की।

सड़क किनारे खुले रखे विद्युत ट्रांसफार्मर खतरे का संकेत

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शहर के मुख्य मार्गो और मेन चौराहों पर सड़क किनारे बिना जाली के रखे विद्युत ट्रांसफार्मर लोगों के लिए खतरा बने हुए है। ट्रांसफार्मर के करीब से दिन भर सरपट वाहन भी दौड़ते रहते हैं, जिससे वाहन चालकों के सामने भी दुर्घटना का भय बना रहता है। इतना ही नहीं आजाद चौक से लेकर जीजीआईसी तक मुख्य मार्ग में कई ट्रांसफार्मर बिना जाली के रखे हुए है, जो लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। चालकों का अपने वाहन से जरा सा भी संतुलन खोने पर बड़ी घटना घटने से इंकार नहीं किया जा सकता है और बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को जानकारी होने के बाद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

शहर के रोडवेज ऊदल चौक मार्ग, आल्हा चौक से हवेली दरवाजा मार्ग और छतरपुर मार्ग पर बिजली विभाग द्वारा बिना सुरक्षा जाली के ट्रांसफार्मर सडकों के किनारे स्थापित करा दिए हैं, जो कभी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। शहर के मार्गों पर रखे यह ट्रांसफार्मर दो पहिया, तीन पहिया सहित सभी गुजरने वाले वाहनों के लिए खतरे की घंटी बजा रहे हैं। कई ट्रांसफार्मर तो व्यस्तम चौराहों पर ही रख दिए गए, जहां पर ट्रांसफार्मर के आसपास लोग चार पहिया ठेलिया व अस्थाई दुकानें लगाकर अपनी रोजी रोटी चला रहे है। इन ट्रांसफार्मरों के आसपास चाय, पान सहित कई दुकानें संचालित है और इन दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ भी जुटती है।

लापता युवक का शव पुल के नीचे मिला

महोबा। थाना अजनर की धवर्रा चौकी अन्तर्गत पठारी गांव निवासी एक युवक का शव भदार नदी के समीप पुल के नीचे मिला। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना अजनर के ग्राम पठारी निवासी ठाकुरदास कुशवाहा के पुत्र सुखनन्दन उर्फ हलकुट्टा शुक्रवार की शाम नशे में घर से चला गया था। परिजनों द्वारा उसकी काफी तलाश की गई लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। शनिवार को सुबह शौच क्रिया को गये ग्रामीणों ने पुल के पास एक शव देखा और पास जाकर उसकी सुखनन्दन के रूप में शिनाख्त की। इसके बाद परिवार वालो को सूचना दी गई। मौके पर पहुचे परिवारीजनों ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंचे चौकी इंचार्ज धवर्रा शिवदान सिंह ने शव को कब्जे मे ले पोस्टमार्टम को भेज दिया।

दहेज में पांच लाख न देने पर युवती को घर से निकला

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पति समेत छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार। एक साल पहले हुई शादी के बाद भी ससुरालीजनों द्वारा 5 लख रुपए की मांग करने लगे। पांच लाख नगद देने से माना कर दिया तो ससुराली जनों ने युवती को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। बाद में पति उसे झांसी के इलाइट चौराहे में छोड़ आया। युवती ने मायके आने के बाद पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर घटना की जानकारी दी। एसपी के आदेश पर पीड़िता के पति समेत आधा दर्जन ससुराललली जनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

कोतवाली कुलपहाड़ के ग्राम मोरी निवासी सुंदरलाल ने अपनी बेटी प्रीति का विवाह जनपद झांसी की ग्राम भीखा गरौठा में सत्येंद्र के साथ 6 में 2023 को किया था युक्ति के पिता ने अपनी हैसियत से अधिक दान दहेज दिया था, और 3 लाख रुपए नकद भी दिया था। इसके बाद भी ससुराल वाले खुश नहीं हुए और और पांच लाख की मांग करने लगे विवाहिता के मना करने पर ससुराली जनों ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। बाद में पति उसे झांसी के इलाइट चौराहे में छोड़ आया, कि मायके चली जाना। विवाहिता ने फोन करके भाई को बुलाया और मायके केगराम मौहरी आ गई। और मां-बाप को सारी कहानी बताई। प्रीति ने पिता के साथ जगत पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता की निर्देश पर कोतवाली कुलपहाड़ में पति सत्येंद्र, नंद संध्या, संगीता सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।

खेत में पैदावार कम होने से किसान को हार्टअटैक, मौत

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- तीन दिन से खाना नहीं खा रहे थे, बेटे कर रहे मजदूरी
- पत्नी को सता रही 50 हजार का कर्ज अदा करने की चिंता

अमृत विचार। थाना खरेला के ग्राम बरदा मे रबी की फसल की पैदावार इस साल आधे से भी कम होने और साहूकारों से लिये गए कर्ज से परेशान किसान की अटैक पड़ने से मौत हो गई। घर के मुखिया की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। घर में रोना पीटना मचा हुआ है। अब मृतक की पत्नी को कृषि कार्य के लिए साहूकारों से लिए गए 50 हजार कर्ज अदायगी की चिंता सता रही है।

ग्राम बरदा निवासी हरिदास 62 पुत्र मुलुवा ने इस साल 16 बीघा जमीन पर चना और गेहूं की फसल की बुवाई की थी। बीज खरीदने और बुवाई करने सहित कृषि कार्य के लिए उसने गांव के ही साहूकारों से 50000 रुपए कर्ज लिया था। कि फसल आने पर साहूकारों के कर्ज की अदायगी कर दी जाएगी, लेकिन इस साल बेमौसम हुई बारिश से किसान की फसल बर्बाद हो गई और 50 फीसदी भी पैदावार नहीं हुई। इसी से किसान कर्ज की अदायगी को लेकर परेशान रहने लगा। शनिवार को हार्टअटैक पड़ने से किसान की मौत हो गई। मृतक किसान की पत्नी चंदाबाई ने बताया कि घर पर फसल हर साल की अपेक्षा इस साल आदि से भी कम आई। इससे उसके पति परेशान रहने लगे और तीन दिन से वह खाना भी नहीं खा रहे थे।

काफी मनाने के बाद वह खाना खाने के लिए राजी हुए, लेकिन नाममात्र ही खाना खाया। खाना खाते समय कह रहे थे कि इस साल फसल बर्बाद हो गई है। अब किसानों का कर्ज कैसे अदा होगा। शनिवार को उन्हें हार्टअटैक पड़ा और उनकी मौत हो गई।

कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़ित ने सीओ से इंसाफ मांगा

मौदहा (हमीरपुर)। पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़ित ने क्षेत्राधिकारी के चौखट पर पहुंच कर आपबीती सुनाते हुए न्याय दिलाए जाने की मांग की है।

कोतवाली क्षेत्र के गुरदाहा गांव निवासी राम लखन ने क्षेत्राधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए आप बीती सुनाते हुए बताया कि बीते 30 अप्रैल बंटवारे के लेकर शिव भवन, रामखिलावन, विपिन, राहुल आदि लोगों ने उसे और उसकी पत्नी को लाठी डंडे से प्राण घातक हमला कर घायल कर दिया है। कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई थी, लेकिन कोतवाली पुलिस ने मामले को मारपीट की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था। वह पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं था। कोतवाली पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट होकर पत्नी का मेडिकल परीक्षण करने और सुसंगत धाराओं में आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की क्षेत्राधिकारी से मांग की है।

गोष्ठी में बोलतीं प्रधानाचार्य सरगम खरे।

छात्राओं ने बनाई रंगोली। अमृत विचार

मतदाता जागरुकता अभियान की विद्यार्थी परिषद ने जगाई अलख

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में गोष्ठी का आयोजन

अमृत विचार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई के तत्वावधान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मे मतदाता जागरुकता अभियान के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी के मौके पर वक्ताओं ने अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की, जिससे चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ सके। कार्यक्रम से पूर्व छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से वोट डालने का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में चुनाव को राष्ट्रीय महापर्व बताया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य सरगम खरे ने अपनी कविता के माध्यम से लोगों का मनमोह लिया। प्रधानाचार्य ने कहा कि वह अक्सर अपना योगदान अलग-अलग भूमिकाओं को अदा कर देती रहती है। आदर्श चक्रवर्ती ने बच्चों को वोट की कीमत बताई। कहा कि छात्राएं भी घर पर अपने माता-पिता को मतदान करने के प्रति प्रेरित कर सकती हैं। इसलिए कॉलेज में गोष्ठी कर मतदान के अधिकार के बाबत जानकारी दी गई। इस मौके पर कई वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

सार-संक्षेप

किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाया, भर्ती

मौदहा (हमीरपुर)। किशोरी ने अज्ञात कारणों से घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने कस्बे के सीएचसी में भर्ती कराया। पड़ोसी जनपद बांदा के ग्योड़ी गांव निवासी क्रांति (18) पुत्री नन्नू ने घर में रखी सल्फास की गोलियां खा लीं। हालत बिगड़ने पर सीएचसी में भर्ती कराया।

युवती की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या का आरोप

कमासिन : कस्बा निवासी शिवकुमारी (24) पत्नी सुमित दो माह से बीमार थी। उसका रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में इलाज करवाया गया। जांच के बाद डॉक्टरो ने दिमाग में पानी होने के बात बताई थी। उसका प्रयागराज के एक अस्पताल में आप्रेशन हुआ। इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। ससुराली जन शव लेकर कमासिन आ गए। इस पर मृतका के पिता मोतीलाल निवासी खोह चित्रकूट ने थाने में सूचना दी कि उसकी बेटी की हत्या कर दी गई। मृतका के जेठ सुनील ने बताया कि शिवकुमारी की शादी 15 मई 2023 को हुई थी।

चार लोगों ने जहर खाया

बांदा : चिल्ला थाना क्षेत्र के लौमर गांव निवासी मिथलेश (42) पत्नी बदलू का शनिवार की सुबह देवरानी से विवाद हो गया। इसी से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। बिसंडा थाना क्षेत्र के तेंदुरा गांव निवासी भारत (18) पुत्र दिलीप ने शनिवार की सुबह पिता की डांट से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। बिसंडा थाना क्षेत्र के बिलगांव निवासी चंद्रपाल (32) पुत्र बुक्कू ने घरेलू कलह से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। देहात कोतवाली क्षेत्र के लुकतरा गांव निवासी पूनम (35) पत्नी देवेंद्र ने घरेलू कलह से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जल संकट से निजात की मांग

नरैनी : कस्बे के बरुआ स्योडा सुभाष नगर निवासी बिंदा दीन, लड़कू, शिवप्रसाद, राजेश कुमार, रामदीन, इंद्रपाल पथिक आदि ने उप जिलाधिकारी को पत्र लिख कर बताया कि नगर पंचायत अध्यक्ष के द्वारा लाखो रुपए खर्चा कर कुएं में समरसेबल डालकर पानी की व्यवस्था की गई। फिर भी पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो रही है।

बदहाली देखरेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो गई इमारत

हथकरघा उद्योग केंद्र बंद हो जाने से कारीगर बेरोजगार

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शहर के पूल्ड हाउस कलोनी के समीप बना हथकरघा उद्योग केंद्र बंद हो जाने से सैकड़ों श्रमिक व कारीगर बेकार हो गए हैं। इन कारीगरों के सामने हथकरघा उद्योग केंद्र बंद हो जाने से रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। हथकरघा में लगी बड़ी बड़ी मशीने धूल चाट रही हैं और अन्य उपकरण जंग लगने के चलते बेकार हो गए हैं। देखरेख के अभाव में हथकरघा उद्योग की बड़े क्षेत्र में बनी इमारत भी जर्जर होकर गिर गई है। इमारत का कुछ हिस्सा गिरने के कारण हथकरघा की मशीनें भी मलबा गिरने से बेकार हो गई है।

खंडहर में तब्दील हथकरघा केंद्र। अमृत विचार

गौरतलब है कि तीन दशक पहले शहर में खोला गया हथकरघा उद्योग केंद्र में तमाम श्रमिक और कारीगर सूत बनाने से लेकर तमाम कार्य किया करते थे और यहां पर तैयार होने वाला माल कानपुर व अन्य स्थानों पर भेजा जाता था। इस उद्योग केंद्र के संचालन के समय तमाम लोगों को रोजगार मिला हुआ था साथ ही अन्य लोग भी हथकरघा में रोजगार मिलने की उम्मीद में कारीगर बन गए थे, लेकिन कुछ कारीगरों को चंद साल ही काम करने का मौका मिला और उद्योग केंद्र ही ठप हो गया। इस केंद्र में पुरुषों के अलावा महिलाएं भी बडे पैमाने पर काम करती थी, लेकिन उद्योग केंद्र के अचानक बंद हो जाने के बाद यहां के कारीगरों का परिवार रोजी रोटी के लिए तरस रहा है। मालूम हो कि सालों हुनर सीखने के बाद जब लोग कारीगर बनकर तैयार हो गए, लेकिन कुछ सालों बाद ही हथकरघा उद्योग केंद्र में ताले लटक गए थे। उल्लेखनीय है कि तीन दशक पहले कुटीर उद्योगों को अधिक महत्व दिया जाता था, लेकिन अब कुटीर उद्योग ही धीरे धीरे बंद होते चले गए, इससे हुनर सीखने के बाद भी लोग बेकार हो गए। अब दूसरा हुनर सीखने के लिए लोगों की रुचि नहीं रह गई है। उद्योग केंद्र के बंद होने से भारी संख्या में लोगों की रोजी रोटी छिन गई, जिसके चलते कुछ लोग शहर चले गए तो कुछ लोकल में मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं।

हथकरघा केंद्र का भवन बना शराबियों का अड्डा

हथकरघा उद्योग इमारत में लगे दरवाजे धीरे धीरे टूट कर गिर गए हैं। शटर भी जंग खाकर बेकार हो गए हैं, जिससे फालतू खूमकर कबाड़ एकत्र करने वाले लोग गली हुई शटर भी तोड़ तोड़कर ले गए, जिससे शटर का अब कोई अता पता नहीं है। हथकरघा का कोई पुरसाहाल न होने के कारण यह इमारत जुआरियों और अराजकतत्वों, शराबियों का अड्डा बन गई है, वहीं कुछ बच्चे हथकरघा परिसर में क्रिकेट खेल रहे हैं।

कांशीराम कॉलोनी की सफाई में लगी टीमें

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- काशीराम कॉलोनी के आसपास छह घंटे सफाई

अमृत विचार। शहर में सफाई रखने के उद्देश्य से पालिका प्रशासन द्वारा चलाए गए सफाई अभियान के तहत शनिवार को काशीराम कॉलोनी के आसपास सफाई कर्मचारियों की दो अलग-अलग टीमें लगाकर नाले नालियों की सफाई के साथ-साथ कूड़े के लगे ढेर को भी हटवाया गया। ताकि काशीराम कॉलोनी के बाशिंदों को संक्रामक बीमारियों से बचाया जा सके। अभियान सुबह 11 से शाम 5 बजे तक जारी रहा।

गंदगी के चलते मच्छरों की भरमार से जूझ रहे लोगों को इससे निजात दिलाने और बीमारियों से दूर रखने के लिए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार के निर्देश पर सफाई निरीक्षक रामसेवक और भूपेंद्र के नेतृत्व में सफाई कर्मचारियों की दो टीमों को लगाकर सफाई अभियान शुरू कराया गया। सबसे पहले एसपी ऑफिस के पीछे बनी काशीराम कॉलोनी में दो दर्जन से ज्यादा सफाई कर्मचारियों को लगाकर नाले नालियों से कीचड़ निकाल कर ट्रैक्टरों से भरकर फेंका गया। इसके बाद समूचे परिसर में झाड़ू लगवा कर साफ सफाई कराई गई। साफ सफाई होने से यहां के वाशिंदों ने राहत की सांस ली, साथ ही जगह-जगह नाले नालियों में भरे गंदे पानी और कीचड़ से पनप रहे मच्छरों से भी अब लोगों को निजात मिलेगी। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

काशीराम कॉलोनी परिसर में सफाई करते कर्मी। अमृत विचार

आफत : आग लगने से गृहस्थी जलकर हुई राख, मचा हड़कंप

खाने -पीने का सामान व अनाज जला, राजस्व लेखपाल ने पहुंचकर किया क्षति का आकलन

भुलसी गांव में आग से जला मकान। अमृत विचार

संवाददाता मौदहा, हमीरपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के भुलसी गांव में शनिवार की दोपहर बाद लगी आग से एक मकान व गृहस्थी का सामान सहित खाने पीने का सामान जलकर राख हो गया। आग की घटना में करीब ढाई लाख की क्षति का अनुमान है। राजस्व विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंच क्षति का आकलन किया।

उधर अरतरा गांव के निकट खेतों में रखी पराली में भीषण आग लग गई। जबकि बीती देर शाम मौदहा सब्जी मंडी परिसर में आग लगने से कई घंटे तक अग्निशमन की गाड़ी आग बुझाने में लगी रही। जिससे बड़ा नुकसान होते-होते टल गया।

तहसील क्षेत्र के भुलसी गांव में शनिवार को दोपहर बाद अज्ञात कारणों से रामकिशोर धुरिया के मकान में आग की लपटें उठने लगीं। जिस समय यह आग लगी घर के अंदर सिर्फ उसकी बहु थी। बेटा काम से बाहर निकल गया था और परिवार का मुखिया एक बीमार बेटी को दिखाने के लिए अस्पताल गया हुआ था। बहू के शोर मचाने पर ग्रामीण एकत्र हुए और घर से बहू को बाहर निकाला। लेकिन तब तक आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया था। ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए। लेकिन मकान में आग की लपटें बढ़ती गईं, जिससे दो बड़ी अटारिया और नीचे के मकान तथा अन्य लगे हुए मकान भी आग की चपेट में आ गए।

जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक 10 क्विंटल से अधिक गेहूं, चना अन्य खाद्य सामग्री एक अटारी में भरा हुआ भूसा व गृहस्थी का सामान फ्रिज, कूलर आदि जल गए। यहां तक की जिस अलमारी में जेवर रखा था, वह अलमारी भी बुरी तरह जल जल गई। जिससे फिलहाल अनुमान लगाया जा रहा है कि उसमें रखा जेवर भी खराब हो गया। खाने पीने का सामान व कपड़े भी जलकर खाक हो गए हैं।

गृहस्वामी रामकिशोर धुरिया ने बताया कि आग की घटना में करीब ढाई लाख से अधिक क्षति होने का अनुमान है। सूचना पर राजस्व लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर क्षति का आकलन किया।

आग ने दो घरों में मचाई तबाही

हमीरपुर। बिवांर थाना क्षेत्र के मवई जार में अज्ञात कारणों के चलते दो घरों में आग लग गई। जिससे घर गृहस्थी का लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड नमामि गंगा योजना के तहत खोदे गए रास्तों में फंस गई। बड़ी मुश्किल से निकालने के बाद मौके पर पहुंची, तब जाकर आग काबू पाया जा सका। मवई जार निवासी दिनेश यादव के घर में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई और देखते ही देखते आग बेकाबू हो गई। आग बुझाने के लिए ग्रामीण एकत्र हुए। लेकिन आग की लपटों ने पड़ोसी सिद्धकरण खंगार के मकान को भी चपेट में ले लिया। जिससे दोनों मकान धू धूकर जलने लगे। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ी नमामि गंगे योजना के लिए पाइप डालने के लिए खोदी गई रास्तों में फंस गई। जिसे निकालने के लिए कड़ी मशक्कत की गई। वही तब तक सबमर्सिबल आदि चलकर आग पर काबू पाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद में निकली फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचकर पूरी तरह से आग को बुझाया। प्रधान कामता प्रसाद ने बताया कि इस घटना में दोनों का करीब एक एक लाख का नुकसान का अनुमान है।

- फायर ब्रिगेड की गाड़ी खोदे गए रास्तों में फंसी

पुलिस ने चोरी के आरोपियों को छोड़ा

सुमेरपुर। थानाक्षेत्र के अतरैया गांव में अवर अभियंता के घर हुई चोरी के मामले में एक आरोपी ने दो अन्य आरोपियों के दबाव में स्वीकार करने बात कही है वहीं पीड़ित ने डीआईजी से न्याय की गुहार लगाई है।

अतरैया गांव निवासी अवर अभियंता पुष्पेंद्र के घर लगभग 20 लाख की जेवरात व नकदी की चोरी हुई थी। जिसका अवर अभियंता के छोटे भाई ज्ञानेंद्र कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था। जिस पर पुलिस ने बिन्दा, दस्सी व छोटे को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। लेकिन इन तीनों को छोड़ देने का आरोप लगाते हुए ज्ञानेंद्र कुमार ने थानाध्यक्ष की शिकायत पुलिस अधीक्षक की थी। वहीं थाने से छोड़े जाने के बाद शनिवार को आरोपी छोटे ने डीआईजी से शिकायत की है कि आरोपी बिन्दा व दस्सी के बहकावे में आकर उसने घटना को स्वीकार किया था। पीड़ित का कहना है कि अगर किसी अन्य थाने से मामले की जांच कराई जाए। तो घटना का खुलासा तत्काल हो सकता है। पीड़ित का कहना है कि उसका इस घटना से कोई लेना देना नहीं है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शुक्रवार की शाम को आरोपियों को छोड़ा गया है। वहीं पीड़ित का कहना है कि पिता पुत्र अब मारपीट कर जबरिया घटना को कबूल करने का दबाव बना रहे है। प्रार्थना पत्र में अन्य लोगों के भी हस्ताक्षर हैं।

हादसा : बाइकों की टक्कर में एक बच्चा समेत तीन लोग हुए घायल

- राठ-उरई मार्ग पर क्राइस्ट कान्वेंट स्कूल के पास हुई घटना
- बच्चे की हालत नाजुक होने पर मेडिकल कॉलेज किया रेफर

बाइक की टक्कर से घायल बच्चा और युवक। अमृत विचार

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के उरई मार्ग पर एक स्कूल के सामने तेज रफ्तार बाइक से जा रहे युवक ने दूसरे बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर से एक बाइक पर सवार एक बच्चा समेत तीन लोग घायल हो गए। बच्चे की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार चिकासी थाने के छोटी बंधौली गांव निवासी मानिकचंद 18 पुत्र कंधी लाल क्षेत्र के अमगांव स्थित अभिनव प्रज्ञा महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष का छात्र है। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे वह बाइक से पेपर देने के लिए महाविद्यालय जा रहा था। राठ उरई मार्ग पर क्राइस्ट कान्वेंट स्कूल के सामने पहुंचते ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अपाचे बाइक में सवार युवक ने मानिकचंद्र की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर गये। अपाचे बाइक में बैठा कस्बे के पठानपुरा मोहल्ला निवासी शाहरुख 24 पुत्र छोटे और उसकी बाइक में पीछे बैठा अयान 10 वर्ष पुत्र रहीस निवासी पठानपुरा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्कूल के आसपास मौजूद लोगों ने देखा तो बाइक के नीचे दबे घायलों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया। शाहरुख के परिजनों ने बताया कि शाहरुख स्यावरी गांव में किसी काम से जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शाहरुख तेज रफ्तार बाइक चला रहा था। अयान के सिर में गंभीर चोटें आने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

बाइक सवार पेड़ से टकराए, दो घायल

सुमेरपुर (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के बिदोखर मेदनी से रोहरी गांव जा रहे बाइक सवार पेड़ से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। चन्दपुरवा गांव निवासी मनोज कुमार अपने रिश्तेदार सिंधन कला जनपद बांदा निवासी बृजेश कुमार के साथ विदोखर मेदनी में रामबाबू श्रीवास के यहां चौथी कार्यक्रम में गए हुए थे। शुक्रवार की रात में यह दोनों बाइक से विदोखर से रोहारी जा रहे थे। तभी उनकी बाइक पेड़ से टकरा गई और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्राम प्रधान सुंदरलाल प्रजापति ने फोन कर एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस दोनों घायलों को पीएचसी लाई। जहां से उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

नवीन गल्ला मंडी का निरीक्षण करते प्रेक्षक व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

स्ट्रांगरूम का किया निरीक्षण

हमीरपुर। पुलिस प्रेक्षक और सामान्य प्रेक्षक ने शनिवार को शाम सुमेरपुर कस्बा स्थित नवीन गल्ला मंडी पहुंचकर चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

हमीरपुर लोक सभा चुनाव के लिए जनपद में 20 मई को मतदान होना है। जिसके लिए सुमेरपुर स्थित नवीन गल्ला मंडी से पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से लेकर ईवीएम मशीनों को मतगणना तक सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रांग रूम बनाया गया है। शनिवार को देर शाम पुलिस प्रेक्षक व सामान्य प्रेक्षक प्रियंका दास ने जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पांडेय व पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा के साथ नवीन गल्ला मंडी पहुंचकर चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को चुनाव संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मुस्करा थाने के दीवान की हार्ट अटैक से मौत

राठ। मुस्करा थाने के दीवान कंप्यूटर आपरेटर आलोक पांडेय का सुबह हार्ट अटैक से निधन हो गया।

आलोक।

इटावा निवासी आलोक पांडेय (35) कंप्यूटर पद पर पांच साल पहले राठ कोतवाली में तैनात रहे। इसके बाद उनका स्थानांतरण हमीरपुर हो गया। करीब डेढ़ साल से वह मुस्करा थाने में तैनात थे। शनिवार की सुबह अचानक आलोक की तबियत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी और कोतवाल उमेश कुमार उन्हें सीएचसी ले गए। जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। जहां उनका निधन हो गया। कोतवाल उमेश कुमार सिंह ने बताया कि पूरे सम्मान के साथ उनके गांव में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

किसान व्यापारियों को बेच रहे गेहूं

संवाददाता कुरारा, हमीरपुर

कुरारा गल्ला मंडी में सरकारी गेहूं खरीद केंद्र में पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

अमृत विचार। खुले बाजार में गेहूं के दामों में उछाल आने पर किसान गेहूं खरीद केंद्रों में न जाकर व्यापारियों को बेच रहे हैं। जिससे सरकारी खरीद केंद्रों में सन्नाटा पसरा हुआ है। वहां पर मौजूद गेहूं खरीद केंद्र प्रभारी और कर्मचारी किसानों के आने का इंतजार कर रहे हैं।

कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित साधन सहकारी समितियों सहित आठ गेहूं खरीद केंद्र जिला प्रशासन द्वारा किसानों की उपज खरीदने के लिए खोले गए थे। वहीं 15 मार्च से खोले गए केंद्रों में विपणन शाखा कुरारा ने 78 किसानों का 3362 क्विंटल, कुरारा ए ने 82 किसानों का 3300 क्विंटल, पीसीएफ केंद्र ने 40 किसानों का 2000 क्विंटल, कुरारा साधन सहकारी समिति ने 18 किसानों का 1282 क्विंटल, कुसमरा साधन सहकारी समिति 17 किसानों का 1150 क्विंटल, शेखूपुर साधन सहकारी समिति 15 किसानों का 1000 क्विंटल, मिश्रीपुर ने 13 किसानों का 1000 क्विंटल, बेरी साधन सहकारी समिति 27 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है।

मंडी में गेहूं के भाव में समर्थन मूल्य के आसपास आने से किसान अपना गेहूं खुले बाजार में बेच रहे हैं। जिससे गेहूं खरीद केंद्रों में प्रभारी व कर्मचारी किसानों के आने का इंतजार कर रहे हैं वहीं व्यापारियों के यहां किसानों की चहल-पहल शुरू हो गई है। कुछ व्यापारी गांव में जाकर किसानों से 2250 प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं खरीद कर रहे हैं।

पीसीएफ के केंद्र प्रभारी जितेंद्र कुमार कुशवाहा ने बताया कि खुले बाजार में गेहूं के दामों में उछाल आने से इक्का-दुक्का ही किसान अपना गेहूं लेकर आ रहे हैं।

सार-संक्षेप

नाबालिग पुत्री की बरामदगी के लिए लगाई गुहार

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बा निवासी एक पीड़िता ने नाबालिग पुत्री के द्वारा घर में रखे पैसे ले जाने के मामले में पूर्व में दी गई शिकायत का निस्तारण न होने से आक्रोशित महिला ने उप जिलाधिकारी के कार्यालय में पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। इसके साथ ही आमरण अनशन एवं भूख हड़ताल की चेतावनी दी है। कस्बा निवासी पीड़िता ने उप जिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचकर बताया कि बीते 31 मार्च को उसकी नाबालिग पुत्री घर में रखे पचास हजार रुपये लेकर घर से चली गई। खोजबीन करने पर पता चला कि उजनेड़ी निवासी राजेश ने अब्बास के सहयोग से उसकी पुत्री को गुम कर दिया है। 4 अप्रैल एवं 19 अप्रैल को कोतवाली में शिकायत करने के बावजूद अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। जिससे आहत पीड़िता ने उप जिलाधिकारी कार्यालय में न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 20 दिन के अंदर पुत्री की बरामदी नहीं हुई तो मजबूरन भूख हड़ताल एवं आमरण अनशन के लिए बाध्य होगी। जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

क्षेत्र में आज भी रहेगी बिजली कटौती

मौदहा (हमीरपुर)। स्थानीय बिजली विभाग ने सुमेरपुर- मौदहा मुख्य पावर लाइन के जर-जर तारों के बदलने का कार्य चालू है। इसके लिए विभाग ने कल रविवार पांच मई दिन को 10 :00 बजे से शाम 5 :00 तक बिजली की आपूर्ति नगर सहित यहां के दोनों पावर हाउस प्रथम व द्वितीय से जुड़े नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। पावर कारपोरेशन के एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि सुमेरपुर और मौदहा के बीच की पावर लाइन के तार जर्जर हो चुके हैं। इन्हें बदलने के लिए शनिवार को बिजली आपूर्ति बंद करने की घोषणा की गयी थी। लेकिन कानपुर से किन्हीं कारणों से मजदूर नहीं आ सके जिससे आपूर्ति जारी रखी गई। अब रविवार को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली कटौती रहेगी। उन्होंने कहा आम जनमानस इसमें सहयोग करे।

निर्माणाधीन नाले का निरीक्षण करतीं नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर।

नाला निर्माण जल्द पूरा करवाने के निर्देश

कुरारा हमीरपुर। कस्बे में नाला सफाई का काम कराया जा रहा है। सफाई कार्य को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष आशारानी कबीर ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई कर्मियों को सही से नाले की साफ सफाई कराने के दिशा निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने नवनिर्मित नाला निर्माण की हकीकत देखी। नाला निर्माण कार्य करवा रहे ठेकेदार को जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए। कस्बे में कालपी हमीरपुर फोरलेन के किनारे नाला निर्माण कराया जा रहा है। लेकिन निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से हो रहा है। ऐसे में दुकानदारों के साथ ग्राहकों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। इसी को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने निर्माणाधीन नाले का निरीक्षण किया। वहीं सफाई कर्मियों से कहा कि शीघ्र ही नाला सफाई काम पूरा करें। कछुआ गति हो रहे नाला निर्माण को देखकर उन्होंने ठेकेदार से शीघ्र काम पूरा कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत के कर्मचारी अनिरुद्ध पांडे, हरि ओम, संदीप सिंह, दीपेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

तालाब के भीट पर अवैध कब्जा कर हो रहा है निर्माण

मौदहा। तहसील क्षेत्र के पाटनपुर गांव में मंदिर के सामने बने एक तालाब के भीट पर कुछ लोग अवैध रूप से भवन निर्माण कर रहे हैं। लेखपाल भी जांच के लिए पहुंचा। लेकिन उक्त लोग निर्माण कार्य जारी किए हैं। इसकी शिकायत अब मंदिर के पुजारी ने मुख्यमंत्री के शिकायती पोर्टल पर दर्ज कराई है। पाटनपुर निवासी रमेश कुमार शुक्ला जो गांव स्थित राधा कृष्ण मंदिर का पुजारी है उसने इस बात पर नाराजगी जताई है कि मंदिर के सामने स्थित तालाब जो गांव सभा का है, इसके भीट पर अवैध रूप से गांव निवासी फूलचंद धुरिया निर्माण कार्य करा रहा है।

प्रेक्षक की उपस्थिति में संपन्न हुई नामांकन पत्रों की जांच

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। हमीरपुर, महोबा (तिंदवारी) लोकसभा सीट पर दाखिल सभी 13 नामांकन पत्रों की शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी ने जांच की। जांच में कमी मिलने पर दो प्रत्याशियों के नामांकन पत्र निरस्त कर दिए गए।

47 हमीरपुर लोकसभा सीट पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पांडेय ने नामांकन पत्रों की जांच की। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक प्रियंका दास भी उपस्थिति रहीं। सपा से अजेंद्र कुमार सिंह, बसपा से निर्दोष कुमार दीक्षित, बीजेपी से कुंवर पुष्पेंद्र सिंह तथा रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक दलों के अभ्यर्थी के तौर पर भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से अनुपम, अल हिंद पार्टी से धर्मराज, राष्ट्र उदय पार्टी से बृजेश कुमार पाल, एकलव्य समाज पार्टी से सुरेश कुमार, स्पष्टवादी जन आधार पार्टी से संजीव कुमार, निर्दलीय भुवनेंद्र नारायण सिंह, राजेश सिंह एवं संतोष कुमार के नामांकन विधिमान्य पाए गए। वहीं राष्ट्रीय बुंदेलखंड विकास पार्टी के अभ्यर्थी पारथ सिंह एवं निर्दलीय सारथ कुमार व्यास के नामांकन पत्र निरस्त हो गए। सोमवार को अपराह्न तीन बजे तक नाम वापसी की समय सीमा होने के पश्चात चुनाव चिह्न का वितरण व प्रेक्षक के साथ अभ्यर्थियों की बैठक होगी।

प्रेक्षक ने जारी किए मोबाइल नंबर

हमीरपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा निर्वाचन को लेकर संसदीय क्षेत्र में सामान्य प्रेक्षक प्रियंका दास सर्किट हाउस पीडब्ल्यूडी के वीवीआईपी कक्ष यमुना में प्रवास कर रही हैं। उनका सम्पर्क नंबर 05282-298565 तथ सीयूजी नंबर 7518947547 है। उनकी लाइजन ऑफिसर विष्णुप्रिया, जिला नेहरू युवा केंद्र अधिकारी हैं, जिनका मोबाइल नंबर 9560780356 हैं।

गुमटी की छत काटकर नकदी व सामान चोरी

राठ। कस्बे के पठानपुरा अम्बे पैलेस के पास चोरों ने एक किराने की गुमटी की छत काटकर एक हजार रुपये की नकदी सहित हजारों रुपये की कीमत का सामान चोरी कर ले गए। सुबह जब दुकानदार दुकान को खोलने के लिए गया तो बिखरा हुआ सामान एवं छत को कटा हुआ देखकर उसके होश उड़ गए।

पठानपुरा मोहल्ला निवासी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि अंबे पैलेस के पास वह एक किराने की गुमटी रखे हुए है। बताया कि देर रात अज्ञात चोरों ने उसकी गुमटी की छत काटकर दुकान में घुस गए और गोलक में रखे 1000 रुपये और हजारों रुपये की कीमत का सामान चोरी कर ले गए। पीड़ित ने बताया कि चोर करीब 20 हजार का सामान ले गए हैं।

अभियान | खंड विकास अधिकारी बिपिन गुप्ता के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूह की दीदियों के साथ मतदाता जागरुकता रैली निकाली गई

पहले मतदान फिर जलपान का नारा लगाकर किया जागरूक

पारा गांव में जागरुकता रैली निकालते बीडीओ। अमृत विचार

संवाददाता कुरारा हमीरपुर

अमृत विचार। विकासखंड क्षेत्र के पारा गांव में पहले मतदान फिर जलपान का नारा लगाते हुए बीडीओ के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीण को जागरूक किया।

क्षेत्र के पारा गांव में शनिवार को खंड विकास अधिकारी बिपिन गुप्ता के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें पहले मतदान बाद में जलपान का नारा लगाते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। खंड विकास अधिकारी बिपिन गुप्ता ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मत का सभी लोग बढ़ चढ़कर प्रयोग करें। जिससे मतदान का प्रतिशत बढ़ सके। मतदाता जागरुकता रैली में सचिव बलजीत, आजीविका मिशन के प्रदीप कुमार, आंगनबाड़ी, आशा, एएनएम आदि मौजूद रहे।

बुजुर्ग मतदाताओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता सरीला हमीरपुर

अमृत विचार। विकासखंड में रेड व ऑरेंज जोन घोषित गांव में बुजुर्ग मतदाताओं का सम्मान व रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक किया गया।

शनिवार को खंड विकास अधिकारी दिव्या त्रिपाठी ने क्षेत्र के करियारी व विरहट गांव में मतदाता जागरुकता रैली निकालकर लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। सीडीपीओ योगेंद्र दुबे व सहायक विकास अधिकारी राम मनोहर सोनी ने पुरैनी गांव में रैली निकालकर निकाली तथा मतदाता शपथ दिलाकर लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया। क्षेत्र के बीलपुर,पहरा इस्लामपुर, बिरहट, करियारी, पुरैनी, जमौडीं, हरसुंडी, जमौडीं व इंदरपुरा सहित 33 गांव में ग्राम पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा सहित ग्राम स्तरीय कर्मचारियों ने मतदाता जागरूक रैली निकाल कर लोगों को निर्भीक होकर अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सभी ग्राम पंचायत के सचिव, प्रधान, रोजगार सेवक व पंचायत सहायक तथा ग्रामीण मौजूद रहे।

करियारी गांव में मतदाता जागरुकता रैली निकालतीं बीडीओ दिव्या त्रिपाठी व अन्य।

शत-प्रतिशत मतदान के लिए बनी स्वीप कार्यक्रमों की रणनीति : हमीरपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पांडेय ने कल्पवृक्ष सभागार विकास भवन में जनपदीय अधिकारियों व स्वीप कमेटी की बैठक ली। सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला ने विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे स्वीप कार्यक्रमों की समीक्षा की। और आगामी दिनों में प्रत्येक मतदाता तक पहुंच बनाने की रणनीति साझा की। सभी वोटर्स को जागरूक करने के लिए सभी अस्पतालों, मेडिकल स्टोर्स, पैथोलॉजी के पर्चे पर मोहर लगेगी। उसके साथ ही पेट्रोल पंप, गैस सिलेंडर व पर्ची, कोटेदार, विद्यालयों, दुकानों, मिठाई के डिब्बे, झोलों व औद्योगिक क्षेत्र में भी सेल्फी प्वाइंट, बैनर तथा पत्रों में मोहर लगाकर मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा।

डीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव, साधना दीक्षित परियोजना निदेशक, आलोक सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, डीपीआरओ जितेंद्र मिश्रा आदि विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा व्यापार मंडल के अध्यक्ष उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अकबर अली स्वीप कोऑर्डिनेटर ने किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद - राठ (हमीरपुर)

पत्रांक: 34 / न0पा0 प0- राठ / म्यु0सू0 /2023-24/ दिनांक: 15/04/2024

सूचना प्रकाशन

(नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 के अन्तर्गत)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदक / आवेदकों द्वारा इस नगर पालिका परिषद के गृहकर अभिलेखों में नवीन कर निर्धारण / नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है। नाम दाखिल किये जाने वाले व्यक्ति का नाम तथा नाम खारिज किये जाने वाले व्यक्ति का नाम पता सहित निम्नानुसार अंकित है उपरोक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो यह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है बादम्याद अन्यथा की स्थिति में एक पक्षीय कर निर्धारण / नामान्तरण कार्यवाही कर दी जाएगी। जिसका उत्तरदायित्व नगर पालिका परिषद राठ का नहीं होगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम जो दाखिल होना है	विक्रेता / भवन स्वामी का नाम जो खारिज होना है	मुहल्ला	वार्ड सं0	कर निर्धारण / नामान्तरण का आधार
1	श्रीमती कुसुमलता पत्नी अमित गुप्ता	श्री मुहम्मद एजाज अंसारी पुत्र नूर मुहम्मद	फरसौलियाना-2	11	पंजीकृत विक्रय पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, राठ - हमीरपुर

काम नहीं आ रहा लाखों रुपये से बना पंचायत भवन

संवाददाता कुठौंद, जालौन

अमृत विचार। लाखों रुपये की लागत से बना विकास खंड कुठौंद की ग्राम पंचायत सिरसा कलार में बना पंचायत भवन नाकारा साबित हो रहा है।

ग्राम पंचायत कार्यालय पर ग्राम स्तर के समस्त कार्य व अभिलेख तैयार किया जाना सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया यह भवन जिम्मेदारों की उदासीनता का शिकार हो रहा है। न यहां पंचायत सहायक बैठता है न ही वृद्धावस्था, निराश्रित महिला पेंशन फॉर्म ऑनलाइन किए जाने की सुविधा है। ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा पंचायत भवन बनवाने के बाद कोई देखने तक नहीं गया। पंचायत भवन में केबल कचरा का अंबार लगा दिखाई दे रहा है। कई ग्रामीणों का कहना है कि जब से पंचायत भवन बना है सिरसा कलार में आज तक किसी भी प्रकार का कोई सरकारी कार्य नहीं किया गया। 24 घंटे पंचायत भवन का दरवाजा खुला रहता है, पंचायत कार्यालय की देख रेख एवं सुरक्षा के लिए कोई नहीं है। पंचायत कार्यालय के अंदर कचरा ही कचरा दिखाई देता है। इसके अलावा न उसमें पंचायत सहायक बैठता है न ही ग्रामसभा का कार्य किया जाता है।

सिरसा कलार में बना पंचायत भवन। अमृत विचार

- विकास खंड कुठौंद की ग्राम पंचायत सिरसा कलार का मामला
- ग्रामीणों का आरोप, एक भी दिन नहीं किया गया भवन का उपयोग

काम करवाने के लिए भटक रहे ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत कार्यालय में किसी प्रकार कोई काम नहीं होता है। जबकि सरकारी कार्य योजनाओं को भी ग्रामसभा स्तर से ऑनलाइन करना सुनिश्चित किया जाना था लेकिन सिरसा कलार जैसी बड़ी ग्रामसभा में किसी भी प्रकार की कोई सुविधा नहीं दिखाई देती है। जबकि लोगों को इन कामों के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

चाकू सहित युवक हुआ गिरफ्तार

कालपी (जालौन)। कोतवाली पुलिस ने चाकू सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। टरनंनगंज चौकी इंचार्ज अभिलाख सिंह दलबल सहित नगर में गश्त कर रहे थे, तभी मुखबिर की सूचना पर निकासा रोड में कागज फैक्ट्री के पास पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा। कोतवाली पुलिस ने खदेड़कर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे आरोपी युवक पंकज कुमार पुत्र गयाप्रसाद निवासी मोहल्ला निकासा कालपी को पकड़ लिया। युवक के पास से एक अवैध चाकू बरामद करके, आर्म्स एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया।

कार से मिले सात लाख रुपये, जब्त किये गए

संवाददाता,कालपी (जालौन)

अमृत विचार। एफएसटी द्वितीय जनपद बार्डर में स्थानीय पुलिस के साथ चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान टीम ने एक कार से 7 लाख रुपये की नकदी बरामद करके जब्त करने की कार्रवाई की। एफएसटी टीम प्रभारी नायब तहसीलदार हरदीप सिंह, कोतवाल कामता प्रसाद, उपनिरीक्षक राजेश कुमार कांस्टेबल मुईद खान, गौरव कुमार, योगेश कुमार चेकिंग करने में जुटे हुए थे। इसी दौरान कानपुर से जनपद जालौन की ओर आ रही डिजायर कार को जब पुलिस टीम ने रोककर चेकिंग की तो उसमें 7 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। कार में सवार राजीव यादव पुत्र दशरथ सिंह निवासी आगरा तथा चालक कृष्ण पुत्र विश्वनाथ मिश्रा निवासी मोहल्ला मनीगंज कालपी से नकदी रकम के बारे में पूछताछ की गई। टीम को वह कोई सही जानकारी नहीं दे सके। टीम ने नकदी रकम को सील करके जब्त करने की कार्रवाई करते हुए सूचना उच्च अधिकारियों को दी।

ग्रामीण बोले, रोड नहीं तो वोट नहीं

एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों ने किया मतदान के बहिष्कार का ऐलान

कार्यालय संवाददाता उरई

अमृत विचार। दर्जनभर गांव के सैकड़ों ग्रामीण रोड नहीं, तो वोट नहीं नारे से लिखा बैनर लगाकर आटा चूरखी रोड पर पहुंचे तथा प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि देश की आजादी से लेकर आज तक उरई संपर्क मार्ग को जोड़ने वाली साधारा से दौलतपुर की सड़क पक्की नहीं हो पाई है। इसके चलते वह 20 मई को होने जा रहे लोकसभा में मतदान नहीं करेंगे।

जानकारी के अनुसार सधारा, भदरेखी, नूर पुर, नसीर पुर, मुसमरिया, बीजा पुर, शाहजहा पुर, अतरिया, हौदल पुर समेत एक दर्जन गांव के ग्रामीण विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। ग्रामीण राकेश सिंह ने बताया कि पांच किलोमीटर के इस कच्चे रास्ते को पक्का कराने की मांग करते करते उनके बाबा परबाबा स्वर्गवासी हो गए मगर इस मार्ग का डामरी कारण नहीं हो पाया है। अगर यहां कोई बीमार हो जाता है और उसे उरई पहुंचना है तो 30 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। जबकि इस मार्ग से उरई की दूरी महज 8 किमी है। जिससे कई बार अस्पताल पहुंचने से पहले ही बीमार व्यक्ति दम तोड़ देता है। इसके अलावा ग्राम वासियों का कहना है कि आटा होकर उरई की दूरी अधिक होने की वजह से उच्च क्लास के छात्र उरई नहीं पहुंच पाते है, जिससे सैकड़ों छात्रों को पढ़ाई छोड़नी पड़ती है। ज्यादा समस्या बालिकाओं को होती है। बताया कि देश की आजादी से लेकर आज तक प्रत्येक चुनाव में वोट मांगने पहुंचे जनप्रतिनिधियों से इस मार्ग को पक्का कराने की मांग की गई। मगर अभी तक रोड नहीं बना। आशीष और मंगल सिंह ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी वोट मांगने आए थे तो मार्ग को पक्का कराने की मांग की थी, तब प्रत्याशी ने जीतने के बाद ही सड़क पक्की कराने का आश्वसन दिया था पर आजतक सड़क नहीं बनी।

मतदान बहिष्कार का बैनर लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। अमृत विचार

- साधारा से दौलतपुर की सड़क पक्की नहीं होने पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

बीच सड़क पर किया प्रदर्शन

ग्रामीणों द्वारा मतदान के बहिष्कार की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मतदान बहिष्कार का बैनर हटाने के लिए कहा। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से कहा कि वोट डालें या न डालें यह आपकी मर्जी है। मगर बीच सड़क पर बैनर लगा कर प्रदर्शन न करें, इससे आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है।

नाबालिग ने फांसी लगाकर दी जान

उरई। अज्ञात कारणों से नाबालिग ने फांसी लगाकर जान दे दी। मामला रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम टीकर के कुनियापुर का है।

जानकारी के अनुसार टीकर गाने के कुनियापुर मजरे का निवासी कुंवर सिंह किराए में लोडर चलाता है। जिसकी पत्नी किशोरी देवी दो दिन पहले अपने मायके सींग पूरा चली गई थी, कुंवर सिंह सुबह लोडर लेकर भैंस लादने गया था और कुंवर सिंह का वृद्ध पिता बकरी चराने चला गया। कुंवर सिंह के दोनों पुत्र हेमंत 13 वर्ष तथा हिमांशु 10 वर्ष पास के मंदिर चले गए थे। घर में कुंवर सिंह की 16 वर्षीय पुत्री प्रतिभा अकेली थी तभी प्रतिभा ने फांसी लगा कर आत्म हत्या कर ली। शाम को जब पिता लोडर लेकर आया और घर के अंदर गया तो प्रतिभा को फांसी पर लटका देख बदहवास हो गया। चीखने-चिल्लाने पर आए पड़ोसियों ने मृतका के पिता कुंवर सिंह व बाबा को संभाला और मायके गई पत्नी किशोरी देवी और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची रामपुरा थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से लगी आग

कार्यालय संवाददाता, उरई

अमृत विचार। हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी से खेतों में आग लगने के कारण सैकड़ों बीघा की नरई एवं हजारों क्विंटल भूसा जलकर राख हो गया। रामपुरा थाना अंतर्गत ग्राम जगम्मनपुर के निकट विद्युत शार्ट सर्किट के कारण आग लगने से हार्वेस्टर के द्वारा गेहूं की फसल काटने के बाद भूसा बनने के लिए खेतों में खड़ी नरई एवं खेतों में रखें गेहूं, बेझर के भूसा के ढेर सहित काली ईंट भट्ठा के लिए संग्रहित हजारों क्विंटल लाही का भूसा जलकर राख हो गया। चारा जलने से मवेशियों के लिए संकट होगा।

जगम्मनपुर के निकट अनिरुद्ध सिंह सेंगर के खेतों के पास प्राइवेट नलकूप के लिए गए विद्युत तारों से निकली चिंगारी खेतों में गिरी, जिससे खेतों में गेहूं की फसल की नरई में आग लग गई। तेज हवा चलने के कारण देखते-देखते आग ने प्रचंड रूप धारण कर लिया। इससे लगभग 300 एकड़ खेतों की नरई एवं खेतों में रखा गेहूं बेझर का भूसा जलकर राख हो गया वहीं काली ईंट भट्ठा जगम्मनपुर के लिए संग्रहित लगभग नौ हजार क्विंटल लाही के भूसे का ढेर भी जलकर राख हो गया। सूचना पाकर जिलाधिकारी जालौन के निर्देश पर उप जिलाधिकारी माधौगढ़ विश्वेश्वर सिंह, प्रभारी थानाध्यक्ष रामपुरा सोनू श्रीवास्तव, उप निरीक्षक विनोद कुमार सिंह जगम्मनपुर चौकी प्रभारी एवं उप निरीक्षक रामकिशोर सिंह मय पुलिस बल एवं दमकल की दो गाड़ियों सहित तत्काल मौके पर पहुंच गए व आग बुझाने के सार्थक प्रयास किए। बमुश्किल आग पर काबू पाया। आग का रूप इतना प्रचंड था कि यदि उचित समय पर प्रशासनिक सहायता न होती तो समीप के बेनीपुरा गांव तक आग पहुंच सकती थी। इस घटना में भले ही अनाज का नुकसान न हुआ हो लेकिन नरई एवं भूसा जलने से पशुओं के लिए चारे का संकट उत्पन्न हो गया है।

- 300 एकड़ खेतों की नरई व भूसा जलकर हुआ राख
- ईंट-भट्ठा के लिए एकत्र लाही का भूसा भी जला

आग से जली गेहूं की नरई। अमृत विचार

कथा के अंतिम दिन हवन के साथ हुआ भंडारा

संवाददाता,माधौगढ

अमृत विचार। माधौगढ़ चितौरा मन्दिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन हवन के साथ अखंड भंडारे का आयोजन किया गया है। इसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भगवताचार्य कमलाकांत दुबे बगिया सरकार मिर्जापुर ने बताया कि संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है।

कथा व्यास ने बताया कि वास्तविकता में श्रीकृष्ण केवल ग्वाल-बालों के सखा भर नहीं थे, बल्कि उन्हें दीक्षित करने वाले जगद्गुरु भी थे। श्रीकृष्ण ने उनकी आत्मा का जागरण किया और फिर आत्मिक स्तर पर स्थित रहकर सुंदर जीवन जीने का अनूठा पाठ पढ़ाया। इस अवसर परीक्षित पुष्पा ओमकार दीक्षित सजोयक मंजेश महाराज, मुन्ना शिवहरे, मनोज कुमार शिवहरे पत्रकार, रामकुमार दीक्षित, अलोक दीक्षित, राहुल दीक्षित, संतोष शिवहरे, राहुल शिवहरे, अंकित शिवहरे, कौशलेंद्र सिंह राजावत, दीपक राजावत, रमेश मिश्रा, प्रभाशकर मिश्रा,के, टी, सिंह, राजवीर सिंह, राकेश कुशवाहा, राजकुमार राठौर, अरूण सक्सेना,जैन्डल सिंह पप्पू गुप्ता बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

- माधौगढ़ चितौरा मंदिर परिसर में हुई भागवत कथा

पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कालपी(जालौन)। खेत में रखवाली कर रहे किसान के ऊपर एक राय होकर कुल्हाड़ी से हमला करने तथा सामान जलाने की घटना को लेकर पीड़ित पक्ष के द्वारा 5 आरोपियों के खिलाफ अभियोग दर्ज कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वादी शिवपाल सिंह निवासी ग्राम टड़वा ने कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया कि प्रार्थी का पुत्र रणछोर सिंह अपने खेत में बोई हुई सब्जी की फसल की रखवाली कर रहा था। तभी दोपहर को आरोपी वीर बहादुर सिंह, ब्रजपाल सिंह आदि 5 लोगों ने लाठी-डंडे तथा कुल्हाड़ी से हमला करके घायल कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने घर में आकर गृहस्थी का सामान जला दिया। पुलिस ने आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज करके विवेचना शुरू कर दी है।

मोदी सरकार पर साधा निशाना सपा प्रत्याशी के लिए मांगे वोट

कार्यालय संवाददाता, उरई

अमृत विचार। कदौरा विकास खंड के ग्राम कुसमरा, परासन आदि गांवों में पहुंच कर जालौन-गरौठा लोकसभा प्रत्याशी के पक्ष में भाकपा माले जिला सचिव कॉमरेड राजीव कुशवाहा, एक्टू जिला अध्यक्ष कॉमरेड राम सिंह चौधरी एवं कार्यकर्ताओं ने गांव में घूम कर इंडिया गठबंधन के लिए वोट मांगे। नुक्कड़ बैठक को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस एक्टू के राष्ट्रीय पार्षद जिला अध्यक्ष कॉमरेड राम सिंह चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार मजदूर, गरीब विरोधी है। उन्होंने कहा कि कोरोना की वैक्सीन लगने के बाद जब लोगों को अटैक पड़ रहे हैं तो मोदी सरकार ने वैक्सीनेशन के विज्ञापन से अपनी फोटो हटा ली है। कहा कि जालौन जनपद की बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे सहित सड़कें बेहद खराब हैं। कहा कि सौर ऊर्जा के नाम पर हजारों एकड़ जमीन बिना पैसे के योगी-मोदी सरकार ने अडानी ग्रुप को दी। इस दौरान प्रमुख रूप से रजनी, सखी, सुशीला, अनारकली, रति, सावित्री, पार्वती, संतोष, राम बालक, गंगा प्रसाद, अशोक, चेतराम, गौरव प्रजापति, दीपू प्रजापति, अंकित, जगमोहन का नाम बताओ हेमा रश्मि खुशबू इत्यादि लोगों उपस्थित रहे।

नुक्कड़ सभा करते भाकपा माले के नेता। अमृत विचार

आंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त थाना प्रभारी ने नई लगवाई

संवाददाता,कुठौद जालौन

अमृत विचार। सिरसा कलार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़गुआं में संविधान के रचयिता डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को बीती देर रात किसी अराजक तत्वों के द्वारा क्षतिग्रस्त कर दी गई। प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने की सूचना जैसे ही सिरसा कलार थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर को मिली वह तत्काल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर पहुंचते ही प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह ने जांच पड़ताल शुरू कर दी।

इधर प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। थाना प्रभारी ने अक्रोशित ग्रामीणों को शांत करवाया। बाद में थाना प्रभारी स्वयं अपने पैसे से नई प्रतिमा को मंगवाकर उसी जगह स्थापित करवाई। इससे आक्रोशित लोग शांत हो गए।

- सिरसा कलार थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़गुआं में अराजक तत्वों ने प्रतिमा को पहुंचाया था नुकसान

नई प्रतिमा लगाई गई। अमृत विचार

लोकसभा चुनाव — 20 मई को ज्यादा से ज्यादा लोगों से मतदान करने की अपील

हाथों पर संदेश लिख कर लोगों में जगाई मतदान की अलख

कार्यालय संवाददाता जालौन

अमृत विचार। 20 मई को मतदान करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने हाथों में मेहंदी रचकर मतदान जागरुकता का संदेश दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देशानुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 जनपद में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं। मतदाता जागरुकता अभियान अंतर्गत मतदाताओं को 20 मई को मतदान करने के लिए अनोखे तरीके से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने हाथों में मेहंदी से मतदाता जागरुकता का संदेश लिखकर प्रेरित किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों पर लिखा 20 मई वोट करो, वोट डालने जाना है, अपना फर्ज निभाना है, जन-जन की यही पुकार, वोट डालो अबकी बार, सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो जैसे अनेक संदेश लिखकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत जनपद में व्यापक स्तर पर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसीतरह शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विकास विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा ग्राम पंचायत बजीदा, रगौली, सिहरी, बस्तेपुर, रामपुर देहात, हनुमन्तपुर, काविलपुरा, गढ़िया, रूद्रपुरा, सुल्तानपुरा, शेखपुर अहीर, सतोह, गोरा करनपुर, भंगा, रेढ़र, खेड़ा कलां, चमेढ़, पनयारा आदि ग्राम पंचायतों में रैली निकाल कर व चौपाल लगाकर ग्रावासियों को मतदान हेतु प्रेरित किया गया।

हाथों पर संदेश लिखकर लोगों को जागरूक करतीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

जागरुकता रैली निकालतीं महिलाएं।

आटो यूनियन 7 मई को निकालेगी रैली

उरई। आगामी 20 मई को जालौन-गरौठा व भोगनीपुर सुरक्षित लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है। मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने एवं मतदाताओं में जागरुकता पैदा करने के उद्देश्य से मानव सेवा सम्मान समिति आटो यूनियन के संयोजक सुधीर कुमार पांडेय, सह संयोजक सौरभ कुमार, राजेश वर्मा, सुरेश वर्मा, विनय पांडेय, प्रतिनिधि वीर बहादुर सिंह ने बताया कि मंगलवार की सुबह 10 बजे से मतदाता जागरुकता अभियान रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली कलेक्ट्रेट से प्रारंभ होकर आम्बेडकर चौराहा, मच्छर चौराहा, घंटाघर, कोंच बस स्टैंड से जेलरोड होकर जिला परिषद पर आकर समाप्त होगी।

पहले मतदान, फिर करें जलपान

उरई। कोंच कस्बे में गुलाबी गैंग की महिलाओं ने मतदाता जागरुकता रैली निकाली। कोंच तहसील परिसर में गुलाबी गैंग की महिलाएं एकत्रित हुईं। गुलाबी गैंग की तहसील कमांडर अंजू शर्मा की अगुवाई में महिलाएं मतदान के लिए जागरूक करने से संबंधित बैनर लेकर रैली के आगे चल रही थीं। मतदाता जागरुकता रैली तहसील परिसर से शुरू होकर भारत माता मंदिर होते हुए कस्बे के मुख्यमार्ग से अमर चांद इंटर कॉलेज और स्टेट बैंक होते हुए कस्बे में भ्रमण करती रही। कस्बे के प्रमुख चौराहों व स्थल पर रैली को रोक कर गुलाबी गैंग की कमांडर अंजू शर्मा तथा अन्य वक्ताओं ने 20 मई को होने जा रहे लोकसभा के मतदान में बढ़चढ़ कर हिस्सेदारी करने की मतदाताओं से अपील की। इस दौरान महिलाओं ने पहले मतदान, फिर जलपान, आओ मिलकर करें मतदान का संदेश दिया।

महिला कल्याण विभाग ने किया जागरूक

उरई। महिला कल्याण विभाग की टीम वन स्टॉप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा मतदाता जागरुकता रैली निकाली गई। रैली जिला परिषद होते हुए टाउन हॉल तक गई तथा समस्त नागरिकों से अपील किया गया कि आप वोट अवश्य करें ताकि जनपद का वोट प्रतिशत बेहतर हो तथा जनपद शत प्रतिशत मतदान कर एक कीर्तिमान स्थापित करे। रैली में वन स्टॉप सेंटर कि केंद्र प्रबंधक अंजना, सामाजिक कार्यकर्ता रागनी, रिचा, चाइल्ड हेल्पलाइन से प्रतीक्षा, रजनी, दीप्ति, प्रिंसी, अंकुर, राजा भारद्वाज तथा बाल संरक्षण सेवाओं से वीर सिंह, सुरेश, रचना तथा अन्य महिला कल्याण विभाग के कार्मिक मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित हो कि मैं रेवती देवी (Rewati Devi) अपने पुत्र पूरन सिंह गैड़ा के आर्मी नं.– 4205814L, निवासिनी– मानू ध्याड़ी, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड, मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम रेवती देवी (Ravti Devi) दर्ज है। अत: मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में रेवती देवी (Rewati Devi) दर्ज किया जाये।

NOTICE
I, No JC-502300H NB SUB Nishan Singh, R/o Village-Warring, Post-Moharipur, Teh. & Distt.-Taran Taran, Punjab have changed my name from Harwinder Kaur to Harvinder Kaur vide Affidavit dated 04 Apr 2024. In future I must be known as Harwinder Kaur to Harvinder Kaur.

सूचना
सूचित करता हूँ कि मैं **बबलू पुत्र स्व बदलू निवासी–सब्जी, बबुरा पोस्ट–बीजेमऊ, परगना–सरेनी, तहसील–लालगंज जिला रायबरेली** मेरे पैन कार्ड में मेरे पिता का नाम त्रुटिवश बदलू के स्थान पर बाबू अंकित हो गया है। अत: मेरे पिता का नाम पैन कार्ड में बाबू के स्थान पर बदलू अंकित किया जाये। मेरे सभी दस्तावेजों पर बदलू ही अंकित है। जो कि सही और सत्य हैं।

सूचना
आवश्यकता
अनुभवी मैनेजर/ कुक/स्वीपर की अयोध्या में 'द रामालया' निकट देवकाली, 'होम स्टे' के लिए चाहिये।
संपर्क करें– 9129959499
साल में लाखों कमाएं

सूचना
सूचित हो कि मैं रूपरानी पत्नी स्व0 सूर्यभान गुप्ता निवासी– ग्राम बाबागांव गिदरैय्या, रहीमनगर थाना–नवाबगंज, पो0–धन्नी जिला–बहराइच, उ0प्र0 की मूल निवासिनी हूँ। पहले मेरा नाम रूपरानी था। लेकिन अब मेरा नाम **राजकुमारी पत्नी स्व0 सूर्यभान गुप्ता निकट –ग्राम बाबागांव गिदरैय्या, रहीमनगर थाना–नवाबगंज, पो0–धन्नी जिला–बहराइच, उ0प्र0** के समस्त सरकारी अभिलेखों में मेरा नाम राजकुमारी पत्नी स्व0 सूर्यभान गुप्ता हो गया है।

दबदबा दोनों का, दांव बैठेगा किसका

मनोज त्रिपाठी

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को प्रदेश की जिन 10 सीटों आगरा, फतेहपुर सीकरी, मैनपुरी, फिरोजाबाद, एटा, हाथरस, संभल, बदायूं, आंवला और बरेली में मतदान होने जा रहा है, उनमें से पिछले 2019 के चुनाव में भाजपा ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि सपा की साइकिल केवल संभल और मैनपुरी में ही दौड़ सकी थी। इस बार भाजपा ने इन सभी 10 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं जबकि इंडिया गठबंधन से एक सीट पर कांग्रेस और नौ सीटों पर सपा चुनाव लड़ रही है। बसपा ने भी सभी 10 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन बरेली लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार का नामांकन रद्द हो जाने से उसके भी नौ प्रत्याशी ही मैदान में हैं।

हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, एटा, आंवला और बरेली में लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा की जीत का अंतर काफी बड़ा था, सिर्फ फिरोजाबाद और बदांयू सीटों पर उसे टक्कर मिली थी और जीत क्रमशः 28,781 और 18,454 वोटों में सिमट गई थी। यह दोनों ही सीटें समाजवादी पार्टी की गढ़ मानी जाती हैं। 2014 के चुनाव में इन 10 सीटों में सपा ने पांच सीटें जीती थीं। मैनपुरी से मुलायम सिंह यादव, कन्नौज से डिंपल यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव और बदायूं से धर्मेंद्र यादव जीते थे। समाजवादी पार्टी के लिए इस बार सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि पिछली बार की तरह बसपा और रालोद उसके साथ नहीं है। इस बार समाजवादी पार्टी को कांग्रेस का साथ तो मिला है, लेकिन बहुजन समाज पार्टी के अकेले चुनाव मैदान में उतरने से इन 10 में से आधा दर्जन सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है।

2019 में जीत का आंकड़ा

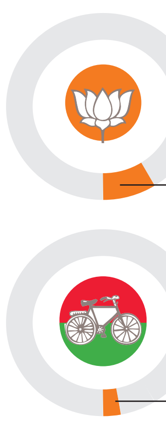

08 भाजपा

2 सपा

तीसरे चरण में 10 लोकसभा सीटें, मैदान में प्रत्याशी

10	09	09
भाजपा	सपा	बसपा

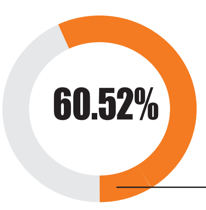

मतदान हुआ था पिछली बार तीसरे चरण में

तीसरा चरण : भाजपा-सपा का रण

01 केंद्रीय मंत्री की आगरा में दांव पर लगी है प्रतिष्ठा

02 योगी सरकार के मंत्रियों की मैनपुरी व हाथरस में परीक्षा

13 महिला प्रत्याशी थीं 2019 चुनाव के तीसरे चरण में

4.95 लाख वोटों से 2019 में भाजपा जीती थी फतेहपुर सीकरी सीट

संभल : सपा के चुनावी समीकरण में सेंधमारी

- सपा ने अपने सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के निधन के बाद उनके पौत्र व कुंदरकी के विधायक जियाउर्रहमान बर्क को मैदा में उतारा है। इसके मुकाबले भाजपा ने एक बार फिर से परमेश्वर लाल सैनी पर भरोसा जताया है। बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी सौलत अली को टिकट दिया है। 2019 लोकसभा चुनाव में 1.74 लाख मतों से शफीकुर्रहमान बर्क ने परमेश्वर लाल सैनी को हराया था। बसपा की नजर दलित के साथ मुस्लिम मतदाताओं पर है जबकि सपा अपने मुस्लिम-यादव समीकरण के साथ दलित वोट बैंक पर निगाह जमाए है। भाजपा के परमेश्वर लाल सैनी योगी-मोदी के नाम पर वोट जुटाने में लगे हैं।

- प्रदेश में तीसरे चरण की 10 में ज्यादातर सीटों पर भाजपा और सपा के बीच चुनावी संग्राम

- बसपा कुछ सीटों पर संघर्ष त्रिकोणात्मक बनाकर सपा के लिए बढ़ाती दिख रही है चुनौती

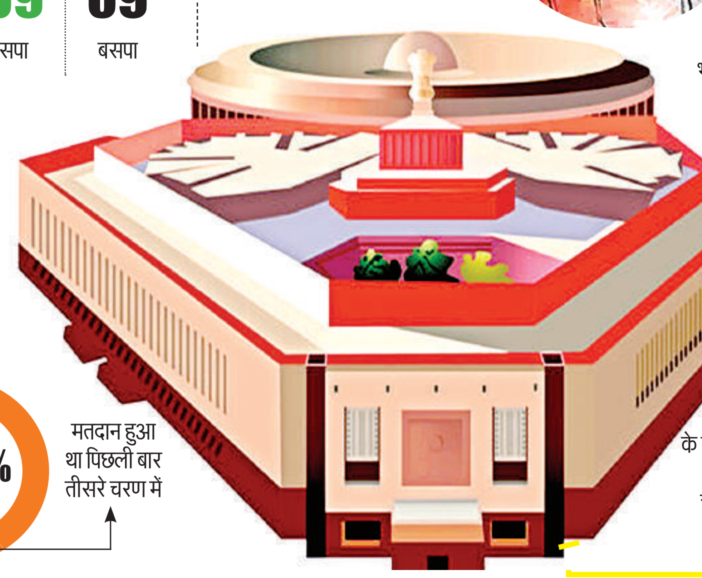

बरेली : बसपा के वोट हड़पने की मारामारी

भाजपा ने यहां से आठ बार के सांसद संतोष गंगवार की जगह पूर्व राज्य मंत्री छत्रपाल गंगवार पर भरोसा जताया है। छत्रपाल 2022 में बहेरी विधानसभा सीट से चुनाव हार गए थे। शुरू में उनकी प्रत्याशिता का स्थानीय स्तर पर विरोध हुआ पर भाजपा ने हालात संभाल लिए। यहां सपा ने कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन को टिकट दिया है। ऐसे में उन्हें सपा और कांग्रेस दोनों का वोट मिलेगा। इस सीट बसपा उम्मीदवार का पर्चा रद्द होने के बाद भाजपा और सपा के बीच सीधी टक्कर में लड़ाई अब बसपा के वोट हथियाने की तरफ मुड़ गई है। पांच लाख मुस्लिम और करीब चार लाख कुर्मी मतदाताओं के कारण दोनों दल जातीय समीकरणों में मजबूत नजर आ रहे हैं।

मैनपुरी में विरासत और बदलाव में सीधी टक्कर

- मैनपुरी लोकसभा सीट पर विरासत और बदलाव के बीच जंग छिड़ी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव का मुकाबला योगी सरकार में पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह से है। वह मैनपुरी विधानसभा सीट से विधायक हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में डिंपल यादव कन्नौज से हार गई थीं लेकिन मुलायम सिंह के निधन से कारण खाली हुई मैनपुरी सीट पर उपचुनाव में उन्होंने जीत हासिल की थी। इस बार अखिलेश के कन्नौज में चुनाव लड़ने और पूरे प्रदेश में प्रचार करने तथा शिवपाल के अपने बेटे की सीट बदायूं में व्यस्त होने से डिंपल को अकेले मोर्चा संभालना पड़ रहा है। इस सीट पर 1996 से सपा का कब्जा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में दो विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को जीत मिली थी। बसपा ने यादव वोटों में सेंध लगाने के लिए शिवप्रसाद यादव को खड़ा किया है, लेकिन सीधी टक्कर जयवीर सिंह और डिंपल यादव में है।

बदायूं है सपा का गढ़, क्या यहां फिर खिलेगा कमल

- सपा ने बदायूं सीट से पहले धर्मेंद्र यादव फिर शिवपाल यादव और अंत में उनके बेटे आदित्य यादव को उतारा था। भाजपा से मौजूदा सांसद संघमित्रा मौर्य के स्थान पर दुर्विजय शाक्य चुनावी मैदान में हैं। यहां दोनों ही उम्मीदवार नए हैं। भाजपा ने 2019 में इस सीट पर जीत दर्ज की थी। 2014 में मोदी लहर के बावजूद सपा के धर्मेंद्र यादव चुनाव जीते थे। यह सीट सपा का गढ़ गिनी जाती है। भाजपा सिर्फ दो बार ही जीत सकी है। सपा का मुस्लिम और यादव समीकरण है, तो भाजपा ने गैर यादव ओबीसी को गोलबंद किया है। बसपा ने पूर्व विधायक मुस्लिम खां को उतार कर सपा की मुश्किल बढ़ाई है, लेकिन सीधा मुकाबला सपा और भाजपा में ही नजर आ रहा है।

आगरा सीट पर केंद्रीय मंत्री बघेल के सामने दोहरी चुनौती

- आगरा लोकसभा सीट पिछले तीन बार से भाजपा ने जीती है। इस बार केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल को पार्टी ने फिर से मैदान में उतारा है। सपा से सुरेश चंद कर्दम और बसपा से पूजा अमरोही मैदान में हैं। दोनों ही दलित समुदाय से आते हैं और जाटव बिरादरी से तालुल्क रखते हैं। एससी-आरक्षित इस सीट पर, 20 .57 लाख मतदाताओं में लगभग 30% दलित हैं। इनमें से लगभग तीन-चौथाई जाटव हैं, जो बसपा के गिरते प्रदर्शन से तो निराश हैं, लेकिन अधिकतर अभी भी बसपा के साथ हैं। बाजपा वैश्य, ब्राह्मण, पंजाबी, गैर-यादव ओबीसी और दलितों के एक वर्ग का समर्थन पाकर आगरा में जीतती रही है। सपा-कांग्रेस गठबंधन और बसपा दोनों द्वारा जाटव प्रत्याशी को मैदान में उतारने से लगभग दो लाख मुस्लिम वोट महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। मुसलमान बड़े पैमाने पर सपा-कांग्रेस गठबंधन के साथ नजर आ रहे हैं, लेकिन बसपा भी उन्हें लुभाने की कोशिश कर रही है।

फिरोजाबाद की तस्वीर में कमल और साइकिल के बीच कांटे का मुकाबला

- फिरोजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा और सपा में कांटे की टक्कर है। यहां एक-दूसरे के मतदाताओं में सेंध लगाने के प्रयास चल रहे हैं। भाजपा के प्रत्याशी ठाकुर विश्वदीप सिंह 2014 मे बसपा से भी चुनाव लड़ चुके हैं। 2019 में भाजपा के डॉ. चंद्र सेन जादौन ने सपा के अक्षय यादव को हराया था। लेकिन भाजपा ने सांसद चंद्र सिंह जादौन का टिकट काट दिया था, जबकि सपा ने अपने राष्ट्रीय महामंत्री राम गोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव को तीसरी बार यहां से मैदान में उतारा है। अक्षय यादव ने 2014 में भाजपा के के प्रो. एसपी सिंह बघेल को शिकस्त दी थी। प्रो. रामगोपाल यादव ने फिरोजाबाद में सपा के चुनाव प्रचार और प्रबंधन की कमान संभाल रखी है। बसपा से अलग हुए मंडल प्रभारी सत्येंद्र जैन सोली को सपा में शामिल कर उन्हें राष्ट्रीय सचिव पद दिया है। बसपा ने सोली को पहले अपना प्रत्याशी घोषित किया था, बाद में प्रत्याशी बदल दिया, जिससे वह नाराज थे। बसपा आगरा के चौधरी बशीर को प्रत्याशी बनाया है। वह तीसरा कोण बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

फतेहपुर सीकरी : यहां इस बार कठिन चुनौती में फंसे भाजपा सांसद

- सपा के साथ गठबंधन में मिली इस सीट पर कांग्रेस ने रामनाथ सिकरवार को उतारा है। वह प्रियंका गांधी के करीबी माने जाते हैं। प्रियंका उनके लिए रोड शो करके माहौल भी बना गई हैं। 2019 में इस सीट से भाजपा के राजकुमार चाहर संसद चुने गए थे। उन्होंने कांग्रेस के राज बब्बर को हराया था। भाजपा ने चाहर पर फिर से भरोसा जताया है। लेकिन चाहर के प्रति स्थानीय जनता में नाराजगी भी नजर आ रही है। इसके साथ ही फतेहपुर सीकरी से ही भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल के बेटे रामेश्वर चौधरी चाहर के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। चौधरी बाबूलाल 2014 में भाजपा से यहां के सांसद रह चुके हैं। बसपा से यहां राम निवास शर्मा मैदान में हैं। समीकरण उलझने से कांग्रेस यहां से अपनी जीत की उम्मीद लगा रही है। पार्टी की कोशिश करीब आठ फीसदी मुस्लिम मत बटोरने के साथ ब्राह्मण मतों में सेंध लगाने की है।

हाथरस में किस बाहरी प्रत्याशी की चमकेगी तकदीर

- भाजपा ने हाथरस सीट से अनूप वाल्मीकि को टिकट दिया है। वह अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट से विधायक और योगी सरकार में राजस्व राज्यमंत्री हैं। अनूप से उम्मीद है कि वह वाल्मीकि वोटरों के साथ ही ओबीसी और सवर्ण वोटरों को भाजपा के पाले में रखने में कामयाब रहेंगे। इसी फॉर्मूले से भाजपा को बीते चुनाव में जीत मिली थी, तब राजवीर सिंह दिलेर जीते थे। इस बार पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया है। सपा कांग्रेस गठबंधन से भी बाहरी प्रत्याशी जसबीर वाल्मीकि हैं। वह सहारनपुर के रहने वाले हैं। सपा वाल्मीकि वोटों में सेंधमारी करके मुस्लिम और यादव वोटरों के सहारे मुकाबले जीतने की रणनीति को अंजाम देने में लगी है। बसपा ने आगर के हेमबाबू धनगर पर दांव लगाया है। हाछरस में दलित वोटों की संख्या करीब चार लाख है। इसमें करीब ढाई लाख जाटव वोटर है। इनके साथ दनगर और मुस्लिम वोट मिलने से बसपा खुद को लड़ाई में मान रही है।

आंवला सीट पर भाजपा के सामने चुनौती का दोहरा मोर्चा

- आंवला लोकसभा क्षेत्र में भाजपा ने पुराने चेहरे धर्मेंद्र कश्यप पर जीत का दांव लगाया है। सपा ने जातिगत समीकरण देखते हुए पिछड़ा वर्ग के दो बार के विधायक रहे चुके नीरज मौर्या को उतारा है। बसपा ने आंवला के मौजूदा चेयरमैन आबिद अली पर भरोसा जताया है। यहां लड़ाई भाजपा और सपा के बीच नजर आ रही है। हालांकि बसपा का हाथी सपा का खेल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है। सपा-बसपा दोनों ने जातिगत संतुलन साधते हुए उम्मीदवारों का चयन किया है। ऐसे में भाजपा के दो बार के सांसद और प्रत्याशी धर्मेंद्र कश्यप के सामने भी चुनौतियां कम नहीं है। उनकी ओर से कुछ वर्ग के लोगों को लेकर की गई कथित टिप्पणियों से उपजी नाराजगी भाजपा के बड़े नेता लगातार दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। चार दिन में मुख्यमंत्री की दो जनसभाएं और मंच से क्षत्रिय नेताओं का नाम लेकर नाराज इस वर्ग को साधने का काम किया गया है। लेकिन सपा की चुनौती कम नहीं हुई है।

एटा में सपा का शाक्य पर दांव कितना असरदार

एटा लोकसभा सीट को भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का गढ़ माना जाता रहा है। 2009 में कल्याण सिंह यहां से जीते थे। इसके बाद बीते डेढ़ दशक से यहां विपक्ष वनवास पर है। कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर तीसरी बार इस सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन समीकरण पिछली बार से बदले हैं। सपा इस बार उनके मुकाबले में देवेश शाक्य को चुनाव में लाई है। बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी मो. इरफान को उतारा है। मुस्लिम होने के नाते वह सपा को चुनौती दे रहे हैं। यादव बाहुल्य इस सीट पर सपा के शाक्य प्रत्याशी मैदान में उतारने से कई यादव नेता अखिलेश यादव से नाराज हो गए हैं। एटा सीट पर सर्वाधिक मतदाता लोधी समाज के हैं। इसके बाद यादव और शाक्य भी बहुतायत में हैं। भाजपा सवर्ण, लोधी और शाक्य मतदाताओं के समीकरण पर यहां चुनाव जीतती है, तो सपा यादव, मुस्लिम का मेल बैठाती थी। लेकिन सपा ने इस बार शाक्य प्रत्याशी उतारकर यादव, मुस्लिम और शाक्य का समीकरण बनाया है। सपा जहां शाक्य मतदाताओं का अपने साथ होने का दावा कर रही है, वहीं भाजपा यादव वोट अपने खेमे में आने का प्रचार कर रही है। यह देखने वाली बात होगी कि सपा का शाक्य और बसपा का मुस्लिम दांव कितना असरदार होगा।

कन्नौज में आसान नहीं 'साइकिल' का सफर

इरा अवस्थी, कन्नौज

- सपा के लिए बसपा संजीवनी भाजपा का कर सकती नुकसान
- सपा दूसरे वर्गों में जितना कर लेगी सेंधमारी, उतना फायदा

अमृत विचार। कंकरीली-पथरीली राहों से होते हुए अब कन्नौज लोकसभा क्षेत्र का चुनाव चरणबद्ध ढंग से आगे बढ़ रहा है। प्रशासन की तैयारियां जोरों से शुरू हैं तो प्रत्याशियों के भाग्य के फैसले की घड़ी की भी उल्टी गिनती शुरू है। इस बार भले ही सपा मुखिया मैदान में हैं और जीत को लेकर आश्वस्त हें लेकिन राह इतनी भी आसान नहीं है। भाजपा प्रत्याशी से सीधी टक्कर है तो बसपा से भी उम्मीदवार मैदान में है। ऐसे में बसपा किसी का खेल बनाने तो किसी का बिगाड़ने का काम करने वाली है।

लोकसभा क्षेत्र कन्नौज एक बार फिर से वीआईपी की श्रेणी में आ गया है। सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव यहां से मैदान में हैं तो सामने फिर से भाजपा के सुब्रत पाठक टक्कर दे रहे हैं तो तीसरी ओर बसपा से इमरान बिन जफर भी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने की जुगत में हैं। पार्टी मुखिया के मैदान में होने से सपाई अतिउत्साहित हैं और सौ फीसदी जीत तय मानकर चल रहे हैं। हालांकि वे राह जितनी आसान समझ रहे हैं उतनी तो होने वाली नहीं लगती है। कारण यह कि भाजपा के प्रत्याशी के पास मोदी-योगी के काम के सहारे के अलावा राम मंदिर का भी तुरुप है। यह बात अलग है कि क्षेत्र में कोई काम न होने को लेकर जगह-जगह वोट मांगने जा रहे भाजपाइयों के विरोध का सामना करना पड़ा रहा है। बावजूद इसके वे मानते हैं कि एक वर्ग विशेष के पास भाजपा ही एकमात्र विकल्प है तो वोट तो हर हाल में कमल को ही मिलेगा। उधर, समाजवादी पार्टी बार-बार अपने पुराने विकास कार्य जो कन्नौज की धरती पर कराए वह गिनाने के साथ ही सरकार को घेर रही है कि उसने काम रुकवा दिए। इसके साथ ही देश स्तर के मुद्दे भी देकर जीतने की पूरी कोशिश में हे। दो दिन पहले हसेरन में हुई जनसभा में अखिलेश यादव ने वोट के लिए लगभग सभी दांव खेले। कोरोना वैक्सीन का मुद्दा उठाने के साथ ही बेरोजगारों को रोजगार देने की बात कह बड़े वर्ग को वोट के लिए प्रेरित करने की कोशिश की।

फिर रसूलाबाद की हवाई पट्टी व तिर्वा के पैरामेडिकल कॉलेज को अवंतीबाई के नाम पर करने का भरोसा दिलाकर लोधी वोट बैंक में संधमारी की कोशिश की। क्षत्रियों का भी हिमायती बन वोट से फैसला करने आह्वान किया। बसपा की बात करें तो कोर वोट दलित तो किसी और को न मिलने की बात कही जा रही है जबकि विगत चुनाव में यह वोट भाजपा को गया था। इस तरह से यह बड़ा नुकसान भाजपा को झेलना पड़ सकता है। कौम का वोट बहुत अधिक काट सकेंगे इसको लेकर संदेह है।

अब सपा की जीत का गणित समझें तो यादव और मुस्लिम वर्ग के बारे में माना जाता है कि उनका वोट उसी को जो 'भाजपा को हराए।' राजनीतिक जानकार मानते हैं कि यह वोट तो उनका पक्का है। बताया जा रहा है कि हितों की अनदेखी से व्यापारियों का बड़ा वर्ग भी भाजपा प्रत्याशी से नाराज है तो इसे सपा भुनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ेगी। इसके साथ ही बसपा जितना दलित वोट काटेगी उतना भाजपा को नुकसान तो सपा का फायदा होगा। हालांकि यह तो गुणा-भाग है और जनता फिलहाल मौन है। बात करने पर नाराजगी तो जताती है लेकिन वोट के नाम पर साफ कह दिया जाता है कि मौके पर ही मन बनाएंगे कि किसको चुनें। चुनेंगे उसको ही जो काम कराएगा।

मांगा समर्थन

शिकोहाबाद में आयोजित जनसभा को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संबोधित किया। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव भी रहे।

गैर यादव ओबीसी से सपा ने रचा चुनावी चक्रव्यूह

चुनाव डेस्क

- पार्टी ने सिर्फ 7 प्रतिशत यादव प्रत्याशी उतारे, भाजपा से केवल एक यादव चुनाव के मैदान में

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की कुल 80 में से 62 सीट पर चुनाव लड़ रही है, 17 सीटें उसने कांग्रेस और एक तृणमूल कांग्रेस के लिए समझौते में छोड़ी है। अब तक यादव-मुस्लिम समीकरण के सहारे चुनावी रण में उतरती आई समाजवादी पार्टी ने इस बार भाजपा को घेरने के लिए नए सिरे से चुनावी रणनीति बनाई है। इसके चलते पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने प्रदेश में सिर्फ इस बार पांच यादव प्रत्याशी उतारे हैं। कन्नौज सीट पर खुद अखिलेश स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं, तो मैनपुरी से उनकी पत्नी डिंपल यादव मैदान में हैं। आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव, बदायूं से शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव और फिरोजाबाद सीट से रामगोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा किसी भी सीट पर सपा ने कोई भी यादव प्रत्याशी नहीं दिया है,यहां तक कि पूर्वांचल में भी केवल आजमगढ़ में ही यादव प्रत्याशी उतारने का जोखिम उठाया है, जबकि इस इलाके में करीब आधा दर्जन सीटों पर यादव मतदाता प्रभावी भूमिका में है। सपा ने वर्ष 2009 में 11 तो 2014 में 13 और 2019 के लोकसभा चुनाव में 11 यादव समुदाय के प्रत्याशी प्रदेश में उतारे थे।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस बार चार यादव समाज के प्रत्याशी उतारे हैं। बसपा ने मैनपुरी सीट से शिव प्रसाद यादव, रायबरेली से ठाकुर प्रसाद यादव, सीतापुर में महेंद्र यादव और बलिया से ललन यादव को प्रत्याशी घोषित किया था। सपा-बसपा के मुकाबले भाजपा ने यादव बिरादरी से सिर्फ दिनेश लाल यादव निरहुआ को टिकट दिया है। प्रदेश में करीब आठ फीसदी वोटर्स यादव समुदाय के हैं, जो कि ओबीसी समुदाय की कुल आबादी का 20 फीसदी माने जाते हैं। इस तरह ओबीसी समुदाय में सबसे बड़ी आबादी यादव वोटर्स की है, यादवों को टिकट देने में कटौती करने वाली सपा ने कुर्मी समाज पर दरियादिली दिखाई है।

सपा ने 10 लोकसभा सीटों पर कुर्मी समुदाय के प्रत्याशी उतारे हैं, जो पार्टी में किसी एक समुदाय के सबसे ज्यादा उम्मीदवार हैं। यूपी में पिछड़ी जातियों में यादव समाज के बाद सर्वाधिक आबादी कुर्मी समाज की मानी जाती है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कुर्मी समाज से लखीमपुर खीरी में उत्कर्ष वर्मा, बांदा से शिवशंकर पटेल, अंबेडकर नगर सीट पर लालजी वर्मा, बस्ती में रामप्रसाद चौधरी, प्रतापगढ़ सीट पर डॉ. एसपी सिंह पटेल, गोंडा सीट पर श्रेया वर्मा, पीलीभीत से भगवत सरन गंगवार, श्रावस्ती सीट पर राम शिरोमणि वर्मा और फतेहपुर में प्रदेश अध्यक्ष नरेश सचान को प्रत्याशी बनाया है। सपा के प्रत्याशियों की सूची में जातिगत भागीदारी के लिहाज से 48% से अधिक टिकट गैर-यादव ओबीसी को मिले हैं। 2014 और 2019 के मुकाबले यह आंकड़ा दोगुना है।

भाजपा ने ब्राह्मण और राजपूत को दी बराबर भागीदारी

बदलते समीकरण

चुनाव डेस्क

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की 80 में से 75 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पांच सीटों पर पार्टी के सहयोगी दल चुनाव मैदान में हैं। भाजपा की तरफ से सामान्य वर्ग के 33, ओबीसी के 26 और अनुसूचित जाति के 16 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। जातीय समीकरणों के लिहाज से भाजपा ने 13 ब्राह्मण, 13 राजपूत तथा दो वैश्य उम्मीदवार उतारे हैं। इनके अलावा सामान्य वर्ग को पांच और टिकट दिए हैं, जनमें दो भूमिहार प्रत्याशियों के अलावा एक-एक पंजाबी और पारसी प्रत्याशी भी है। भाजपा ने ओबीसी जातियों में सबसे अधिक छह प्रत्याशी कुर्मी समाज से उतारे हैं। इसके बाद चार लोध, तीन जाट, तीन निषाद और दो गुर्जर जाति के लोगों को टिकट दिए गए हैं। पार्टी ने कश्यप, सैनी, यादव, शाक्य, कुशवाहा और तेली जाति का एक-एक प्रत्याशी मैदान में उतारा है। अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों में तो भाजपा ने पासी जाति से छह, खटिक से तीन और जाटव जाति के दो लोगों को उम्मीदवार बनाया है। धनगर, धानुक, बाल्मिकी, गोंड और कोरी जाति से एक-एक प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा का यूपी में जातीय संतुलन

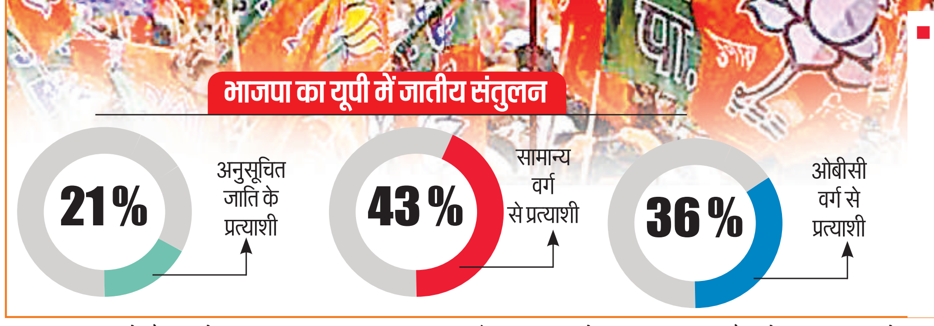

- प्रदेश में पार्टी के लगभग 80 फीसदी प्रत्याशी सामान्य और ओबीसी वर्ग से

सात महिलाओं पर जताया भरोसा

- नारी शक्ति वंदन बिल पास होने के बाद भले ही पार्टी ने महिलाओं को एक तिहाई भागीदारी की बात कही हो, लेकिन चुनावी मैदान में 10 फीसदी महिलाओं पर ही भरोसा जताया गया है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में सात महिलाओं को ही टिकट दिया है। इसमें भी जातियों का ध्यान रखा गया है। तीन महिला प्रत्याशी सामान्य श्रेणी से हैं तो दो-दो ओबीसी और अनुसूचित जाति वर्ग की हैं। इनमें मथुरा से हेमा मालिनी, सुल्तानपुर से मेनका गांधी, अमेठी से स्मृति ईरानी, फतेहपुर से निरंजन ज्योति, धौरहरा से रेखा वर्मा, बाराबंकी से राजरानी रावत और लालगंज से नीलम सोनकर हैं।

चुनावी इश्तिहार में युवा खोज रहे रोजगार

दिग्विजय सिंह

चुनावी मुद्दा

राजनीतिक दलों के वादों में फिर से गुम न हो जाए युवाओं की नौकरी की चाहत
चुनावी अभियान में चर्चा पाने के बावजूद दूसरे मुद्दे परवान चढ़ने से चिंतित हैं युवा

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में इस बार 1.8 करोड़ युवा पहली बार वोट डाल रहे हैं। इसके साथ ही 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 19.47 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए बूथ पर पहुंचने के लिए बेताब है। इन युवाओं के मन में सबसे बड़ा मुद्दा नौकरी और रोजगार का है, लेकिन राजनीतिक दलों और नेताओं के बीच छिड़े आरोप-प्रत्यारोप में उसे नौकरी की बात कम ही सुनाई दे रही है। हालांकि चुनावी घोषणा पत्र के बाद प्रचार अभियान में इस बड़े वोट बैंक पर सभी प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की पैनी नजर है। कांग्रेस और भाजपा के साथ उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने खासतौर पर इन युवा वोटरों पर फोकस कर रखा है। युवाओं को अपने पाले में खींचने के लिए रोजगार की बात को हर कोई अपने तरीके से एड्रेस करने में लगा है।

परीक्षा भर्ती के लिए सख्त कानून, आरोपी पाएंगे सजा

- भाजपा सरकार को रोजगार के मुद्दे पर कांग्रेस लगातार कठघरे में खड़ी करती रही है। हाल में यूपी, बिहार समेत कई राज्यों में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के मामले सामने आए थे। इससे आक्रोशित युवाओं ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया था। पेपर लीक की वजह से यूपी पुलिस भर्ती समेत कई परीक्षाएं रद हो गई थीं। ऐसे में इस मुद्दे को दोनों दलों ने चुनाव पूर्व वादे में गंभीरता से लिया है। कांग्रेस ने पेपर लीक मामलों से निपटने के लिए फास्ट-ट्रैक्ट कोर्ट बनाने और पीड़ितों को आर्थिक मुआवजा देने की बात कही है, वहीं भाजपा का कहना है कि उसने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताएं रोकने के लिए सख्त कानून बनाया है। इसके जरिए आरोपियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

1.8 करोड़ युवा पहली बार डाल रहे हैं वोट

19.47 करोड़ 20-29 वर्ष आयु वर्ग के वोटर

27% लोग मानते हैं बेरोजगारी को सबसे बड़ा मुद्दा

30% से ज्यादा बढ़ी बीते 24 साल में पढ़े लिखे बेरोजगार युवाओं की जमात

मानव विकास संस्थान और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की भारत रोजगार रिपोर्ट-2024

बेरोजगार युवाओं में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की हिस्सेदारी 65 .7% है।

62 % बोले, नौकरी पाना कठिन हुआ

- पिछले पखवाड़े सामने आए सीएसडीएस-लोकनीति के चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में मतदाताओं ने भी सबसे बड़ी चिंता बेरोजगारी को लेकर दर्ज करायी थी। सर्वे में सबसे 27 फीसदी लोगों ने बेरोजगारी को बड़ी मुद्दा बताया था। सर्वेक्षण में शामिल लगभग दो तिहाई 62% लोगों का मानना था कि नौकरियां पाना अधिक मुश्किल हो गया है। ऐसा मानने वाले शहरों में 65%, गांवों में 62% और कस्बों में 59% थे। केवल 12% ने यह राय दी थी कि नौकरी पाना आसान हो गया है। सर्वेक्षण के मुताबिक 17 फीसदी लोग राज्य सरकार, 21 फीसदी केंद्र और 57 फीसदी लोग केंद्र व राज्य दोनों सरकारों को नौकरी के अवसर कम करने का जिम्मेदार मानते हैं। मानव विकास संस्थान और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की भारत रोजगार रिपोर्ट-2024 भी देश में बेरोजगारी की स्थिति को बयां करती है। रिपोर्ट के अनुसार देश के बेरोजगार कार्यबल में लगभग 83% युवा हैं और कुल बेरोजगार युवाओं में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की हिस्सेदारी 65 .7% है, जबकि वर्ष 2000 में यह दर 35 .2 फीसदी थी। यानी बेरोजगार युवाओं के बारे में कोई यह भी नहीं कह सकता है कि जब पढ़ोगे नहीं तो, रोजगार कहां से मिलेगा। पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है।

मैन्यूफैक्चरिंग, इंफ्रास्टक्चर और पर्यटन में रोजगार के साथ फूड प्रोसेसिंग हब बनाएगी भाजपा

- भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में रोजगार, इंफ्रास्टक्चर में निवेश से रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने की बात कही है, लेकिन कितने रोजगार या कितनी नौकरियां दी जाएंगी, इसे लेकर कोई ठोस आंकड़ा नहीं दिया है। युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के लिए भाजपा ने देश को फूड प्रोसेसिंग हब बनाने की घोषणा की है। दावा किया गया है कि इससे युवाओं के साथ ही किसानों को भी फायदा होगा। खासकर श्रीअन्न का उत्पादन करने वाले छोटे किसानों को लाभ मिलेगा। पार्टी का कहना है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू करने के साथ ही मुद्रा योजना में 20 लाख रुपये लोन देकर रोजगार के साधन पैदा किए जाएंगे। नौकरियों के अवसर पैदा करने के लिए ढांचागत सुविधाओं, निर्माण क्षेत्र, स्टार्टअप, निवेश, खेल, उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं पर ध्यान दिया जाएगा। आईआईटी, आईआईआईटी, आईआईएम और एम्स के साथ सभी मेडिकल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को सुदृढ़ करके उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ायी जाएगी। युवाओं के लिए डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना, शैक्षणिक और व्यावहारिक कौशल को जोड़ने के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करने की भी भाजपा ने घोषणा की है।

कांग्रेस ने किया रोजगार क्रांति का वादा पेपर लीक होने पर मिलेगा मुआवजा

- कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में केंद्र सरकार में स्वीकृत पड़े लगभग 30 लाख रिक्त पद भरने का वादा किया है। भर्ती परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने के मामलों में फैसला देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा के साथ ही सभी पीड़ित अभ्यर्थियों को मुआवजा देने की भी बात कही है। पार्टी ने पक्की नौकरी की गारंटी के लिए 1961 के अप्रेंटिस शिप एक्ट की जगह प्रशिक्षुता अधिकार अधिनियम लाने की बात कही है। पार्टी के मुताबिक यह नया कानून 25 साल से कम उम्र के हर डिप्लोमा धारक या कॉलेज ग्रेजुएट पर लागू होगा। निजी और सरकारी कंपनियों में युवाओं को एक साल की ट्रेनिंग देने के लिए राइट टू ऑपरेटिव एक्ट की गारंटी की बात कांग्रेस के न्याय पत्र में है। पार्टी का कहना है कि स्टार्टअप के लिए फंड आफ फंड्स योजना लाई जाएगी। इससे 40 साल से कम उम्र के युवाओं को खुद का व्यापार शुरू करने में मदद मिलेगी।

भाजपा के लिए इस बार खास है तीसरा चरण

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण में 95 सीटों के लिए सात मई को मतदान होना है। प्रचार में एनडीए और इंडिया गठबंधन ने पूरी ताकत झोंक रखी है। 2019 के चुनाव में इन 95 सीटों में भाजपा 72 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। कांग्रेस सिर्फ 4 सीटें ही पा सकी थी। तीसरे चरण में गुजरात की 25 सीटों पर चुनाव है। भाजपा 2014 और 2019 में राज्य की सभी सीटें जीतने में कामयाब रही थी। इस तरह एमपी की जिन नौ सीटों पर चुनाव है, वहां भी भाजपा ने पिछले चुनाव में क्लीन स्वीप किया है। भाजपा छत्तीसगढ़ की 7 में से 6 सीटें जीती थी। कर्नाटक की सभी 14 सीटों पर उसने कब्जा जमाया था। सात मई के मतदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, एमपी के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले की किस्मत का फैसला हो जाएगा।

राजनीति के चाणक्य को नहीं चुनौती: केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह गुजरात की गांधीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। गांधीनगर से दूसरी बार जीत के लिए अमित शाह का मुकाबला कांग्रेस की सोनल पटेल से हो रहा है। भाजपा इस सीट पर 1989 से अपराजित है। 2019 के चुनाव में अमित शाह ने कांग्रेस के सीजे चावड़ा पर 5.55 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

विदिशा में शिवराज का सिक्का: मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भाजपा ने विदिशा लोकसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले शिवराज सिंह चौहान विदिशा निर्वाचन क्षेत्र से पांच बार सांसद रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान का मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है। प्रधानमंत्री उन्हें केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी देने की बात कह गए थे।

हार का दाग मिटाने की चुनौती

- कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए यह चुनाव बेहद खास है। गुना लोकसभा क्षेत्र से उन्होंने 2019 के चुनाव में भाजपा के कृष्ण पाल सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़े ज्योतिरादित्य सिंधिया को हरा दिया था। इस बार उनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी राव यादवेंद्र से हो रहा है। पिछली बार कृष्णपाल सिंह यादव वोटों में सेंधमारी से कांग्रेस को रोकने में लगे हैं।

भाभी और ननद की रोचक लड़ाई

- एनसीपी संरक्षक शरद पवार अपनी बेटी सुप्रिया सुले को लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में बारामती सीट से जिताने के लिए जूझ रहे हैं। यहां मुकाबला पवार बनाम पवार है। तीन बार की मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले का मुकाबला राज्य के उप मुख्यमंत्री और एनसीपी के विभाजित गुट के अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से है। अजित पवार की पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा है।

मारेंगे मैदान पश्चिम दिल्ली से आप के उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित जुलूस में कार्यकर्ता उत्साहित दिखे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से नाराज भी दिखे।

हक के लिए उठे हाथ आगरा में बसपा प्रमुख मायावती की रैली में पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा। बसपा प्रमुख भी भीड़ उत्साहित दिखीं।

लोहरदगा में जेएमएम के बागी ने बिगाड़ा गणित

चुनाव डेस्क। झारखंड की लोहरदगा संसदीय सीट पर भी मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। भाजपा के कब्जे वाली इस सीट पर कांग्रेस ने सुखदेव भगत को मैदान में उतारा है जबकि भाजपा ने अपने वर्तमान सांसद का टिकट काट दिया है। उनके स्थान पर समीर उरांव मैदान में आए हैं। यहां मुकाबला इसलिए भी दिलचस्प हो गया है क्योंकि जेएमएम के विधायक चमरा लिंडा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतर गए हैं।

इसी सीट पर कांग्रेस और भाजपा के बीच ही मुख्य मुकाबला होता रहा है लेकिन 2009 के चुनाव में चमरा लिंडा ने निर्दलीय मैदान में उतरकर सारे गणित को बदल दिया था। हालांकि वे इस चुनाव में दूसरे नंबर पर रहे थे। 2014 में वे टीएमसी से लड़े थे लेकिन तीसरे स्थान पर रहे थे। वर्तमान में वे जेएमएम से विधायक हैं। यह सीट गठबंधन की वजह से कांग्रेस के खाते में चली गई। ऐसे में उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में ही समर में कूदने की घोषणा कर कांग्रेस की मुश्किल बढ़ा दी। भाजपा ने भी तीन बार के सांसद सुदर्शन भगत का टिकट काट दिया है।

अर्जुन मुंडा खिला पाएंगे कमल या कांग्रेस के काली चरण मुंडा लेंगे हार का बदला

खूंटी संसदीय सीट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। झारखंड राज्य की खूंटी लोकसभा सीट पर मुकाबला कांटे का है। यहां से मोदी सरकार में मंत्री एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा मैदान में हैं। उनके सामने कांग्रेस से कालीचरण मुंडा है। वह दो बार के विधायक रहे हैं और 2019 में अर्जुन मुंडा के हाथों हार गए थे। 2014 में भी इसी सीट से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बार जहां वे हार का बदला लेने के लिए आतुर दिख रहे हैं तो अर्जुन मुंडा फिर से इस सीट पर जीत दर्ज कर मोदी सरकार के 400 पार के लक्ष्य की पूर्ति करने को रात दिन एक किए हुए हैं।

अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित इस संसदीय सीट पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के मैदान में आने से पूरे देश की निगाह इस सीट पर है। क्योंकि जल्द ही यहां विधानसभा के चुनाव भी होने हैं और अर्जुन मुंडा को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किया जा सकता है। ऐसे में उनकी दोबारा जीत उनकी दावेदारी को और मजबूत बनाएगी। यह सीट भाजपा का मजबूत गढ़ रही है। पहली बार राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1989 में इस सीट पर खाता खुला था। तब पार्टी नेता करिया मुंडा यहां से सांसद बने थे और वे 1991, 1996, 1998 और 1999 में भी इस सीट पर जीते। 2004 के चुनाव में यहां से कांग्रेस को जीत मिली हालांकि यह जीत 2009 में बरकरार नहीं रह पाई। करिया मुंडा न सिर्फ 2009 में जीते बल्कि 2014 में भी उन्हें यहां से सांसद बनने का मौका मिला। 2019 में भाजपा ने इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा को मौका दिया और वे भी सांसद बनने में कामयाब हुए। पिछले चुनाव में मिली हार की टीम काली चरण मुंडा के जेहन में आज भी है। वह झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के कोर वोटरों के दम पर जीत दर्ज करने के लिए प्रयासरत हैं। इस सीट पर 13 मई को मतदान होना है।

अर्जुन मुंडा।

कालीचरण मुंडा।

दो बार विधायक रहे कालीचरण

- कालीचरण मुंडा की गिनती कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में होती है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री और उपाध्यक्ष के पद पर वह रह चुके हैं। 1992 में वह तमाड़ सीट से जीत दर्ज कर विधायक बने थे। 1995 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने दोबारा जीत हासिल की। 2000 के विधानसभा चुनाव में वे हार गए। 2014 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनाव का टिकट दिया था पर मोदी लहर में हार गए थे। तीसरे स्थान से उन्हें संतोष करना पड़ा था।

- 2014 और 2019 में हारे कालीचरण को कांग्रेस ने फिर से मैदान में उतारा है
- आठ बार इस सीट पर भाजपा के करिया मुंडा बने सांसद, पहली बार 1989 में जीते थे
- 2019 में जीते पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा को जीत के लिए मोदी की गारंटी का सहारा

आरक्षण खत्म होने का दिखा रहे डर

कांग्रेस , झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता यहां आदिवासियों व अन्य जातियों के मतदाताओं को बताने में जुटे हैं कि भाजपा सत्ता में आई तो इस बार आरक्षण खत्म हो जाएगा और संविधान बदल जाएगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति को न बुलाए जाने को जनजाति समाज का अपमान बताया जा रहा है। जबकि भाजपा के नेता यह बताने में जुटे हैं कि मोदी की गारंटी है कि आदिवासियों के हित सदैव सुरक्षित रहेंगे। आदिवासियों के लिए अलग बने मंत्रालय द्वारा अब तक कराए गए कार्यों का भी बखान किया जा रहा है। किसान सम्मान निधि और अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को भी साधने में भाजपा जुटी हुई है।

बीजद के गढ़ में खिलेगा कमल या फिर होगी शंख ध्वनि

पुरी की चुनावी कथा

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। ओडिशा की पुरी संसदीय सीट बीजू जनता दल (बीजद) का अभेद्य किला है। इसे ढहाने की कोशिश कांग्रेस और भाजपा ने खूब किया पर सफलता हाथ नहीं लगी। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा यहां से मैदान में थे लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी पार्टी ने उन पर दांव लगाया है। कांग्रेस इस लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने में जुटी हुई थी पर उम्मीदवार सचरिता महांति के टिकट वापस किए जाने से पार्टी की मुश्किल बढ़ गई है। अब कांग्रेस को यहां नये चेहरे के साथ मैदान में उतरना होगा। सुचरिता महांति 2014 में इस सीट से चुनाव लड़ चुकी हैं। 2019 में उनका टिकट कट गया था। इस संसदीय सीट पर 25 मई को मतदान होना है और पर्चा दाखिल करने की तिथि छह मई तक है। 25 मई को ही इस संसदीय क्षेत्र की सातों विधानसभा सीटों पर भी वोट डाले जाएंगे। फिलहाल पांच विधानसभा सीटों पर बीजू जनता दल और दो पर भाजपा का कब्जा है।

भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी में कभी कांग्रेस का दबदबा हुआ करता था। कांग्रेस ने इस सीट पर छह बार जीत दर्ज की । एक बार जनता पार्टी और एक बार संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी और दो बार जनता दल के उम्मीदवारों को यहां जीत मिली। पहली बार 1998 में बीजू जनता दल को यहां जीत मिली और इसके बाद से पार्टी इस सीट को अपने पास ही रखे हुए है। इस अभेद्य किले को ढहाने के लिए कोशिशें कांग्रेस ने भी खूब की और भाजपा ने भी लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। 2009 और 2014 में भाजपा को यहां तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। 2014 में जब मोदी की लहर चल रही थी तब भी पार्टी जीत नहीं पाई थी।

कांग्रेस को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ था। 2019 में संबित पात्रा मैदान में उतरे तो भाजपा मुख्य मुकाबले में आई। हालांकि वे बीजू जनता दल के पिनाकी मिश्रा से हार गए। इस बार बीजू जनता दल ने इस बार अरूप पटनायक को मैदान में उतारा है जबकि उनके सामने भाजपा से संबित पात्र मैदान में हैं। अब कांग्रेस की सुचरिता महांति ने टिकट वापस कर दिया है तो देखना यह है कि पार्टी किसे उम्मीदवार बनाती है।

अरूप पटनायक।

संबित पात्रा।

- लगातार छह बार से बीजू जनता दल इस सीट पर फहरा रही है परचम
- भाजपा के संबित पात्रा एक बार फिर टक्कर देने के लिए मैदान में आए
- उम्मीदवार के टिकट वापस करने से कांग्रेस के लिए खड़ी हुई मुश्किल

चार बार सांसद रहे पिनाकी मिश्रा

2009, 2014 और 2019 में बीजू जनता दल के टिकट पर जीत की हैट्रिक लगाने वाले पिनाकी मिश्रा ने 1996 में कांग्रेस के टिकट पर पुरी से जीत दर्ज की थी। बाद में वे बीजू जनता दल में शामिल हुए और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के खास नेताओं में शामिल हो गए। इस बार उनका टिकट कटा तो यह माना गया कि विवादों में आईं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा से नजदीकी के कारण पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

पुलिस कमिश्नर रहे हैं अरूप पटनायक

- अरूप पटनायक मुंबई के पुलिस कमिश्नर रहे हैं और बीजू जनता दल के मुखिया एवं ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के भरोसेमंद नेताओं में शामिल हैं। 2019 में उन्होंने भुवनेश्वर से चुनाव लड़ा था तब उन्हें भाजपा की अपराजिता सारंगी ने हराया था। अब पार्टी ने उन्हें पुरी से संबित पात्रा के विरुद्ध उतारा है।

समझाया गणित

नेशनल कांफ्रेस के प्रमुख फारुख अब्दुल्ला ने श्रीनगर में बैठक की और पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र बताया। मतदाताओं को बूथ तक लाने की अपील की।

विवाह: पवित्र सामाजिक संस्कार

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

सर्वोच्च न्यायपीठ ने इसी सप्ताह सप्तपदी को अनिवार्य बताया है। विवाह के पहले पिता का घर ही कन्या का निवास होता है। विवाह के समय ऋषि आशीष देते हैं, "हम आपको पितृकुल से मुक्त करते हैं और पतिकुल से संबद्ध करते हैं।" स्तुति है कि, "हे इंद्र यह वधू सौभाग्यशाली हो।"

आधुनिक सभ्यता के प्रभाव शुभ नहीं हैं। जीवन के सभी आयामों में आधुनिकता का बुरा प्रभाव पड़ रहा है। परिवार खूबसूरत संस्था है,लेकिन आधुनिकता की चपेट में है। वस्तुतः आधुनिकता प्राचीनता का ही हिस्सा है और उसी का विकास है। भारत प्राचीन सभ्यता है। इस सभ्यता का सतत विकास हुआ है। आधुनिकता और प्राचीनता को खंडों में नहीं बांटा जा सकता। प्राचीन सभ्यता से विकसित होकर बनने वाली आधुनिकता स्वागत योग्य है,लेकिन वर्तमान भारत की आधुनिकता में विदेशी सभ्यता की वरीयता है। यह प्राचीन भारतीय सभ्यता, दर्शन और अनुभूति को पिछड़ापन मानती है। उधार की विदेशी आधुनिकता ने राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों को कुप्रभावित किया है।

ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले ही भारत की संस्कृति और सभ्यता का विकास हो चुका था। भारतीय सभ्यता में परिवार आत्मीय संगठन थे। परिवार के सभी सदस्यों के एक साथ रहने और रमने के सूत्र आज भी दिखाई पड़ते हैं। विवाह पवित्र सामाजिक संस्कार है। इसके विकास में काफी समय लगा होगा। यह सतत् प्रवाहमान सामाजिक विकास का परिणाम है। विवाह ही प्राचीन समाज की मजबूती का आधार रहे हैं। वे स्त्री और पुरुष के बीच नेह बंधन में बंधे हुए थे। अब उधार की आधुनिकता ने 'लिव इन' नाम का दुखद दृश्य प्रस्तुत किया है। 'लिव इन' दोनों को संताप में रखता है। भारतीय समाज परिवारों में ही विकसित हुआ है। परिवार के सभी सदस्यों के सुख-दुख एक समान रहे हैं। सब साथ-साथ रहते थे। साथ-साथ उत्सव मनाते थे। वरिष्ठ नई पीढ़ी के साथ आनंदित रहते थे। वृद्ध ऐसे परिवारों के संचालक, नीति निर्माता और मुखिया रहे हैं, लेकिन उधारू सभ्यता के कारण परिवार के सदस्यों के मध्य अंतर्संवाद व अंतर्संगीत नहीं है। सब अलग-अलग रहना चाहते हैं। उधार की विदेशी आधुनिकता के कारण उपयोगितावाद मार्गदर्शी हो रहा है। जीवन की सांझ में वृद्ध उपयोगी नहीं दिखाई पड़ते। वृद्ध अकेले हैं। माता-पिता और अन्य वरिष्ठ प्राचीन भारतीय सभ्यता में आदरणीय रहे हैं। आधुनिक विदेशी सभ्यता के प्रभाव में परिवार के वरिष्ठ जनों का आदर घटा है। वृद्धों की सेवा पुत्रों-पौत्रों का दायित्व है। परिवार के सदस्य वरिष्ठों को घर में छोड़कर अलग रहते हैं। वृद्ध उपयोगी नहीं हैं। वे स्वयं अपना शरीर भी नहीं संभाल पाते। शारीरिक जीर्णता के साथ मानसिक संताप भी जुड़े हैं। वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं।

संवेदनाएं कुचालक हो गई हैं। परस्पर आत्मीयता घटी है। पश्चिम की सभ्यता आधुनिकता बनकर समाज तोड़ रही है। ऐसी सभ्यता से जुड़े विद्वान भारत में स्त्री की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। ऋग्वेद में विवाह नाम के उत्सव का वर्णन बार-बार पठनीय है। ऋग्वेद (10.85) में सूर्य पुत्री सूर्या के विवाह का रोचक वर्णन है। सूर्य प्रकृति की विराट शक्ति हैं। आराध्य हैं। यहां उनकी पुत्री के विवाह का उत्सव वर्णन है। यह वर्णन निरा काल्पनिक नहीं हो सकता। ऋग्वेद में विवाह के समय वर कहता है, "हे वधू सौभाग्य वृद्धि के लिए मैं आपका हाथ ग्रहण करता हूं। तुम मेरे साथ सदा रहना।" अग्नि देवता के चारो ओर सात चक्कर लगाने की परंपरा सप्तपदी में भी है। सर्वोच्च न्यायपीठ ने इसी सप्ताह सप्तपदी को अनिवार्य बताया है। विवाह के पहले पिता का घर ही कन्या का निवास होता है। विवाह के समय ऋषि आशीष देते हैं, "हम आपको पितृकुल से मुक्त करते हैं और पतिकुल से संबद्ध करते हैं।" स्तुति है कि, "हे इंद्र यह वधू सौभाग्यशाली हो।" पश्चिम प्रभावित भारतीय विद्वान नोट कर सकते हैं कि वैदिक काल में नारी की स्थिति कार्यपालक अधिकारी जैसी है। ऋग्वेद में कहते हैं,''यह नारी पूरे परिवार की प्रतिष्ठा वृद्धि करने वाली हो।" देवों से स्तुति है कि, ''इसे संतति युक्त सौभाग्यशाली बनाएं।" फिर सामूहिक आशीर्वाद देते हैं, "आप सास, ससुर, ननद व देवर की साम्राज्ञी बनें। पूरे परिवार की स्वामिनी बनें।" प्राचीन काल में स्त्रियां युद्ध में भी हिस्सा लेती थीं। युद्ध साधारण कर्म नहीं है। ऋग्वेद में विप्सला नाम की महिला के पैर टूटने का विवरण है। अश्विनी देवताओं ने टूटे पैर की जगह किसी धातु का कृत्रिम पैर लगाया था। इसी तरह एक महिला मुद्गलानी की भी वीरता का उल्लेख है। वैदिक काल की इसी परंपरा के दर्शन रामकथा में भी मिलते हैं। कैकई भी दशरथ के साथ युद्ध भूमि में थीं। लोपामुद्रा भी वैदिक मंत्रों की रचयिता हैं। पुरुष और स्त्री में भेदभाव की बातें व्यर्थ हैं।

आधुनिक विदेशी सभ्यता स्त्रियों को सम्माननीय दर्जा नहीं देती। इस सभ्यता ने उन्हें पुरुष से भिन्न अलग वर्ग बनाने के प्रयास किए हैं। वैदिक काल में स्त्री और पुरुष साथ-साथ काम करते हैं। वैदिक समाज का सर्वाधिक प्रिय पेय है सोम। ऋग्वेद के अनुसार पति-पत्नी दोनों मिलकर सोम पीसते हैं और साथ-साथ सोमरस का आनंद लेते हैं। साथ-साथ देव स्तुतियां भी गाते हैं। पत्नियां अपने पतियों के साथ पर्व उत्सवों में हिस्सा लेती थीं। एक मंत्र के अनुसार अग्नि देव से स्तुति है कि वे 33 देवताओं को पत्नियों सहित यज्ञ उत्सव में लाएं।

जीवन दिक्काल के भीतर है जिसका जन्म होता है उसकी मृत्यु भी होती है। जन्म के बाद धीरे-धीरे शैशव विकसित होता है। संभावना का घट टूटता है। जीवन ऊर्जा ऊर्द्धवगामी होती है। तब आती है तरुणाई। तरुणाई भी अल्पकालिक है। सूर्य आते हैं। उदित होते हैं। कालरथ का पहिया घूमता है। शरद आती है। हेमंत,शिशिर आते हैं। तमाम पूर्णिमा और बार-बार अमावस। जीवन का संध्याकाल आता है। शरीर जीर्ण होता है। ऊर्जा घटती है। आंखों की ज्योतिर्मयता घटती है। जन्म और मृत्यु के बीच बड़ा फासला नहीं होता। सामान्यतया 60 वर्ष की वय में वृद्धावस्था प्रकट हो जाती है। वृद्ध होना सबकी नियति है। सभ्यता और संस्कृति में वृद्धो के सम्मान को महत्वपूर्ण कर्तव्य बताया गया है। महाभारत के यक्ष प्रश्नों में माता-पिता को श्रेष्ठ स्थान दिया गया है। यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा, "आकाश सबसे ऊंचा है। हे धर्मराज आप बताएं कि आकाश से ऊंचा क्या है? ''युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, "पिता आकाश से ऊंचा है।" यक्ष ने फिर पूछा, "पृथ्वी के गुरुत्व और भार से भारी क्या है?" युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, "माता पृथ्वी से भारी है।

माता सृष्टि की आदि अनादि अनुभूति है। हम सब मां का विस्तार हैं।" हमारे भीतर माता और पिता दोनों की उपस्थिति है। लेकिन जीवन की सांझ में वे एकाकी हैं। वे चाहते हैं कि पौत्र और पौत्रियां उनका हाल-चाल लें। उनसे बातें करें। वे डांटें तो हम उनकी डांट खाकर भी प्रसन्न रहें। वृद्धों के पास जीवन अनुभव होते हैं। ऋग्वेद के एक सुंदर मंत्र में सभी वरिष्ठों को नमस्कार किया गया है, "इदं नमः ऋषिभ्यः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृदभ्यः-ऋषियों को नमस्कार है। पूर्वजों को नमस्कार है। वरिष्ठों व मार्गदर्शकों को नमस्कार है।" (ऋग्वेद 10.14.15) वरिष्ठों के सम्मान का यही तत्व महाभारत में भी है। कहते हैं कि, "वह सभा सभा नहीं है जिसमें वृद्ध नहीं हैं। वह वृद्ध वृद्ध नहीं हैं। जो धर्मतत्व नहीं जानते।" उधार की विदेशी सभ्यता ने इस परम्परा को उपयोगितावाद के हवाले कर दिया है। यह शुभ नहीं है। भारत को प्राचीनता के गर्भ से जन्म लेने वाली आधुनिकता की आवश्यकता है।

गलत कार्यों से कमजोर होता है आत्मबल

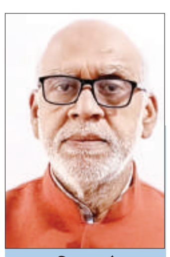

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

नाटक हो या सिनेमा का पर्दा। नायक के आते दर्शकों की तालियां बजने लगती हैं। इसमें वह भी शामिल होता है जिसका स्वयं का जीवन सामान्य नहीं क्रूरतम अपराधों का रहा। वह जेल तक गया और सजा की अवधि पूर्ण कर बाहर आया। ऐसा इसलिए होता है,क्योंकि हर दर्शक के मन में नायक के प्रति लगाव होता है। लगाव का कारण स्पष्ट है,क्योंकि नाटक और फिल्म में जो खलनायक होता है,वह निकृष्ट भूमिका में होता है। हर तरह के गलत कामों को अंजाम देता है,लेकिन जब वह नायक के सामने पड़ता है तब उसका आत्मबल क्षीण होने लगता है। अपने खलनायकी स्वभाव के चलते वह नायक से मोर्चा लेता है। जब कभी नायक के पराजित होने का दृश्य दिखाई पड़ता है तब दर्शकों की सांसें ठहर-सी जाती हैं। मन ही मन नायक के लिए दर्शक दुआ करने लग जाते हैं। दृश्य बदलता है। कुछ ही पलों में नायक भारी पड़ने लगता है और खलनायक को मारने लगता है तब दर्शकों की ओर से आवाज भी आने लगती है और मारों इसको। हालांकि इस आवाज का कोई मतलब नहीं होता। नाटक और फिल्म की कहानी तो पहले ही तय हो चुकी है,लेकिन आवाज लगाने वालों को आंतरिक सुकून अवश्य मिलता है।

अब जरा पर्दे से हटकर निजी जीवन की भूमिका पर नजर डाली जाए तो क्या ऐसा होता है कि किसी भी क्षेत्र में गलत रोल अदा करते समय मन यह कहता है कि कोई नायक आए और उसे फिल्म वाले नायक की तरह प्रताड़ित करे? उत्तर शायद ही 'हां' में आए,क्योंकि 'हां' का उत्तर यदि आएगा तब खुद ही मन रुक जाएगा कि गलत कामों का परिणाम गलत ही मिलता है,लेकिन निजी जीवन में तो यही महसूस होता है कि किसी को गलत कार्य किया जाएगा। इतनी सावधानी बरती जाएगी कि किसी को इसकी जानकारी लग पाएगी। देखा जाता है कि मन द्वारा बताए जाने के बावजूद नियम विरुद्ध गलत काम करने में जो खुद को ज्ञाता और पढ़े-लिखे तथा होशियार मानते हैं,वे इसलिए कदम बढ़ा देते हैं,क्योंकि उन्हें मालूम है कि यदि किसी संकट में वे फंसेंगे तो बचाव के लिए वे मददगार खरीद लेंगे। इस तरह वे गलत कार्यों की ओर बढ़ जाते हैं और बच भी जाते हैं,लेकिन इसका परिणाम यह होता है कि एक अज्ञात भय तो मन में समा ही जाता है।

गलत कार्यों की जानकारी संभव है कि किसी अन्य को नहीं हो सके,लेकिन खुद के मन को तो मालूम है कि नियम विरुद्ध गलत कार्य किया गया है। जब कभी खुद को होशियार मानने वाले के गलत कार्यों का खुलासा होता है और वह कानून के शिकंजे में फंसता है तब उसी तरह की गलती और अपराध करने वाले अन्य लोगों का भी मन भयाक्रांत होने लगता है। इस भय से शरीर पर कितना कुप्रभाव पड़ता है, इसका आकलन किया जाए तो गलत कार्यों से जो लाभ या सुख मिला है, वह बहुत छोटा ही होता है। धीरे-धीरे मन चोर की तरह होने लगता है। इसे ही कहते हैं कि 'चोर की दाढ़ी में तिनका।' मन में चोर-भाव आते ग्लानि के साथ आत्मबल गिरता है जिसका आत्मबल कमजोर होता है, उसकी स्थिति फिल्म और नाटक के खलनायक जैसी हो जाती है। इसीलिए इतने खूबसूरत जीवन में कार्य ऐसा ही करना चाहिए कि जब खुद अपने कार्यों का मूल्यांकन करने की ईमानदार-कोशिश हो तो मन 'वाह' कहे न कि धिक्कारें। ऐसे लोग नायक जैसे होते हैं। जहां जाते हैं वहां उनके आभामंडल का ऐसा प्रभाव पड़ता है कि लोगबाग मन से खुशी की तालियां बजाने लगाते हैं जबकि खलनायक प्रवृत्ति के लोगों के लिए तालियां प्रायोजित करनी पड़ती है।

वनाग्नि का हो स्थायी समाधान

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

स्थानीय लोगों में समझदारी और उनका सहयोग भी जरूरी है। नहीं तो उनकी जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जाए। कुछ ऐसी पारिस्थितिकी परिस्थिति उत्पन्न की जाए कि आगजनी के मामले घटे।

बीते कई दिनों से संपूर्ण उत्तराखंड से लेकर जम्मू कश्मीर की यात्रा पर हूं। रास्ते भर सुंदर प्राकृतिक नजारे मिल रहे हैं, लेकिन उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों में जंगलों में आग लगने के दृश्य विचलित करने वाले हैं। दरअसल आग को लगातार धधकने के लिए ऑक्सीजन चाहिए और जंगलों में इसकी कोई कमी नहीं। तभी लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए जंगलों का रुख करते हैं।

उत्तराखंड के अधिकतर क्षेत्रों में चीड़ के पेड़ बहुत है और आग फैलाने में इनका बड़ा योगदान है। गर्मी का समय से पहले बढ़ जाना आग लगने का दूसरा प्रमुख कारण है। तीसरा कारण है ईंधन। जब जंगलों में पत्तियां सूखी हुई हों तो एक छोटी सी चिंगारी भी दूर-दूर तक फैलकर विकराल रूप धारण कर लेती हैं। आग लगाने से नई घास आती है इसलिए जंगलों में आग लगा दी जाती है ताकि चारे के लिए अच्छी घास मिले। जंगल के आसपास की आबादी में जब कूड़ा जलाया जाता है तो यह भी आग लगने का कारण बनता है। कैंप फायर भी वनाग्नि की बड़ी वजह है। निम्न हिमालय में पौधों की प्रजाति, आबादी और मानव गतिविधियों के कारण आग फैलना आसान हो जाता है।

एफआरआई की रिपोर्ट के अनुसार 90 प्रतिशत आग की घटनाएं मानव जनित हैं। बैसाखी के आसपास गेहूं की फसल कटाई के बाद जब अगली फसल बोने से पहले खेतों में आग लगाई जाती है तो यह आग भी जंगलों तक फैल जाती है। इस दौरान गर्मी भी शुरू हो जाती है और शुष्क हवा भी चलती है, जो आग को फैलाने में मददगार होती है। जलते जंगलों की पीड़ा नई बात नहीं है। पिछले लगभग तीस पैंतीस साल से हमारे जंगल धधक रहे हैं। हर साल यह बात उठती है मगर नीति निर्धारित होने तक लाखों हेक्टेयर जंगल जलकर भस्म हो जाते हैं। जल, जंगल और जमीन, यही धरोहर है इस पर्वतीय राज्य की। इसी के दम पर हम ग्रीन बोनस की उम्मीद करते हैं। आरक्षित वन क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उत्तराखंड का लगभग दो तिहाई हिस्सा जंगल ही है।

राज्य में वन व्यवस्था की शुरुआत कमिश्नर ट्रेल द्वारा 1823 में की गई थी, जिन्हें कुमाऊं में ब्रिटिश शासन का संस्थापक माना जाता है। 1826 में ट्रेल ने वन उत्पादों पर भी भू राजस्व की तरह शुल्क लगाने की वकालत करते हुए वनों की संपत्ति को राज्य संपत्ति घोषित कर वनों से लकड़ी आदि लाने पर टैक्स लगा दिया। इससे पूर्व 1824 में तराई के साल के जंगलों को पूर्णतः संरक्षित कर दिया। तत्कालीन कुमाऊं कमिश्नर सर हेनरी रैम्जे द्वारा जंगलों की ठेका प्रथा को बंद करवा दिया गया था। भारत में वन अधिनियम लागू होने से पहले ही सर रैमजे ने तराई-भावर में साल के वृक्षों से छेड़छाड़ को रोकने और उन्हें संरक्षित करने के उद्देश्य से सन् 1855 में ही कुमाऊं में इसे लागू कर दिया था। 1861 में वन व्यवस्था प्रारंभ हुई। 1865 में लागू हुए भारतीय वन अधिनियम के अनुसार सभी वन सरकार के अधिकार में आ गए और अंधाधुंध कटाई पर रोक लगी।

देहरादून में एक हफ्ते पहले हुई बारिश से थोड़ा राहत उस क्षेत्र में जरूर मिली, लेकिन ये स्थायी समाधान नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग एक ज्वलंत समस्या है। आज राहत देने वाले पहाड़ लगातार तप रहे हैं। जिन पहाड़ों में हम कुछ सालों पहले तक गर्मियों में प्राकृतिक ठंडी हवा का आनंद लेते थे, वहां आज पंखे, ए सी के बिना काम नहीं चल रहा है। मुनस्यारी जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में भी जाड़ों में बर्फबारी का न होना अच्छा संकेत नहीं है। मार्च के महीने में मुन्स्यारी यात्रा के दौरान वहां भी अपने कमरे से दूर पहाड़ी में वनाग्नि देखकर मन व्यथित हुआ था। तीन दिन तक लगातार जंगल को हुए जलते देखा। इसी तरह अल्मोड़ा में कोसी, गगास, राम गंगा, सुयाल जैसी नदियों के आसपास के जंगलों में सालों से आग लगने की घटनाएं देखी जा रही हैं। नदियों का जल स्तर तो लगातार कम हो ही रहा है,साथ में प्राकृतिक स्रोत भी सूख रहे हैं।

स्थानीय लोगों में समझदारी और उनका सहयोग भी जरूरी है। नहीं तो उनकी जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जाए। कुछ ऐसी पारिस्थितिकी परिस्थिति उत्पन्न की जाए कि आगजनी के मामले घटे। फायर वाचर की भूमिका महत्वपूर्ण है। आग लगने का एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि खेतों में होने वाले खरपतवार और घास को काटकर जलाया जाता है और अप्रैल के महीने में गर्मी के बढ़ने से जब तेज हवा चलती है तो यह चिंगारी फैलकर जंगलों में पहुंच जाती है। पहाड़ों में चीड़ के पेड़ बहुतायत में पाए जाते हैं और इनके पत्ते यानि पिरूल बहुत ही तेजी से आग पकड़ते हैं। जंगलों में आग लगने से पेड़-पौधे वनस्पति ही नहीं धधक रहे हैं, बल्कि करोड़ों रुपए का टिंबर का कारोबार भी खत्म हो गया है। आईआईटी रुड़की की रिपोर्ट ऐसा कहती है कि कई पशु-पक्षियों ने जंगल छोड़ दिया है। अपनी उत्तराखंड यात्रा के दौरान मैंने जंगलों में फलों के पेड़ में बहुत कम फल देखे। नतीजतन यहां रहने वाले बंदर और दूसरे पशु शहरों की तरफ, मंदिरों, दुकानों और घरों के आसपास अधिक दिखाई दिए। पेट की आग तो उन्हें भी बुझानी है। जंगल में कुछ नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक तौर पर शहर की ओर आएंगे। गुलदार और तेंदुओं का आतंक लगातार बढ़ रहा है।

गर्मी के मौसम में सूखा पिरूल आग भड़काने का काम करता है। इसे गर्मी का मौसम शुरु होने से पहले ही हटाने की आवश्यकता है जबकि हमारी व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी यह है कि योजना जंगलों के जलने के बाद बनती है। जगह-जगह उग आए चीड़ के बेहिसाब वृक्ष कई बार घाटे का सौदा साबित होते हैं। इसलिए चीड़ के जंगलों का फैलाव कम कर बांज, ओक जैसी अन्य वनस्पतियों का रोपण किया जाना आवश्यक है, जो नमी को सोखने और रोकने में मददगार हों। सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात की है कि समाधान हमें पूर्व में ही सोच कर रखना होगा। यह नहीं कि आग लगने पर पानी लेकर दौड़ें।

प्रथम कर्तव्य देशहित

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

कोहम-मैं कौन हूं-मेरा स्वकर्तव्य क्या है, यह हर व्यक्ति को गंभीरता पूर्वक आज निश्चित करने की आवश्यकता है,एक व्यक्ति एक साथ बहुत कुछ होता है। किसी का भाई,किसी का बेटा,किसी का पिता। उसका कुछ वर्ण हो सकता है,संप्रदाय हो सकता है आदि आदि पर उसकी मूल पहचान क्या है जिसमे सब कुछ समाहित हो जाए। स्वकर्तव्य निश्चित करने के लिए हम क्या करें? किसी ब्रह्मज्ञानी की तलाश करें और जब संतुष्टि हो जाए की यह ब्रह्मज्ञानी है तो उसका अनुसरण करे या उसके सुझाए राह पर चलें? इस प्रश्न के समाधान में आचार्य विनोबा भावे ने एक स्थल पर कहा है। कोहम के उत्तर पर स्वकर्तव्य निश्चित होता है।

लक्ष्मण ने अपने से यही प्रश्न पूछा-कोहम। उसके अंतर्मन ने उत्तर दिया-राम बंधु हम-मैं राम का भाई हूं। रामानुज। लक्ष्मण दशरथ का पुत्र था, उर्मिला का पति था और अनेक का अनेक था,लेकिन उसका अन्तस्थ उत्तर इतना ही था की मैं राम का भाई पहले हूं। दशरथनंदन, सुमित्रानंदन बाद में। सबसे मान लीजिए उसका उत्तर -मैं दशरथ का पुत्र हूं होता और वह राम के साथ वन न गया होता और दशरथ की अनन्य भाव से सेवा करता रहता अथवा राज्य कारोबार में भारत की मदद करता,तो रामायण अलग तरह से लिखी गई होती! लक्ष्मण का मूल्य कुछ दूसरा ही आंका जाता,परंतु उसका आचरण गलत ठहरता ऐसा कौन कह सकता है? लक्ष्मण की अंतरात्मा ने उसका कर्तव्य निश्चित किया। आज के संदर्भ में क्या यह आवश्यक नहीं है कि हम लक्ष्मण की भांति यह दृढ़ निश्चय करें की पहले हम क्या है-यह निश्चित करें की-मैं कौन हूं? लक्ष्मण की प्राथमिकता-राम बंधुहम-राम का भाई होना था। हमारी प्राथमिकता क्या है। अथर्ववेद में मंत्रदृष्टा ऋषि ने कोहम का उत्तर देते हुए समस्त मानव मात्र की प्राथमिक पहचान बताई-माता भूमिः पुत्रोहम पृथिव्याः -पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। सबसे पहले हम पृथ्वी के, धरती के, वसुंधरा के पुत्र हैं उसके बाद कुछ और। हमारा देश हमारी पृथ्वी है, हमारा प्रथम कर्तव्य देशहित के साथ जुड़ा हुआ है।

पालन-पोषण और शिक्षा का दायित्व

डॉ सुधांशु के. मिश्रा
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

सैम पित्रोदा ने कहा कि किसी के मरने के बाद उसकी आधी संपत्ति सरकार की होगी और आधी बाल-बच्चों व अन्य उत्तराधिकारियों की होगी। इस पर काफी हंगामा है। मैं तो कहूंगा कि मृतक की शत-प्रतिशत चल और अचल पूंजी/संपत्ति सरकार की होनी चाहिए। उत्तराधिकारी की बात ही बेमानी है। बिल लिखने की प्रथा भी बंद होनी चाहिए। यह ट्रस्टीशिप की धारणा का समुचित अर्थ होगा। इससे राजनीति क्लीन हो जाएगी, स्कैम खत्म होंगे,लूट खत्म होगी,घूसखोरी खत्म होगी। लोग खुलकर खर्च करेंगे,बच्चों को काबिल बनाने पर खर्च करेंगे, समाज और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में खर्च करेंगे। जब सरकार ही ले लेगी तो जीते जिंदगी स्कूल, कॉलेज, धर्मशाला, लाइब्रेरी, पार्क क्यों न बनवा दें,स्कॉलरशिप क्यों न दे दें,यतीमखाने में क्यों न दे दें,तालाब क्यों न खुदवा दें,इत्यादि। आज की राजनीति में परिवारवाद आलोचना का विषय है,लेकिन सोचिए कि उत्तराधिकार का प्रचलन और इसकी कानूनी मान्यता आर्थिक परिवारवाद की नींव है कि नहीं। आर्थिक परिवारवाद शैक्षणिक,सामाजिक और राजनीतिक परिवारवाद का आधार स्तंभ हो सकता है। मैं तो सोशिओलॉजिकल और बायोलॉजिकल परिवारवाद का भी विरोध करूंगा। बच्चे समाज के बच्चे हों। उनके पालन-पोषण और शिक्षा का दायित्व समाज का हो। आज एक अमीर मां-बाप का औसत बुद्धि वाला बच्चा दून स्कूल में पढ़ रहा है,वहीं एक गरीब मां-बाप का जहीन बच्चा खिचड़ी-स्कूल में बैठा फटी आस्तीन में बहती नाक पोंछ रहा है। क्या यह परिवारवाद नहीं है? बच्चों का प्रजनन भी सीमेन बैंक और आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन से हो। मां के दूध तक के लिए ह्यूमन मिल्क बूथ हो। यह आदमी और समाज को एक नया ढांचा देगा। आगे,अगर भगवान ने चाहा तो बच्चे फैक्ट्री में बनेंगे और मॉल में मिलेंगे। मनचाहा बच्चा खरीदिए,जब तक दिल चाहे रखिए और जब चाहिए सेकंड हैंड मार्केट में बेच लीजिए। या फिर स्टॉक मार्केट की तरह बच्चों का मार्केट विकसित कीजिए। अनंत संभावनाएं हैं। सोचिए।

दुर्लभ और शक्तिशाली है मनुष्यता

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

इस तथ्य को मनुष्यता की दृष्टि से ही समझना होगा,बातों से नहीं उस आदमी के व्यवहार से,वह व्यवहार जो कहीं न कहीं,शिमला के इतिहास में दबा हुआ है। वह अस्पताल,जो उसने ईश्वर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बनवाया था। वह बहुत बीमार हो गया था, बचने की आशा नहीं थी उसकी कहानी कह रहा है। यह आदमी था, एलेन आक्टेवियन ह्यूम।

मनुष्यता दुर्लभ है। मनुष्यता बहुत शक्तिशाली है। उसे किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता। न जाति की सीमा में न देश की सीमा में। वह मनुष्यता ही तो थी जिसके कारण एक स्काटिश आईसीएस के मन में भारत और भारतवासियों के प्रति करुणा का भाव पैदा हो गया था,जो काम बंगाल में सुरेन्द्र नाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस इंडियन एसोसियेशन के माध्यम से करना चाहते थे,किंतु नहीं कर पा रहे थे,जो काम बंगाल में ब्रिटिश इंडियन एसोसियेशन और इंडियन लीग करना चाहती थीं,किंतु नहीं कर पा रही थीं,वही काम उस अंग्रेज ने आगे बढ़ा दिया और वह भी तत्कालीन वायसराय की सहमति से।

इस तथ्य को मनुष्यता की दृष्टि से ही समझना होगा,बातों से नहीं उस आदमी के व्यवहार से,वह व्यवहार जो कहीं न कहीं,शिमला के इतिहास में दबा हुआ है। वह अस्पताल,जो उसने ईश्वर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बनवाया था। वह बहुत बीमार हो गया था, बचने की आशा नहीं थी उसकी कहानी कह रहा है। यह आदमी था, एलेन आक्टेवियन ह्यूम। एलेन आक्टेवियन ह्यूम ने पूरे देश में घूमकर कुछ ऐसे शिक्षित लोगों को एकत्र किया जिनके मन में देश के लिए कुछ कर पाने का जज्बा था,जैसे दादाभाई नौरोजी। उसने इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना की। जब 18 मार्च 1894 को वह यहां से विदा हुआ,तब उसने कहा था "मैं अपनी असफलता महसूस करता हूं कि मैं केवल बीज ही बो सका हूं,फसल नहीं दे सका। किंतु मैं निराश नहीं हूं,जिस धरती से मैंने प्यार किया है,एक दिन वह विजयी होगी। लोग मुझे याद करना चाहेंगे तो याद कर लेंगे कि वह आदमी भारत के लिए निरंतर श्रम करता रहा,हो सकता है कि उसने कोई गलती भी की हो,किंतु वह भारत को प्यार करता था!" मनुष्यः कुरुते तत्तु यन्न शक्यं सुरासुरैः। (मुद्रा राक्षस) मनुष्य जो कर सकता है,वह न देवता के वश की बात है और न असुर ही वह कर सकता है। मनुष्य सृजन भी करता है,किंतु विनाश भी वही करता है। देवता भी उसी में है तो दानव भी उसी में है। मनुष्य की ऐसी पहचान किसने की?

महामति चाणक्य ने! /ई.पू चौथी शती। वही प्रचंड विद्रोही। नंद के साम्राज्य को ध्वस्त करके एक नई राष्ट्रीयता का प्रतिपादक। राष्ट्र का जनक। भारत की राजनैतिक एकता का स्वप्नद्रष्टा और उस स्वप्न को धरती पर साकार करने वालाः जीवन के यथार्थ को इतने स्पष्ट शब्दों में प्रकट कर देने वाला चिंतक। महान मेधावी चाणक्य,वही चाणक्य जिसने सिकंदर के आक्रमण को छोटे-छोटे स्वार्थों से ऊपर उठकर देखा था। सिकंदर के आक्रमण को उसने किसी जनपद,किसी राज्य, किसी जाति,किसी संप्रदाय,किसी वर्ण के संकट की नजर से नहीं देखा,राष्ट्र के संकट के रूप में देखा था और मौर्यसाम्राज्य स्थापित किया था।

वही चाणक्य जिसने प्रयोजनवाद की प्रतिष्ठा करते हुए कहा था कि नप्रयोजनमन्तरा मनुष्यः स्वप्नेऽपि विचेष्टते। प्रयोजन के बिना,मनुष्य स्वप्न में भी चेष्टा नहीं करता। वही चाणक्य जिसने अपने अर्थशास्त्र ग्रंथ में लिखा था कि सर्वज्ञता लोकज्ञता। शास्त्रज्ञः अप्यलोकज्ञः भवेन्मूर्ख तुल्यः। 542-543 शास्त्र को जानता है,किंतु लोक को नहीं जानता तो मूर्ख तुल्य ही है। लोक के संबंध में इतनी बड़ी बात चाणक्य ने क्या यों ही कह दी थी? बड़े साफ-साफ शब्दों में निर्भय होकर अपनी बात कही,बोला-धर्मस्य मूलं अर्थः,अर्थस्य मूलं राज्यः। धर्म का मूल अर्थ है और अर्थ का मूल राज्य है। उसने योगसाधना और यज्ञ यागादि अनुष्ठान (धर्म के उपलक्षण) को धर्म का मूल नहीं बतलाया।

जीएसटी की वसूली

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

भारत देश में सामान्यता दो प्रकार से करों की वसूली की जाती है। एक प्रत्यक्ष कर लगाकर। दूसरा अप्रत्यक्ष कर लगाकर। जीएसटी एक अप्रत्यक्ष कर प्रणाली है जिसमें एक जन सामान्य,एक उपभोक्ता के रूप में सुबह से शाम तक खरीदे गए प्रत्येक सामान पर कर का भुगतान करता है और उसे पता ही नहीं चलता कि कर के रूप में एक मोटी राशि सरकार द्वारा उससे वसूली जा रही है।

अप्रैल के महीने में भारत सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से भारत के नागरिकों से 1.92 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई है। यह जीएसटी व्यवस्था के तहत अब तक का सबसे अधिक कर संग्रह है। हमें समझना चाहिए कि करों की वसूली से समृद्धि नहीं आती,अगर करों से समृद्धि आती तो दुनिया में कोई गरीब देश नहीं होता।

जीएसटी का सबसे ज्यादा बोझ गरीब और मध्यम वर्ग पर ही पड़ता है। यह स्थापित हो चुका है कि गरीब और मध्यम वर्ग द्वारा एकत्र किए गए जीएसटी का लगभग 90 प्रतिशत भुगतान किया जाता है,क्योंकि अंत में उपभोक्ता ही इसका भुगतान करता है। उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए जाने के बाद श्रृंखला में शामिल सभी व्यापारियों को एक-एक करके रिफंड मिलता है।

उदाहरण के लिए,यदि कोई उत्पाद 100 +12 प्रतिशत जीएसटी पर अपनी यात्रा शुरू करता है और 500+12 प्रतिशत जीएसटी पर समाप्त होता है तो सभी बिचौलियों को उत्पाद के ऊपर बिकने पर उनका रिफंड मिलता है। अंत में सरकार को उत्पाद पर 60 रुपये मिलते हैं,जबकि स्रोत पर इसकी शुरुआत 12 रुपये से होती है, क्योंकि समस्त जीएसटी का खर्च अंत में उपभोक्ता ही वहन करता है, इसलिए इस कर संग्रह के आंकड़े का जश्न मत मनाइए,बल्कि इस बात पर दुखी होइए कि सरकार ने आपसे इतना कुछ वसूला है।

फिलहाल जीएसटी की वसूली को लेकर बीते दिनों आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला कुछ राहत देने वाला हो सकता है जिसमें कहा गया है कि सभी कर वसूली मामलों में जेल नहीं भेजा जा सकता,क्योंकि लोगों और कारोबारियों द्वारा संबद्ध अधिकारियों पर जीएसटी की वसूली को लेकर उत्पीड़न के आरोप लगाए जा रहे थे। देश की सरकार कब तक मूक रहेगी। एक तरफ महंगाई और बेरोजगारी की मार और दूसरी ओर जीएसटी रूपी करों की मोटी वसूली की मार आखिर जनता कब तक सहेगी और कब जनता को इससे राहत मिलेगी,यह एक यक्ष प्रश्न है।

इलेक्शन बायस्कोप

भाजपा से लखनऊ संसदीय सीट पर उम्मीदवार राजनाथ सिंह को ईसाई अल्पसंख्यक मोर्चा ने भी अपना समर्थन दिया है रक्षामंत्री के पक्ष में मतदान करने के लिए अपने समुदाय के लोगों को प्रेरित करते, मोर्चा के पदाधिकारी। -अमृत विचार

युवाओं के साथ छलावा कर रही भाजपा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश व देश के युवाओं के साथ छलावा कर रही है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश प्रवक्ता सचिन रावत, उप्र युवा कांग्रेस मध्य जोन के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान व प्रदेश महासचिव आर्यन मिश्रा ने संयुक्त तौर पर कहा कि कोई नया निवेश नहीं हो रहा है इसलिए नये रोजगार सृजित नहीं हो रहे हैं। पार्टी नेता शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। नेताओं ने कहा कि अभी हाल ही में इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट आई है जिसमें पता चला कि देश में जो बेरोजगार हैं उसमें से 83 प्रतिशत युवा हैं। यह उस देश की स्थिति है जहां पर 18 से 35 वर्ष के बीच की 60 प्रतिशत की आबादी युवाओं की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जुलाई 2017 में दरोगा भर्ती समेत विभिन्न भर्तियों के लिए परीक्षाएं हुईं, पर पर्चा लीक होने से युवाओं का भविष्य पर संकट आ गया।

रिश्ते-नातों के भरोसे बाहुबलियों की राजनीति

लोकसभा चुनाव में फिलहाल एक भी बाहुबली स्वयं मैदान में नहीं

बृजभूषण पुत्र को तो धनंजय पत्नी को लड़ा रहे चुनाव

हाईकोर्ट के फैसले पर टिका अफजाल अंसारी का भविष्य

राज्य ब्यूरो, अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में बाहुबलियों का चुनाव लड़कर सत्ता में भागीदार बनने के सिलसिले का लगभग अंत हो चला है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बाहुबलियों की राजनीति अब रिश्ते-नातों के भरोसे रह गई है। कोई अपने पुत्र-पुत्री को लड़ा रहा है तो कोई पत्नी को। गाजियाबाद से गाजीपुर तक इसबार एक भी बाहुबली चुनाव मैदान में नहीं है। जिस प्रदेश में बाहुबलियों के भरोसे चुनाव जीते जाते थे, वहां फिलहाल एक भी बाहुबली स्वयं चुनाव नहीं।

यह पहला चुनाव है जिसमें एक भी बाहुबली सीधे तौर पर लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रहा है। टिकट न मिलने की परिस्थिति जो भी हो, लेकिन यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत जरूर हैं। जब टिकट नहीं मिला तो बाहुबलियों के रिश्ते-नातों में टिकट दिया गया। संभवतः यहां पार्टियों को जीत की गारंटी दिख रही थी। कानून के लगातार शिकंजा कसने का असर यह हुआ कि धनंजय सिंह स्वयं चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपनी पत्नी श्रीकला सिंह को टिकट दिलवा दिया। वहीं बृजभूषण सिंह का भारी विरोध हो रहा था, ऐसी स्थित में भाजपा द्वारा उनको टिकट देना संभव नहीं था। इसलिए उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दिया गया। बृजभूषण के बड़े बेटे प्रतीक भूषण भी विधायक हैं। अभी तक प्रतीक भूषण को ही बृजभूषण सिंह का राजनैतिक उत्तराधिकारी माना जा रहा था। बृजभूषण सिंह को टिकट न मिलना इनके राजनैतिक विराम के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि राजनीति में कुछ भी संभव है। वहीं अफजाल अंसारी के भविष्य का फैसला 13 मई को हाईकोर्ट में होना है। तीन मई को हाईकोर्ट में उनके भाग्य का फैसला होना था, लेकिन हाईकोर्ट ने तिथि आगे बढ़ाकर 13 मई कर दी। फिलहाल सजा का अंदेशा होने के कारण उन्होंने अपनी बेटी नुसरत अंसारी को मैदान में उतार दिया है। वह अपने पक्ष में प्रचार भी कर रही हैं। उसी तरह सक्रिय हैं जैसे एक प्रत्याशी सक्रिय होता है। बताया जा रहा है कि अगर 13 मई को अफजाल की सजा में अफजाल के अनुरूप कोई संसोधन होता है तो अफजाल ही चुनाव लड़ेंगे अथवा उन्होंने विकल्प के रूप में बेटी को उतार दिया है। अफजाल के चुनाव न लड़ने से एक और बाहुबली चुनाव लड़ने से दूर हो जाएगा। इंडी गठबंधन भी हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहा है। अगले ही दिन यानी 14 मई से गाजीपुर संसदीय सीट के लिए नामांकन शुरू हो जाएगा। ऐसी स्थित में 13 मई के फैसले पर सभी पार्टियों कीनजरहै।

● **अफजाल ने बेटी नुसरत को भी मैदान में उतारा है**

अपनी ढपली अपना राग

कांग्रेस का फ़ैसला किसी हिस्ट्री से कम नहीं है कि गांधी परिवार ने अमेठी के अपने तथाकथित गढ़ को छोड़ दिया है, यह पहली बार नहीं है। - स्मृति इरानी

यह चुनावी लड़ाई मंदिर बनाने और कारसेवकों पर गोली चलाने वालों के बीच है। कांग्रेस के शासन में आतंकियों को बिरयानी खिलायी जाती थी, आज मुंह तोड़ जवाब दिया जाता है। - ब्रजेश पाठक

राहुल भारत के मूल सिद्धांत समझना नहीं चाहते। वे जातिगत गणना कराना चाहते हैं। जबकि बहुत से लोग अपनी जाति बताना नहीं चाहते। - जयंत चौधरी

भाजपा के लोग विपक्ष को दबा रहे हैं। इनके मंत्री विधायक जमीनों पर कब्जा रहे हैं। सरकारी संस्थानों को प्राइवेट हाथों में बेचा जा रहा है। -नरेशउत्तमपटेल

मुस्लिम, यादव और ब्राह्मण के नाम पर सपा-बसपा करेंगी संग्राम

15 दिनों में माहौल बदलने की बिसात बिछा रहीं दोनों पार्टियां

पिता से राजनीतिक ककहरा सीख मैदान में उतरे करण

अरुण कुमार मिश्र, गोंडा

अमृत विचार: कैसरगंज लोकसभा की जमीन के जर्रे-जर्रे पर नींव खड़ी कर चुके सांसद बृजभूषण शरण सिंह ही धमक पर भाजपा की बांछें खिली हुई हैं, जबकि कैसरगंज की जमीन से दूर रहे नेताओं पर सपा व बसपा ने अपना उम्मीदवार उतार दिया है। उन्हें बृजभूषण शरण सिंह की तैयार 15 साल के मैदान पर ही बैटिंग करनी है वह भी 15 दिनों में। बृजभूषण की सजाई फील्डिंग पर ही पुत्र भी बैटिंग को उतर चुका है, जबकि सपा मुस्लिम, यादव व ब्राह्मण फैक्टर पर भगतराम को मैदान में उतारा है, और बसपा को कैडर वोट के वापस आने तथा ब्राह्मण वोटरों का सहारा है।

शुक्रवार को नामांकन का अंतिम दिन था। भाजपा से बृजभूषण शरण सिंह के पुत्र करण भूषण शरण सिंह को पार्टी ने मैदान में उतारा है। अपने पिता से राजनीतिक ककहरा सीख कर मैदान में उतरे करन को अपने पिता की सजाई फील्ड पर ही बैटिंग करनी है और उनके 15 साल की तैयार जमीन पर ही जीत का पौध लगाना है। कैसरगंज में तरबगंज विधानसभा उनकी अपनी विधानसभा है और यहां से भाजपा के विधायक प्रेम नरायन पांडेय नामांकन के दौरान उपस्थित रहे। दूसरी विधानसभा करनैलगंज है। यहां के विधायक अजय कुमार सिंह भी बृजभूषण शरण सिंह के करीबी हैं। कटरा बाजार विधानसभा में भाजपा के विधायक बावन सिंह भी बृजभूषण व उनके बेटे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मैदान में डटे हैं। तीसरी विधानसभा कैसरगंज है। वहां भाजपा का विधायक तो नहीं है लेकिन वहां बृजभूषण सिंह की अपनी साख है। पयागपुर में भाजपा के विधायक सुभाष त्रिपाठी हैं और वह भी बृजभूषण के करीबी हैं। ऐसे में कैसरगंज के पांच विधानसभा क्षेत्रों में चार पर भाजपा के सिटिंग एमएलए हैं और पूरी शिद्दत के साथ पार्टी उम्मीदवार के साथ डटे हैं। मुख्यमंत्री ने भी भाजपा के सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में जीत दिलाने की हामी भरवा चुके हैं। ऐसे में भाजपा के नवधा खिलाड़ी को राजनीति की डोर थमाने के लिए तेज तर्रार प्रशिक्षक की भूमिका में विधायक लगे हैं।

करण भूषण सिंह

भगत राम मिश्र

नरेंद्र पाण्डे

जातीय समीकरण का आंकड़ा

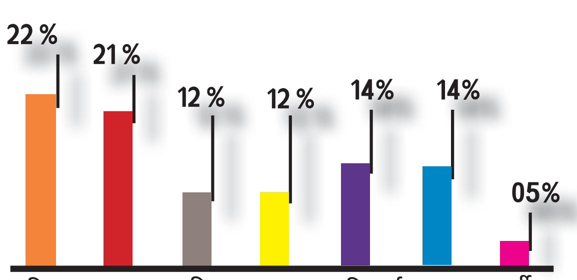

उधर समाजवादी पार्टी ने राजनीति के माहिर खिलाड़ी भगतराम मिश्र को मैदान में उतारा है। भगतराम मिश्र लोकसभा व विधानसभा का चुनाव पहले ही अलग-अलग सीट से लड़ चुके हैं। बहराइच लोकसभा से 2004 में चुनाव बसपा से लड़े थे। 2007 में भिनगा विधानसभा का चुनाव लड़े तथा 2017 में कांग्रेस के टिकट पर पयागपुर से चुनाव लड़ चुके हैं। जीत तो उन्हें नहीं मिली परंतु राजनीति के उतार चढ़ाव की जानकारी अवश्य है। मुस्लिम व यादव मतदाता के साथ उन्हें ब्राह्मण मतदाताओं का बैकअप तैयार करने के लिए तरबगंज से राम भजन चौबे, करनैलगंज से पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह, कटरा बाजार से पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे, मुस्लिम नेता मसूद आलम, पयागपुर से पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव का साथ मिला है। कैसरगंज में सपा विधायक आनंद यादव का बल भी प्राप्त है। वहीं बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र सिंह का पैतृक घर पयागपुर में है। वह बसपा के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद के करीबी हैं और पुराने कैडर मतों के साथ ब्राह्मण वोटों पर भरोसा है। कैसरगंज लोकसभा के पांचों विधानसभा में केवल एक बार करनैलगंज में बसपा का विधायक रहा। भाजपा के साथ सपा व बसपा के उम्मीदवारों को मात्र 15 दिनों में सीट फतह करनी है। इसमें किसी की फील्ड सजी है तो किसी को सजाना है।

भाजपा के चार विधायकों व बृजभूषण की भी परीक्षा

भाजपा करनभूषण शरण सिंह को लेकर आश्वस्त है और राम तथा विकास के नाम के साथ मोदी व योगी की छवि पर वोट मिलने की उम्मीद जता रही है लेकिन कैसरगंज की सीट उतनी आसान नहीं है जितनी समझी जा रही है। जाति के फैक्टर के साथ जातियों व धर्म रुझान भी बहुत कुछ मायने रखते हैं। कैसरगंज में पांच विधानसभा क्षेत्र है जिसमें चार पर भाजपा का ही कब्जा है। इन चारों विधायकों की भी अग्नि परीक्षा है साथ में 15 साल तक कैसरगंज की नुमाइंदगी कर चुके बृजभूषण शरण सिंह की पैठ व उनके कद की भी परीक्षा होनी है।

कैसरगंज से तीनों प्रत्याशी पहली बार मैदान में

पहली बार है जब कैसरगंज सीट से लड़ने वाले तीनों दलीय उम्मीदवार पहली बार मैदान में उतरे हैं। कैसरगंज सीट पर भाजपा से करनभूषण पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। सपा से भगत राम बहराइच सीट से एक बार चुनाव जरूर लड़ चुके हैं लेकिन कैसरगंज के लिए उनका चेहरा भी पहली बार सामने आया है। इसी तरह नरेंद्र पांडेय बसपा से मैदान में हैं लेकिन वह भी पहली बार ही चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में तीनों के पास खोने के लिए कुछ नहीं है सिर्फ पाने की जद्दोजहद करनी है। अंतर सिर्फ इतना है कि करन भूषण के पिता की प्रतिष्ठा कैसरगंज से जुड़ी है।

चुनावी चक्कर

● **डीएम साहब ! भूसा रख लो, चुनाव लड़ने दो :**

बोरी में चिल्लर पैसे भरकर बैंक में जमा करने या कार खरीदने शो-रूम पहुंचने की खबरें तो आती रहती हैं। लेकिन इस बार चुनाव के दौरान कुछ ऐसा दिलचस्प मामला सामने आया है। बलिया में एक प्रत्याशी जिलाधिकारी कार्यालय में भूसा लेकर पहुंच गया। वहां, उसने कहा कि उसके पास नामांकन के दौरान जमानत राशि जमा करने के लिए रुपए नहीं है, ऐसे में वह भूसा और अनाज बेचकर चुनाव लड़ना चाहता है। इस बीच इस शख्स को देखने के लिए तमाशबीनों की भीड़ जुट गई। जब उसने डीएम रविन्द्र कुमार को पत्र देकर भूसा और अनाज बेचकर चुनाव लड़ने की बात कही तो वह भी अपनी हंसी न रोक सके। अब यह भी जान लीजिए आखिर यह शख्स है कौन? इनका नाम है नवीन कुमार राय जो बलिया के पटखौली के रहने वाले हैं और काफी समय से सड़क पर टहलने वाले आवारा पशुओं की सेवा करते हैं। सड़क पर घायल पशु दिखाई देते हैं तो तत्काल उनका इलाज करते हैं। उनका कहना है कि इन बेजुबानों की सेवा बहुत जरूरी है क्योंकि ज्यादातर लोग पशुओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसीलिए वह सांसद बनकर पशुओं के लिए भी बनने वाली नीतियों में शामिल होना चाहते हैं। इससे पहले जब नवीन कुमार बलिया डीएम के ऑफिस जा रहे थे तो राहगीरों ने देखा कि उनके सिर पर एक बोरी रखी थी, जिसमें भूसा और अनाज रखा हुआ था। भूसा और अनाज लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचने की जब नवीन ने वजह बतायी कि तो वहां मौजूद डीएम समेत सभी हंसने लगे। नवीन कुमार ने बताया कि नामांकन करने और सिक्योरिटी मनी जमा करने के लिए उनके पास रुपए नहीं है। ऐसे में वह अपना अनाज और भूसा बेचना चाहते हैं। बेचकर जो रुपए उन्हें मिलेंगे उनसे वे चुनाव लड़ेंगे। बहरहाल, डीएम रविन्द्र कुमार ने नवीन की भावनाओं की कद्र करते हुए उसे सलाह दी कि वह भूसा गोवंश आश्रय केंद्र में दान कर दे और अनाज के सदुपयोग पर भी विचार करे।

देवरिया में भाजपा और इंडी गठबंधन आमने-सामने, बसपा ने नहीं खोले पत्ते

मौजूदा सांसद का टिकट काट कर भाजपा ने शशांक मणि को बनाया प्रत्याशी

इंडी गठबंधन के अखिलेश सिंह हैं मैदान में, बसपा ने नहीं घोषित किया प्रत्याशी

चुनाव डेस्क, लखनऊ

अमृत विचार : देवरिया जिले में भी लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। बिहार राज्य से सटा यह जिला प्रदेश महत्वपूर्ण जिलों में गिना जाता है, इस सीट से राज्य के कई कद्दावर नेता चुनाव लड़ चुके हैं. देवरिया जिले को मार्च 1946 को गोरखपुर से अलग कर बनाया गया था।

देवरिया संसदीय सीट को 2 जिलों की सीट को मिलाकर बनाया गया। सवर्ण बाहुल्य इस सीट पर अब तक हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी सबसे ज्यादा 6 बार और भाजपा 4 बार चुनाव जीत चुकी है। इस सीट से सपा और बसपा ने भी जीत हासिल की। 2019 के लोकसभा चुनाव में देवरिया संसदीय सीट से रमापति राम त्रिपाठी को जीत मिली थी। भाजपा का यहां पर पिछले 10 साल से कब्जा बना हुआ है। देवरिया से भाजपा ने रमापति राम त्रिपाठी का टिकट काटकर शशांक मणि त्रिपाठी को चुनाव मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला इंडी गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह से है। कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह कांग्रेस के प्रवक्ता और दिग्गज नेताओं में गिने जाते हैं। इस सीट पर शशांक जहां पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए आ रहे हैं। तो वहीं अखिलेश का जनाधार भी काफी मजबूत है। वहीं बसपा ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं जिससे यहां का समीकरण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। फिलहाल सवर्ण बाहुल्य सीट होने के नाते यहां गठबंधन और भाजपा प्रत्याशी के बीच सीधा मुकाबला होता दिख रहा है।

शशांक मणि त्रिपाठी।

अखिलेश सिंह।

2019 के चुनाव में भाजपा ने रमापति राम त्रिपाठी को मैदान में उतारा और उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के विनोद कुमार जयसवाल को हराया। रमापति राम त्रिपाठी को 580,644 वोट मिले तो विनोद कुमार जयसवाल के खाते में 3,30,713 वोट आए। रमापति ने 2,49,931 मतों के अंतर से यह चुनाव जीत लिया। इससे पहले 2014 के चुनाव में भी भाजपा को जीत मिली थी, भाजपा के टिकट पर कलराज मिश्रा ने बसपा के नियाज अहमद को 2,65,386 मतों के अंतर से हराया था, कलराज मिश्रा को चुनाव में 4,96,500 वोट मिले थे।वर्ष 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में बसपा उम्मीदवार गोरखप्रसाद जयसवाल ने 2,19,889 वोट पाकर जीत हासिल की थी। दूसरे स्थान पर भाजपा के उम्मीदवार श्री प्रकाशमणि त्रिपाठी रहे थे, जिन्हें 1,78,110 मतदाताओं का साथ मिल सका था।

1984 में आखिरी बार जीती थी कांग्रेस

ये सीट आजादी के बाद से 1984 तक सोशलिस्ट और कांग्रेस का गढ़ बनी रही। कांग्रेस ने यहां 1951 में जीत के साथ शुरुआत की। लेकिन 1990 में राम मंदिर आंदोलन के बाद यहां मंडल और कमंडल की राजनीति ने जोर पकड़ लिया। कांग्रेस धीरे-धीरे हाशिए पर चली गई और मुकाबाल सपा-बसपा और भाजपा के बीच सिमट गया। कांग्रेस आखिरी बार 1984 में यहां से जीती थी, उस समय दिग्गज नेता राज मंगल पांडेय यहां जीते और केंद्रीय मंत्री बने थे।

जातीय समीकरण

जातिगत समीकरण की बात करें, तो ये सीट सवर्ण बाहुल्य सीट मानी जाती है। इसमें सर्वाधिक संख्या में ब्राह्मण 27 प्रतिशत हैं, अनुसूचित जाति के लोग 14 प्रतिशत, अल्पसंख्यक 12 , यादव 8 , वैश्य 8 , सैंथवार 6 , कुर्मी 5 , क्षत्रिय 5, कायस्थ 4 , राजभर 4 , निषाद 3 प्रतिशत हैं वहींअन्य 4 प्रतिशत मतदाता हैं।

पांचों विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा

देवरिया लोकसभा सीट के तहत आने वाली पांचों विधानसभा क्षेत्रों पर फिलहाल भाजपा का कब्जा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में पथरदेवा सीट पर सूर्य प्रताप शाही (उप्र. सरकार में कृषि मंत्री), देवरिया सदर सीट पर शलभ मणि त्रिपाठी, रामपुर कारखाना सीट पर सुरेंद्र चौरसिया, तमुकुहीराज सीट पर आसिम कुमार और फाजिलनगर सीट पर सुरेंद्र कुशवाहा ने जीत हासिल की।

सपा नेताओं को था पूरा भरोसा

समाजवादी पार्टी ने देवरिया लोकसभा सीट पर लगभग एक साल पहले ही तीन लोगों को प्रभारी बनाया था, जिसमें पूर्व मंत्री और किसान नेता राधेश्याम सिंह, पूर्व सांसद स्व. मोहन सिंह की बेटी और पूर्व राज्यसभा सांसद कनकलता सिंह और नौकरशाह से नेता बने अशोक सिंह कुशवाहा शामिल थे। तीनों प्रभारियों ने काफी जोर-जोर से अपना प्रचार भी शुरू कर दिया था। कार्यकर्ताओं को पक्का भरोसा था कि गठबंधन चाहे किसी भी पार्टी से हो, इस बार समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार ही यहां से चुनाव लड़ेगा लेकिन कांग्रेस से गठबंधन के बाद सीट शेयरिंग के फार्मूले ने यहां के सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को मायूस कर दिया है।यह सीट कांग्रेस के खाते में आ गई।

2019 में किसको कितने वोट

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	रमापति राम त्रिपाठी	5,80,644
बसपा	विनोद कुमार जयसवाल	3,30,713
कांग्रेस	नियाज अहमद खान	51,056

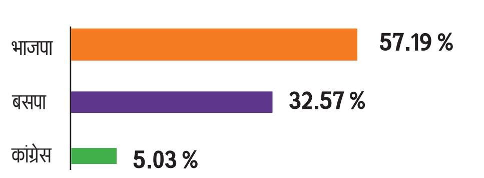

2014 चुनाव के आंकड़े

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	कलराज मिश्र	4,96,500
बसपा	नियाज अहमद	2,31,114
सपा	बालेश्वर यादव	1,50,852
कांग्रेस	सभा कुँवर	37,752

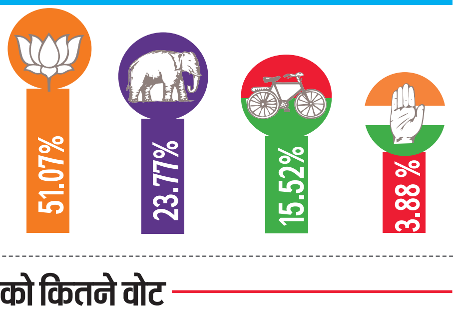

2009 में किसको कितने वोट

दल	उम्मीदवार	वोट
बसपा	गोरख प्रसाद जयसवाल	2,19,889
भाजपा	प्रकाश मणि त्रिपाठी	1,78,110
सपा	मोहन सिंह	1,51,389
कांग्रेस	बालेश्वर यादव	91,488

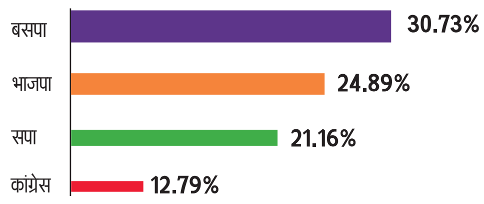

2024 - मतदाताओं की संख्या

कुल मतदाता	- 18,62,393
पुरुष	- 9,85,102
महिला	- 8,77,183
अन्य	- 108

2014 नोटा 12,405

2019 नोटा 13,421

निर्वाचित सांसद

वर्ष	सदस्य	दल
1951	विश्वनाथ राय/सरजू प्रसाद मिश्र	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1957	राम जी वर्मा	प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
1962,67 व 71	विश्वनाथ राय	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1977	उग्रसेन सिंह	जनता पार्टी
1980	रामायण राय	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1984	राजमंगल पांडे	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1989	राजमंगल पांडे	जनता दल
1991	मोहन सिंह	जनता दल
1996	प्रकाश मणि त्रिपाठी	भारतीय जनता पार्टी
1998	मोहन सिंह	समाजवादी पार्टी
1999	प्रकाश मणि त्रिपाठी	भारतीय जनता पार्टी
2004	मोहन सिंह	समाजवादी पार्टी

बसपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं स्वामी प्रसाद

अमृत विचार, लखनऊः राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य प्रदेश में चुनाव के आखिरी चरण में बसपा से गठबंधन कर सकते हैं। राजनीतिक गलियारों में शनिवार को ऐसी चर्चाएं होती रहीं। सातवें चरण में प्रदेश की 13 सीटों पर चुनाव होना है। इसमें महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर व राबर्ट्गंज सीटें शामिल हैं।

मौर्य अपनी पार्टी के ओर से कुशीनगर सीट से खुद को प्रत्याशी घोषित कर चुके हैं। चर्चा है कि इस सीट पर बसपा से समर्थन लेंगे। इस सीट पर भाजपा ने विजय कुमार दुबे को चुनाव मैदान में उतारा है। इंडी गठबंधन के तहत सपा ने इस सीट पर अजय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू को टिकट दिया है। बसपा ने अभी इस सीट पर प्रत्याशी नहीं उतारा है। मालूम हो कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी छोड़ने के बाद राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी का गठन किया। पूर्व में उन्होंने इंडी गठबंधन को समर्थन दिया था, पर सीटों के बंटवारे में इंडी गठबंधन ने ध्यान नहीं दिया, तो उन्होंने कुशीनगर सीट से अपनी पार्टी की ओर से खुद को प्रत्याशी घाषित कर दिया। फिलाल स्वामी के मैदान में उतरने पर यहां का मुकाबला रोचक हो गया है।

एक नजर

कांग्रेस के उप चुनाव प्रत्याशी ने शुरू किया जनसंपर्क

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस पार्टी से लखनऊ पूर्वी विधानसभा उपचुनाव प्रत्याशी मुकेश सिंह चौहान ने अपने जनसंपर्क की शुरुआत इंदिरा नगर के पार्कों से की। इसके बाद सी ब्लॉक में ही डोर टू डोर जनसंपर्क करने के बाद राजीव नगर, हरिहर नगर, अवध विहार में मतदाताओं से मुलाकात की। पूर्वी विधानसभा चुनाव के मीडिया प्रभारी डॉ आशीष दीक्षित ने बताया कि पूर्वी विधानसभा सीट से गठबंधन के प्रत्याशी मुकेश सिंह चौहान वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता और लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष रहे कामरेड अतुल कुमार अंजान की अंतिम यात्रा में शामिल हुए और भैसाकुंड पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

चुनाव को लेकर पेंशनरों की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति, लखनऊ मंडल के अंतर्गत राष्ट्रीय, प्रादेशिक, जोनल एवं जनपदों के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक का आयोजन रविवार प्रात: 11 बजे एलडीए स्थित सीएमएस स्कूल गेट न.1 के सामने पार्क में स्थित मन्दिर हाल में किया गया है। बैठक में लोकसभा चुनाव में पेंशनर्स के हितों एवं लंबित मांगों को ध्यान में रखते हुए आगामी रणनीति पर विचार विमर्श किया जायेगा। यह जानकारी लखनऊ मंडल सचिव अशोक बाजपेयी ने दी।

राज्यपाल ने किया पुस्तक का विमोचन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राजभवन में विशेष सचिव नगर विकास विभाग डॉ दीपक कोहली की पुस्तक 'पर्यावरण और प्रौद्योगिकी : नये क्षितिज' का लोकार्पण किया। इस मौके पर डॉ. कोहली ने बताया कि पुस्तक में पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती, पर्यावरण अनुकूल कार्बन फार्मिंग, बहुआयामी जलवायु संकट, जैव ईंधन और हरित बांड जैसे समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई है, इसके साथ ही, कृषि प्रौद्योगिकी, स्वच्छ तकनीक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, डिजी यात्रा, साइबर जागरूकता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व क्वांटम प्रौद्योगिकी के नये आयामों को उजागर करने वाले लेखों का समावेश है।

ध्वस्त होगा प्रश्नपत्र आउट कराने वाला हर तंत्र

अब तक की जांच में 29 गिरोह सक्रिय पाए गए, 196 आरोपी गिरफ्तार

विनय सिंह, लखनऊ

▶▶ **आरओ-एआरओ परीक्षा व सिपाही भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र आउट होने का मामला**

अमृत विचार : आरओ-एआरओ परीक्षा एवं सिपाही भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्रों को आउट कराने वाले हर उस व्यक्ति तक एसटीएफ पहुंचेगी, जो आंशिक रूप से भी इस कड़ी में जुड़ा था। एसटीएफ का मुख्य उद्देश्य उस साहस को भी तोड़ना है, जो शिक्षा माफिया लगातार कर रहे हैं। दोनों परीक्षाओं का प्रश्नपत्र लीक कराने में शामिल 196 आरोपियों को एसटीएफ और यूपी पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। सूचनाओं के संकलन में जो स्थिति नजर आ रही है, उससे यह लगता है कि यह संख्या 400 तक जा सकती है।

बताया जा रहा है कि पूरे प्रदेश में सिर्फ परीक्षाओं का प्रश्नपत्र लीक कराने में 29 गिरोह सक्रिय थे। एसटीएफ पूरे गिरोह का सफाया करने में जुटी है, ताकि भविष्य में परीक्षार्थियों के भविष्य से कोई खिलवाड़ न कर सके। एसटीएफ चीफ के मुताबिक, अब तक की जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उससे लगता है कि फ्रेंचाइजी व्यवस्था की तरह पर्चा आउट के कार्य को अंजाम दिया जा रहा था।

एसटीएफ द्वारा की गई कार्रवाइयों में 16 मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्त में आए हैं। जिला पुलिस की कार्रवाइयों पर गौर किया जाए तो यह संख्या 196 पहुंच गई है। एसटीएफ सिर्फ सजा दिलाने में नहीं लगी है, बल्कि इस कार्य में शामिल आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यही नहीं यह पता चलने पर कि आरोपियों द्वारा पर्चा आउट कराने पर अर्जित किए धन से संपत्तियां खरीदी गई हैं, वह संपत्ति भी कुर्क होगी। एसटीएफ मुख्यालय ने इसके लिए रणनीति तैयार कर ली है। आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए एसटीएफ न्यायालय में भी ढंग से पैरवी कर रही है।

बताया जा रहा है कि एसटीएफ के कई कार्मिक अभी भी आरोपियों की तलाशी और छापेमारी में जुटे हुए हैं।

> एक फ्रेंचाइजी व्यवस्था की तरह पर्चा लीक कराने का कार्य किया जा रहा था। सॉल्वर के लिए अलग गिरोह, अभ्यर्थी लाने का अलग गिरोह, एडवांस लेने, अभ्यर्थियों को सूचित करने जैसे तमाम क्रम बने हुए थे। पर्चा लीक कराने में शामिल अंतिम व्यक्ति तक हम पहुंचेंगे। यह कार्रवाई एक संदेश है, ताकि कोई भविष्य में भी इस तरह की गलती न करे।
>
> – **अमिताभ यश, एडीजी कानून व्यवस्था, उप्र. पुलिस**

एसटीएफ ने पूरे किए सार्थकता के 26 वर्ष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶▶ **उप्र. पुलिस के विंग स्पेशल टास्क फोर्स के स्थापना दिवस पर एडीजी ने दी बधाई**

अमृत विचार : 4 मई को उप्र. पुलिस के महत्वपूर्ण विंग स्पेशल टास्क फोर्स ने अपनी स्थापना के 26 वर्ष पूरे कर लिए। इस मौके पर एसटीएफ मुखिया एवं एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने एसटीएफ की समस्त यूनिटों के अफसरों और कार्मिकों को बधाई दी है। बता दें कि यह वही एसटीएफ है, जिसे तत्कालीन माफिया श्रीप्रकाश शुक्ला के खात्मे के लिए मात्र छह महीने के लिए अस्थाई तौर पर बनाया गया था। लेकिन यह फोर्स उप्र. पुलिस के लिए इतना मुफीद साबित हुआ कि कालांतर में सरकारों की जरूरत बन गई।

अजय राज शर्मा थे पहले एसटीएफ चीफ : 1966 बैच के आईपीएस अजय राज शर्मा एसटीएफ के पहले चीफ बने थे। उनके साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार, एसपी सत्येंद्र वीर सिंह और तत्कालीन क्षेत्राधिकारी के साथ राजेश पांडेय के अलावा अन्य कार्मिक शामिल थे। ड्राइबर सहित पूरी टीम 17 पुलिसकर्मियों की थी।

2017 के बाद उत्कर्ष पर पहुंची एसटीएफ : उत्तर प्रदेश में 2017 में यूपी एसटीएफ को खुली छूट दे दी गई। निर्देश था कि यूपी में माफिया राज पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए। इसके बाद एसटीएफ माफियाओं के लिए काल बनकर उभरी। सैकड़ों अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया।

कभी एक कंप्यूटर की थी दरकार, आज संसाधन संपन्न : 1998 में जब एसटीएफ का गठन हुआ था उस समय इस विंग के पास एक कंप्यूटर तक नहीं था। तकनीक के नाम पर कोई व्यवस्था नहीं थी। लंबे सफर के दौरान आज एसटीएफ का स्वयं का भवन है। सूचना संकलन को आधुनिकतम उपकरण, लैब, मुठभेड़ के लिए कार्मिकों के पास आधुनिक हथियार, हाईस्पीड सुरक्षित गाड़ियां। पूरी व्यवस्था ही कंप्युटराइज्ड है।

आज थम जाएगा लोस चुनाव के तीसरे चरण का प्रचार

निर्वाचन आयोग ने दिए मतदान की तैयारी संबंधी निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में तीसरे चरण की 10 सीटों के चुनाव के लिए पांच मई की शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा। इन सीटों पर सात मई को मतदान होगा। इस बीच, भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान की तैयारी के निर्देश दिये हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रचार अवधि समाप्त होने के बाद सभी दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदगी प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार अभियान की समाप्ति के बाद इन निर्वाचन क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि राजनीतिक दलों के सभी बाहरी पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस दौरान निर्वाचन क्षेत्र में उपस्थित न रहें। इसके लिए मतदान से पहले चुनाव प्रचार पर रोक संबंधी आयोग के निर्देश को सभी राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों व उनके प्रतिनिधियों के संज्ञान में लाना सुनिश्चित करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के दिन मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, वायरलेस सेट आदि ले जाने पर रोक रहेगी। पीठासीन अधिकारी अपने फोन को साइलेंट मोड में ले जा सकेंगे और आवश्यकता पड़ने व आपात स्थिति में केवल सेक्टर अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ संचार के लिए उपयोग कर सकेंगे।

100 प्रत्याशी मैदान में

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस चरण में 100 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जिन सीटों पर मतदान होना है, उनमें संभल, हाथरस (अजा), आगरा (अजा), फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला व बरेली लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। इस चरण के निर्वाचन क्षेत्र मुरादाबाद, संभल, हाथरस, अलीगढ़, आगरा, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, कासगंज, बदायूं व बरेली जिले में आते हैं।

नीरज सिंघल को दोबारा आईआईए का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते उद्यमी।

आईआईए के दोबारा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए नीरज सिंघल

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल वर्ष 2024-25 में भी इसी पद पर बने रहेंगे। वह अप्रैल प्रथम सप्ताह से चल रही चुनाव प्रक्रिया में निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए हैं।

आईआईए भवन, लखनऊ में शनिवार को चुनाव अधिकारी नवीन खन्ना के नेतृत्व में बैठक हुई। परिणाम घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि आईआईए के 21 चयनित केंद्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्यों द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए नीरज सिंघल को आईआईए का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनका यह दूसरा कार्यकाल है और आगामी 30 जून 2025 तक रहेगा। पिछले 20 सालों से संगठन में विभिन्न पदों पर कार्यरत, नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल ने बताया कि आईआईए मिशन 'ट्रांसफॉर्मिंग एमएसएमई टुवड्र्स इंडस्ट्री 4.0 एंड 48' पर अपना कार्य जारी रखेगा। उद्यमियों की सुविधा के लिए देश-विदेश में नई मार्केट खोजी जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक उत्पाद ले जाने के लिए बिल्ड भारत एक्सपो का आयोजन और आईआईए एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन सेंटर को मजबूत बनाया जायेगा। बैठक में कई राज्यों से लगभग 100 से अधिक आईआईए पदाधिकारियों व उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया।

विवि ने लॉक किया फीस का डाटा, अब विभाग की बारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▶▶ **13,500 छात्र-छात्राओं की फंस गई थी छात्रवृत्ति, फिर से खोला गया था पोर्टल**

अमृत विचार : छात्रवृत्ति योजना के तहत शिक्षण संस्थान फीस का डाटा लॉक नहीं कर पाए थे। पर समाज कल्याण विभाग की ओर से मौका मिलने के बाद विश्वविद्यालय और एफिलियेटिंग एजेंसी ने मास्टर डाटा लॉक कर दिया है। अब जिला समाज कल्याण अधिकारियों को सात मई तक डाटा मिलान कर अग्रसारित करना होगा।

बता दें कि अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति की कक्षा दस से ऊपर की कक्षाओं और पाठ्यक्रमों की छात्रवृत्ति योजना के तहत डाटा लॉक न होने के कारण प्रदेश के 13,500 छात्र-छात्राओं की फीस फंस गई थी। विभाग ने विश्वविद्यालय और एफिलियेटिंग एजेंसी को डाटा लॉक करने के लिए दोबारा मौका देते हुए 30 अप्रैल से 3 मई तक के लिए पोर्टल खोला था। समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि विश्वविद्यालय और एफिलियेटिंग एजेंसी ने डाटा लॉक कर दिया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी 7 मई तक डाटा सत्यापित कर अग्रसारित करेंगे। डाटा सही पाए जाने पर फीस की राशि खाते में हस्तांतरित की जाएगी। बता दें कि छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति स्तर से वेरीफाइड डाटा वाले छात्रों को 40 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार स्तर से और 60 प्रतिशत धनराशि भारत सरकार से सीधे बैंक खातों में भेजी जाती है।

राजधानी स्थित कैंपल रोड निषाद राज मार्ग स्थित तिलक पैलेस में लोगों को संबोधित करते विधायक पंकज सिंह।

अटल के सपनों का शहर बना रहे रक्षा मंत्री

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▶▶ **राजनाथ सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की**

अमृत विचार : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पिछले दस वर्षों से लखनऊ को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों का शहर बनाने में लगे हैं। लखनऊ के सतत विकास के लिए 20 मई को राजनाथ सिंह के पक्ष में मतदान करें।

उक्त बात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक पंकज सिंह ने नुक्कड़ सभाओं के दौरान कही। उन्होंने कैंपल रोड में वरिष्ठजनों के साथ, रकाबगंज और समाज मंदिर में क्षेत्रीय लोगों के साथ, इरम कॉलेज सेक्टर 3 इंदिरा नगर में प्रबुद्ध वर्ग के साथ, कुर्सी रोड महावीर इंटर कॉलेज में क्षेत्रीय लोगों के साथ, जानकीपुरम द्वितीय वार्ड में सेक्टर की में रावत समाज के साथ और सिकंदरपुर सेक्टर एच में जनसभा और रहीम नगर रामलीला मैदान में नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी सरकार की उपलब्धियां, जनकल्याणकारी नीतियों और योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि जनता को मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा है। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि कार्यक्रमों में विधायक डॉ. नीरज बोरा, अंजनी श्रीवास्तव, रजनीश गुप्ता, गिरीश गुप्ता, गोविंद पांडे, रमेश तूफानी आदि मौजूद रहे।

दूसरी ओर भाजपा नेता नीरज सिंह ने राजनाथ सिंह के पक्ष में चरण प्लाजा में व्यापारियों के साथ, हजरतगंज रामतीर्थ वार्ड के अंतर्गत जीपीओ सभागार में भारतीय टेलीकॉम इंप्लाइज यूनियन बीएसएनल संबंध भारतीय मजदूर संघ के साथ और खदरा चुंगी पर अल्पसंख्यक मोर्चा सम्मेलन को संबोधित किया।

कांग्रेस और सपा की होंगी संयुक्त रैलियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶▶ **दोनों संगठनों के नेता कार्यक्रमों को दे रहे अंतिम रूप**

▶▶ **आप नेता संजय सिंह और केजरीवाल की पत्नी सुनीता भी होंगी शामिल**

अमृत विचार : प्रदेश के राजनीतिक मैदान में दो लड़कों यानी राहुल और अखिलेश की जोड़ी जल्द रोड शो और जनसभा करती नजर आएगी। राज्य में सपा और कांग्रेस की साझा रैलियां करने के कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं। इनके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। शनिवार को इसके लिए तारीखें और स्थान तय करने को लेकर दोनों दलों के नेताओं के बीच बातचीत भी हुई है। शुरुआत में कन्नौज, कानपुर, बाराबंकी और लखनऊ में ऐसी रैलियां हो सकतीं हैं। कुछ सीटों पर बड़े नेताओं का प्रवास भी संभव है। इनमें बाराबंकी, इलाहाबाद, वाराणसी, अमेठी और रायबरेली शामिल हैं।

दरअसल, प्रत्याशियों की तरफ से आई मांग के मुताबिक रैलियों की संख्या, स्थानों और तारीखों का प्रस्ताव कांग्रेस ने सपा को भेजा है। सपा नेतृत्व तारीखों का अपने कार्यक्रम के मुताबिक आकलन कर रहा है और शीघ्र निर्णय सार्वजनिक किया जाएगा।

इसके बाद अखिलेश यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी आदि की संयुक्त रैलियां एक साथ हो सकती हैं। इनके साथ आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी मंच पर नजर आ सकती हैं। वहीं, प्रचार में शामिल होने वाले नेताओं में राज बब्बर, मल्लिकार्जुन खरगे और दीपेंद्र हुड्डा के नाम भी हैं। जबकि, सपा की तरफ से अखिलेश के अलावा, प्रो. राम गोपाल, शिवपाल और डिंपल के नाम हैं।

> संयुक्त प्रचार के लिए सपा नेतृत्व से वार्ता हो चुकी है। वहां से भी समय और स्थान पर सहमति बनने के बाद साझा प्रचार कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे।
>
> – **अविनाश पांडे, प्रभारी, उप्र. कांग्रेस**

> दोनों दलों की संयुक्त रैलियों के कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं। सपा प्रमुख की फाइनल स्वीकृति के बाद इसे शीघ्र सार्वजनिक किया जाएगा।
>
> – **राजेन्द्र चौधरी, मुख्य प्रवक्ता, सपा**

वर्ग पहेली-60

बाएं से दाएं

1. 1. शब्द, आवाज़, ध्वनि 2. किसी संत या महात्मा के उपदेश, किसी संत कवि की वाणी या भजन
4. 1. होलिका दहन के दूसरे दिन मनाया जाने वाला हिंदुओं का एक त्योहार जिसमें लोग एक-दूसरे को रंग
6. 1. शत्रु आदि द्वारा उत्पन्न किसी प्रकार के संकट से प्राण बचाने की क्रिया या भाव 2. उक्त आशय से किसी की शरण में जाने की क्रिया या भाव 3. शरण लेने का स्थान, शरण्य, आड़, आश्रय 4. रक्षा, बचाव। (मु.) -मांगना : शरण लेना, किसी से संरक्षण मांगना।
8. 1. आतश, अग्नि, आग 2. अत्यधिक गरमी, ताप 3. विस्फोटक 4. गुस्सा, क्रोध।
10. 1. दो व्यक्तियों का आपसी झगड़ा 2. शत्रुता, दुश्मनी।

ऊपर से नीचे

2. 1. कुश्ती लड़ने और कसरत करने का स्थान; व्यायामशाला 2. किसी धार्मिक मत या संप्रदाय विशेष के साधुओं की मंडली
3. चंडी के पति अर्थात शिव, चंडीश।
5. 1. वाह, ख़ूब, अच्छा
7. नाश करना, नष्ट करना।
8. 1. शुरू, शुरुआत, आरंभ 2. पहल 3. लक्षण, आसार।
9. संभोग, रति-क्रिया, सहवास, स्त्री-पुरुष का समागम।

1			■	■	■	2
■	■	■	3	■	■	
■	4			■	■	
5	■	■	6	7		■
	■	8			■	9
■	10		■		■	
■	■		■	■	■	

वर्ग पहेली-59 का हल

1 बं	■	■	■	■	2 अँ	■
द	■	3 मा	लि	य	त	■
गी	■	हो	■	■	ड़ी	■
■	4 दि	ल	रु	बा	■	5 अं
■	ठि	■	■	■	■	शु
■	या	■	■	6 धौं	क	ना
7 शो	र	से	नी	■	■	भि

सुडोकू-139

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				4		1	3	
6		3	7					
1				8				7
		2			9			
	3		6					
			1			2		
9		7		5				
			8		2	9		
2	4			6				

सुडोकू-138 का हल

5	6	2	3	4	9	1	8	7
8	7	9	5	1	6	3	2	4
4	1	3	7	8	2	9	6	5
2	5	7	1	9	4	8	3	6
6	4	1	8	3	5	7	9	2
3	9	8	6	2	7	5	4	1
1	2	5	9	6	8	4	7	3
9	3	4	2	7	1	6	5	8
7	8	6	4	5	3	2	1	9

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 मई रविवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-द्वादशी 17.42 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

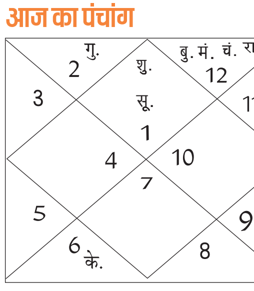

दिशाशूल-पश्चिम। ऋतु-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तर भाद्रपद 19.57 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष – आज नए अनुबंधों को लेकर सावधान रहें। अपना समय अनावश्यक कार्यों में बर्बाद न करें। कोई मूल्यवान वस्तु गुम हो सकती है। आपको कोई भी नया काम शुरू नहीं करना चाहिए। आपको आत्मसम्मान का हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

वृष – आज मेहनत का सार्थक परिणाम मिलने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप समस्याओं का समाधान करने में जुटे रहेंगे। इसमें आपको अच्छी खासी सफलता भी मिलेगी। व्यापार में आपके नये सहयोगी बन सकते हैं।

मिथुन – आज थोक कारोबारियों के लिए दिन शानदार है। उच्च अधिकारी आपसे सलाह लेना पसंद करेंगे। विदेश में कार्यरत लोगों की आय बढ़ सकती है। आपके व्यक्तित्व में काफी सकारात्मक परिवर्तन आ रहे हैं।

कर्क – आज आपके ऊपर काम का अतिरिक्त बोझ रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ अपने संबंध खराब न करें। नया काम करने में आपको थोड़ी असुविधा हो सकती है। आपकी योग्यता पर लोग संदेह कर सकते हैं। धर्म-कर्म को लेकर आप लापरवाह हो सकते हैं।

सिंह – आज सोने-चांदी के व्यापारियों को थोड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसी के साथ विवाद को बढ़ावा न दें। सूनसान जगहों पर अकेले जाने से आपको बचना चाहिए। नकारात्मक लोगों की संगत के कारण आप काफी निराशा का अनुभव करेंगे।

कन्या – आज व्यापारी वर्ग को पुरानी क्रेडिट के कारण बड़ा लाभ मिल सकता है। दांपत्य जीवन में आपसी सहयोग में वृद्धि होगी। दान-पुण्य आदि में आपको धन खर्च करना पड़ेगा। आप प्रकृति के निकट रहने का प्रयास करेंगे। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

तुला – आज सोच-समझकर आपको शब्दों का चयन करना चाहिए। पड़ोसियों के साथ कहासुनी हो सकती है। ईर्ष्यालु लोग आपके कार्यों में बाधा डालने का प्रयास करेंगे। आप परिवार के साथ समय व्यतीत करना पसंद करेंगे।

वृश्चिक – आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रेम संबंधों को लेकर परेशानी होगी। आय में निश्चितता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आप बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बच्चों की उन्नति से मन उल्लासित रहेगा। प्रेम प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं।

धनु – आज अनुभवी व्यक्तियों के साथ समय बिता सकते हैं। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में उन्नति होगी। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाकर रखें। अनावश्यक यात्राओं के कारण थकान और सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

मकर – आज आपके ज्यादातर काम फोन के माध्यम से हो सकते हैं। आपके संवादकौशल का विशेष लाभ आपको मिलेगा। व्यापार में आप अभिनव प्रयोग कर सकते हैं। जॉब में विशेष अनुकूलता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ – आज कारोबार के लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। समाज सेवी संस्थाओं में आप जुड़ सकते हैं। परिवार के साथ कहीं घूमने जाने की योजना बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच-समझकर वक्तव्य देना चाहिए। तनाव लेने से आपको बचना चाहिए।

मीन – आज आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में आपको उच्च आर्थिक लाभ हो सकता है। प्रेम संबंधों को लेकर ज्यादा भावुक न हों। घर और व्यवसाय में आप सामंजस्य स्थापित कर पाएंगे। दांपत्य संबंधों की खटपट दूर होगी। अपना ध्यान सिर्फ अपने काम पर रखें।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- प्रेम दीवाने – दोपहर : 12.00
- परदेसी बाबू – रात : 08.55

SONY PIX
- होटल ट्रांसिल्वेनिया 2 – सुबह : 10.48
- द वॉटर हार्स – रात : 09.00

&pictures
- सत्यप्रेम की कथा – सुबह : 10.53
- द कश्मीर फाइल्स – रात : 08.00

ZEE CINEMA
- कार्तिक कॉलिंग कार्तिक – सुबह : 11.25
- रेस – रात : 07.45

colors CINEPLEX
- हेलो ब्रदर – सुबह : 07.52
- टाइगर नागेश्वर राव – शाम : 06.29

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर रात : 07.45 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पत्नी के जन्मदिन पर पति ने पूछा- तुम्हें क्या गिफ्ट चाहिए?
पत्नी की इच्छा नई कार लेने की थी, उसने घुमा-फिराकर कहा- मुझे ऐसी चीज लेकर दो, जिस पर मेरे सवार होते ही वो दो सेकेंड में 0 से 80 पर पहुंच जाए।
शाम को ही पति ने उसे वजन करने वाला कांटा लाकर दे दिया।
अब घर में युद्ध जैसा माहौल है...

मास्टर जी ने पप्पू से एक बहुत ही कठिन सवाल पूछ लिया-सबसे पहले क्या आया मुर्गी या अंडा ?
पप्पू ने जवाब दिया- यार, सीधी सी बात है जिसका ऑर्डर पहले दोगे वो आएगा।

एक नजर

छत्तीसगढ़ में सड़क हादसे में 15 लोग घायल, सात गंभीर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर से रायपुर के बीच रतनपुर के बीएलटी कालेज के पास हुए हादसे में तेज रफ्तार बस ने खड़ी हाईवा को मारी टक्कर जिससे 15 लोग घायल हो गये जिनमें सात की हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक यह घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। रॉयल ट्रेवल्र्स की बस क्रमांक शुक्रवार की रात अंबिकापुर से निकली थी। बस में लभगभ 30 यात्री सवार थे। यहां रतनपुर के बीएलटी कालेज के पास हाईवे के किनारे ट्रेलर खड़ी थी। अचानक तेज रफ्तार बस के ड्राइवर ने ट्रेलर को टक्कर मार दी। घटना शुक्रवार को देर रात दो बजे के करीब की है।

कोलकाता के पास फैक्टरी में लगी आग

कोलकाता। कोलकाता के 'न्यू टाउन' इलाके में शनिवार सुबह कपड़े की फैक्टरी में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग की लपटें सुबह करीब आठ बजे पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर देखी गईं जहां अन्य वाणिज्यिक इकाइयां भी हैं। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की चार गाड़ियों को काम पर लगाया गया। जो आग की लपटों को बुझाने की कोशिश कर रहे हैं।

पाकिस्तान के नेता शहजादे को भारत का प्रधानमंत्री बनाने की कर रहे दुआ : मोदी

झारखंड की चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर साधा निशाना

पलामू (झारखंड), एजेंसी

नरेंद्र मोदी झारखंड में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए। ●

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार के 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 'एयर स्ट्राइक' ने पाकिस्तान को इतना हिला दिया है कि पड़ोसी देश के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का 'शहजादा' भारत का प्रधानमंत्री बने। मोदी ने झारखंड के पलामू और गुलमा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा और कहा कि पड़ोसी देश भले ही उन्हें (राहुल गांधी को) प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो, लेकिन भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। उन्होंने कहा-मां भारती का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब पड़ोसी देश की स्थिति ऐसी है कि पाकिस्तान देश को बचाने के लिए दुनिया से मदद मांग रहा है।

मोदी ने विपक्ष पर लगाया तुष्टीकरण का आरोप

दरभंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व रेल मंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद पर सोनिया मैडम के शासनकाल के दौरान अपनी तुष्टीकरण की नीति के तहत गोधरा कांड के जिम्मेदार लोगों को बचाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दरभंगा संसदीय क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुये मोदी ने गोधरा कांड का जिक्र किया और आरोप लगाया कि विपक्षी दल हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। गुजरात में 2002 में हुये गोधरा कांड में 60 कार सेवकों की मौत हो गयी थी। इस घटना के समय मोदी प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। मोदी ने कहा-राजद का इतिहास सामाजिक न्याय का मुखौटा लगाकर लगाकर हमेशा तुष्टिकरण करने का रहा है। जब गोधरा में कार सेवकों को जिंदा जलाया गया था तब रेल मंत्री, राजद के शाहजादे के पिता थे, जो (चारा घोटाला मामले में) सजा काटकर जमानत पर घूम रहे हैं।

टिप्पणी को लेकर राहुल के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई टली

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे की एक अदालत ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में सुनवाई 29 जून तक के लिए टाल दी। गांधी के वकील नारायण अय्यर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जब मामला भिवंडी में मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई के लिए आया तो इस आधार पर स्थगन की मांग की गई कि आवेदक द्वारा दाखिल एक रिट याचिका उच्च न्यायालय में लंबित है और उस पर अभी तक कोई आदेश नहीं दिया गया है। अय्यर ने कहा, दोनों पक्षों को सुनने के बाद मजिस्ट्रेट ने मामले की सुनवाई 29 जून को तय की। मानहानि का मामला स्थानीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सदस्य राजेश कुंटे ने दायर किया था, जिसमें दावा किया गया था कि गांधी ने एक भाषण में संगठन को महात्मा गांधी की हत्या से जोड़ा था।

कोर्ट ने खारिज की इंदौर में कांग्रेस के डमी उम्मीदवार की अपील

इंदौर, एजेंसी

● मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को फिर लगा झटका

कांग्रेस को इंदौर लोकसभा क्षेत्र में एक बार फिर झटका लगा है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने कांग्रेस के "डमी" (वैकल्पिक) उम्मीदवार मोती सिंह की अपील खारिज कर दी है। अपील के जरिए सिंह ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के 30 अप्रैल के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें कांग्रेस के चुनाव चिन्ह हाथ के पंजे के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति की गुहार वाली उनकी याचिका नामंजूर कर दी गई थी।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस.ए. धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति गजेंद्र सिंह ने एकल पीठ के फैसले को सही ठहराया और कांग्रेस के "डमी" उम्मीदवार की दायर अपील को ''योग्यता और तथ्यों से रहित'' बताते हुए खारिज कर दिया। युगल पीठ ने सिंह की अपील पर शुक्रवार को सुनवाई करके अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था जिसे शनिवार को जाहिर किया गया। सिंह का नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी द्वारा आठ दिन पहले खारिज किया जा चुका है, लेकिन उन्होंने इंदौर के कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय कांति बम के पर्चा वापस लेने का हवाला देते हुए अदालत से गुहार की थी कि उन्हें पार्टी के चुनाव चिन्ह के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए।

केरल में पुलिस हिरासत में मौत मामले में चार पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

मलप्पुरम। केरल के कोच्चि में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने तनूर थाने में अगस्त 2023 में थमीर जिफ़री की कथित तौर पर हिरासत में हुयी मौत के मामले में शनिवार को चार पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया। जो जिला एंटी-नारकोटिक्स स्पेशल एक्शन फोर्स के सदस्य हैं। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में तनूर थाना के वरिष्ठ नागरिक पुलिस अधिकारी (सीपीओ) जिनेश, परप्पनगाडी थाने के (सीपीओ) एल्बिन ऑगस्टीन, कल्पाकांचेरी थाने के (सीपीओ) अभिमन्यु और थिरुरंगडी थाने के (सीपीओ) विपिन शामिल हैं।

पुलिस ने प्राथमिकी में आपराधिक साजिश के आरोप जोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

अमित शाह फर्जी वीडियो मामला

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के फर्जी वीडियो के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में आपराधिक साजिश के आरोप भी जोड़े गए हैं।

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के राष्ट्रीय समन्वयक को गिरफ्तार किया था। तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले अरुण बीरेड्डी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'स्पिरिट ऑफ कांग्रेस' नाम के खाते को संभालते हैं। इस मामले में दिल्ली पुलिस की यह पहली गिरफ्तारी है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा-हमने प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) जोड़ी है क्योंकि जांच से एक बड़ी साजिश का संकेत मिला है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक बीरेड्डी कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के प्रमुख सदस्यों में से एक हैं। बीरेड्डी पर उन लोगों में शामिल होने का आरोप है।

मंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर सुरक्षा कड़ी

मंगलुरु। मंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवसथा कड़ी कर दी गई है। हवाई अड्डा प्रशासन को ईमेल के माध्यम से धमकी दी गई थी। शनिवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। सीआईएसएफ और पुलिस ने पूरे हवाई अड्डे पर कई स्तर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। बाजपे पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में ईमेल भेजने वाले समूह की पहचान 'टेरेराइजर्स 111' के रुप में की गई है। प्राथमिकी में ईमेल का हवाला देकर लिखा गया है कि 'हवाई अड्‌डे पर कुल तीन जगहों पर बम रखे गये है और हमें आशा है कि बड़े स्तर पर रक्तपात होगा।

रोहित वेमुला की मां ने मुख्यमंत्री से की न्याय की मांग

हैदराबाद, एजेंसी

रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला ने शनिवार को यहां तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से की मुलाकात। ● एजेंसी

● राधिका वेमुला ने तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी से की मुलाकात

रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला ने शनिवार को यहां तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर परिवार को न्याय दिलाने का अनुरोध किया। इस संबंध में एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि रेड्डी ने उन्हें आश्वासन दिया कि 2016 में हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र वेमुला की आत्महत्या से जुड़े मामले की दोबारा जांच की जाएगी और न्याय दिलाया जाएगा।

रोहित वेमुला के भाई राजा वेमुला ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार में उनके साथ न्याय होगा। राजा वेमुला ने कहा-हमने पुलिस द्वारा सौंपी गई क्लोजर रिपोर्ट का विरोध किया है। हमने उन मुद्दों पर भी चिंता जताई है जिनका उन्होंने रिपोर्ट में उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि जाति की स्थिति पर स्पष्टीकरण देने के लिए पड़ोसी आंध्र प्रदेश में गुंटूर के जिलाधिकारी सक्षम प्राधिकारी हैं, न कि पुलिस। राजा वेमुला ने उन्होंने कुछ अन्य छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले रद करने की भी मांग की।

पुलिस ने वेमुला की मौत के मामले में एक स्थानीय अदालत के समक्ष एक 'क्लोजर रिपोर्ट' दायर की है, जिसमें दावा किया गया है कि वह दलित नहीं था और 2016 में उसने इस डर की वजह से आत्महत्या कर ली कि कहीं उसकी "वास्तविक जाति" के बारे में सबको पता न चल जाए। 'क्लोजर रिपोर्ट' पर रोहित वेमुला की मां और अन्य लोगों द्वारा व्यक्त किए गए संदेह को देखते हुए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशकरवि गुप्ता पहले ही मामले की विस्तृत जांच की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने शुक्रवार रात एक बयान में कहा कि संबंधित अदालत में एक याचिका दायर कर मजिस्ट्रेट से मामले की आगे की जांच की अनुमति देने का अनुरोध किया जाएगा। पुलिस ने मामले में सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए हरियाणा के निवर्तमान राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भाजपा के पूर्व विधान परिषद सदस्य एन. रामचंदर राव समेत आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है।

फगवाड़ा में हिंसक झड़प नोएडा निवासी छात्र गोली लगने से घायल

फगवाड़ा। पंजाब के फगवाड़ा में शनिवार तड़के लॉ गेट के पास छात्रों के दो समूहों के बीच हुई हिंसक झड़प के दौरान गोलीबारी में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) का एक छात्र गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि तीन अन्य छात्रों को मामूली चोटें आईं और चारों को सिविल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल नोएडा के सत्यम पंवार (21) को जालंधर अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां तीन छात्रों यश राठी, आदर्श त्रिपाठी और परीक्षित को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार पीजी लॉ गेट पर रहने वाला पंवार अपने आवास के पास अन्य लोगों के साथ टहल रहा था तभी दो समूह के छात्रों में झड़प हुई थी।

पक्षियों को बचाने की जद्दोजहद...

जम्मू में स्कूली छात्राओं ने पक्षियों को बचाने के अभियान में भाग लेते हुए पेड़ों पर पानी से भरे मिट्टी के बर्तन लटकाए। ● एजेंसी

कारोबार/कृषि

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 995 फ्लैग 1105 डीएमओ 880 बोल्ड 1155, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 990 फ्लैग 1100 बोल्ड 1135 डीएमओ 885।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-	
गेहूंदड़ा	2350-2500
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफारम	2600-2700
जौ	2000-2100
ज्वार	2000-4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200-2400
दलहन (प्रति क्वि.)	
लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5800-5900
अरहर	9000-10000
मसूर	5500-5600
मटर	3700-4000
उड़दहरा	10000-11000
उड़दकाला	6000-8000
मूंग	8500-8800
दाल (प्रति क्वि.)	
अरहरफूल	15700-15800
अरहरस्पेशल1	13700-13800
चनादाल	7100-7200
मटरदाल	4850-4950
मसूरमलका	7100-7150
मसूरदाल	7350-7400
उड़ददाल	9000-13000
उड़द धोवा	10000-13000
मूँगदाल	9500-10500
मूँग धोवा	10000-11500
चावल (प्रति क्वि.)	
अरवा	2000-2300
बासमती नं.1	8500-10000
सेला	2500-3000
बासमती नं.2	6500-7500
आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)	
आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430
चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)	
शाहपसंद	1325-1350
तिलहन (प्रति क्वि.)	
लाही	4900-5000
अलसी	4500-4600 रुपये।

निर्यात प्रतिबंध हटने के बाद प्याज के दाम बढ़े

नासिक की लासलगांव मंडी में फैसले के बाद कीमतें औसतन 200 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ीं

नासिक, एजेंसी

केंद्र सरकार के शनिवार को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने के बाद महाराष्ट्र के नासिक जिले के लासलगांव मंडी में इसकी कीमतें औसतन 200 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गईं। लासलगांव में कृषि उत्पादन बाजार समिति (एपीएमसी) को भारत में सबसे बड़ा थोक प्याज बाजार बताया जाता है। इससे पूर्व दिन में सरकार ने लोकसभा चुनावों के बीच प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया, लेकिन 550 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगा दिया।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया था। एपीएमसी के अध्यक्ष बालासाहेब क्षीरसागर ने कहा-बाजार में कुछ बढ़ोतरी हुई है। औसत कीमतों में लगभग 200 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। इस फैसले से किसानों को फायदा होगा, लेकिन वास्तविक प्रभाव सोमवार को पता चलेगा जब बाजार फिर से खुलेगा। सूत्रों ने बताया कि दिन के दौरान लगभग 200 क्विंटल प्याज एपीएमसी में पहुंचा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के आधार पर कीमतें 801 रुपये, 2,551 रुपये और 2,100 रुपये प्रति क्विंटल के बीच थीं। बाजार में एक किसान ने एक समाचार चैनल को बताया कि निर्यात प्रतिबंध हटाना एक अच्छा निर्णय है, लेकिन इसे कम से कम एक साल तक लागू रहना चाहिए। एक अन्य व्यक्ति ने कहा, निर्यात शुल्क से प्याज उत्पादकों का मुनाफा कम हो जाएगा। एक किसान ने पूछा-प्रतिबंध के कारण हमें जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई कौन करेगा। सरकार ने आठ दिसंबर 2023 को 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

कागज उद्योग का सरकार से पल्पवुड वृक्षारोपण के लिए बंजर भूमि आवंटित करने का आग्रह

नई दिल्ली। भारतीय कागज उद्योग ने सरकार से पल्पवुड वृक्षारोपण के लिए कागज मिलों को दीर्घकालिक पट्टे पर बंजर भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। उद्योग का कहना है कि इससे कच्चे माल की कमी को दूर करने और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। पल्पवुड ऐसे वृक्षों को कहा जाता है, जिनकी लकड़ी को पीसकर रेशेदार गूदे में बदला जा सकता है। उद्योग ने कहा कि देश में भारी मात्रा में बंजर भूमि उपलब्ध है और अगर इसका एक छोटा सा हिस्सा पल्पवुड वृक्षारोपण के लिए कागज मिलों को पट्टे पर आवंटित किया जाता है, तो यह उद्योग की वृद्धि और देश की हरियाली के लिए क्रांतिकारी कदम हो सकता है। इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कागज उद्योग को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की कमी का सामना करना पड़ रहा है और यह भारत में मिलों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

सर्राफा

कानपुर	
चॉदी 999 (प्रति किलो)	82,400
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	85,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	90,000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	73,200
गिन्नी (प्रति नग)	54,550-54,750
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	70,850
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	70,700
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	81,000
चांदी तैयार	81,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	70,650
सोना जेवरात गिन्नी	69,650
चांदी पक्की	805 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	70,650
चांदी आभूषण	81,000।

टाटा पावर रिन्यूएबल ने स्वच्छ ऊर्जा परियोजना के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) के सीईओ और प्रबंध निदेशक दीपेश नंदा ने शनिवार को कहा कि उसने 460 मेगावाट की दृढ़ और प्रेषण योग्य नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजना स्थापित करने के लिए एसजेवीएन लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

एफडीआरई संयंत्र से निर्बाध रूप से लगातार बिजली आपूर्ति की जा सकती है। इससे बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को उनके नवीकरणीय खरीद दायित्वों (आरपीओ) और ऊर्जा भंडारण दायित्वों (ईएसओ) को पूरा करने में मदद मिलती है। बयान के मुताबिक 460 मेगावाट की एफडीआरई की इस तरह तैयार किया गया है, ताकि यह सौर, पवन और बैटरी भंडारण प्रौद्योगिकियों के संयोजन से बिजली की अधिकतम मांग के दौरान कुशलता के साथ बिजली आपूर्ति कर सके। टीपीआरईएल ने कहा कि इस संयंत्र से सालाना करीब 300 करोड़ यूनिट बिजली पैदा होने और 220 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन की भरपाई होने की उम्मीद है।

आईडीबीआई बैंक का तिमाही में 44 प्रतिशत बढ़ गया शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में 44 प्रतिशत उछलकर 1,628 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 1,133 करोड़ रुपये रहा था। बैंक ने शनिवार को कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 7,887 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले साल समान तिमाही में 7,014 करोड़ रुपये थी। पिछले वित्त वर्ष के लिए बैंक का शुद्ध लाभ 55 प्रतिशत बढ़कर 5,634 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है।

पेटीएम के सीईओ भावेश गुप्ता ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। फिनटेक फर्म पेटीएम ने वरिष्ठ प्रबंधन में फेरबदल के तहत राकेश सिंह को पेटीएम मनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है।

कंपनी ने अब तक पेटीएम मनी का नेतृत्व कर रहे वरुण श्रीधर को पेटीएम सर्विसेज का सीईओ बनाया है। पेटीएम सर्विसेज म्यूचुअल फंड और अन्य धन प्रबंधन उत्पादों के वितरण कारोबार में शामिल है। बयान में कहा गया कि भुगतान और उधार कारोबार की देखरेख करने वाले अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों से कामकाजी जीवन से अवकाश लेने का फैसला किया है।

एनसीएलटी के कर्ज समाधान मामलों में 43 प्रतिशत उछाल

कोलकाता, एजेंसी

● आईबीबीआई ने 2023-24 को एक ऐतिहासिक वर्ष घोषित करते हुए दी जानकारी

कई बाधाओं के बीच भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने 2023-24 को एक ऐतिहासिक वर्ष घोषित किया है। इसमें राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा किए गए समाधान मामले 43 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 270 रहे हैं जो पिछले साल 189 मामले थे।

उम्मीद है कि आईबीबीआई दिवाला और ऋण अक्षमता संहिता (आईबीसी) में 'मध्यस्थता' को शामिल करने के लिए अगले दो-तीन महीनों में सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगी। फिलहाल इसपर चर्चा और जांच चल रही है। नियामक बड़े कॉरपोरेट मामलों के लिए प्रीपैकेज्ड समाधान पर भी काम कर रहा है, जिसकी अनुमति अब तक केवल एमएसएमई मामलों में ही है। आईबीबीआई के पूर्णकालिक सदस्य सुधाकर शुक्ला ने सीआईआई द्वारा आयोजित सातवें 'इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए कहा कि एक साल में पहली बार नए मामलों की संख्या से समाधान हुए मामलों की संख्या बढ़ी है, जिससे पूरे भारत में लंबित मामलों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि पिछले सात साल में बाधाओं के बावजूद 3.5 लाख करोड़ रुपये का समाधान हासिल किया गया और 10 लाख करोड़ रुपये के 27,000 आवेदन वापस ले लिए गए। इससे आईबीसी देश में ऋण समाधान के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन गया।

आरबीआई की कार्रवाई से वित्तीय प्रभाव सीमित, प्रतिष्ठा क्षति को लेकर चिंता ज्यादा

मुंबई, एजेंसी

● प्रतिबंध लेकर कोटक महिंद्रा बैंक के अधिकारी ने कही बात

कोटक महिंद्रा बैंक को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लगाए गए व्यावसायिक प्रतिबंधों का वित्तीय प्रभाव अपेक्षाकृत कम होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि हालांकि बैंक प्रतिष्ठा को होने वाले नुकसान के बारे में अधिक चिंतित है। बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक वासवानी ने संवाददाताओं से कहा कि इसका देनदारी वृद्धि पर सीमित प्रभाव पड़ेगा।

बैंक ने संकेत दिए हैं कि प्रतिबंध कुछ महीनों तक जारी रह सकता है। पिछले महीने के अंत में आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग माध्यमों के जरिए नए ग्राहकों को शामिल करने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से तत्काल प्रभाव से रोक दिया था क्योंकि बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन में कमी पाई गई थी। वासवानी ने इसी साल जनवरी में कार्यभार संभाला है। उन्होंने कहा कि बैंक तकनीकी मोर्चे पर अपने प्रयासों को दोगुना कर रहा है, और विश्वास वापस जीतना अब बैंक के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस आदेश का असर क्रेडिट कार्ड कारोबार और इसके डिजिटल बैंकिंग केंद्रित कारोबारों पर पड़ेगा।

डिजिटल अपराधों की जद में बच्चे: सीजेआई

- चंद्रचूड़ बोले- प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमता दिखाने के लिए पूरा अवसर प्रदान करें

काठमांडू, एजेंसी

शनिवार को नेपाल में किशोर न्याय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में चर्चा करते सीजेआई चंद्रचूड़।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तीन दिवसीय नेपाल की यात्रा पर हैं। नेपाली मुख्य न्यायाधीश बिश्वोम्भर प्रसाद श्रेष्ठ ने उन्हें आमंत्रित किया है। नेपाल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकियों का तेजी से विकास हो रहा है। इससे नाबालिगों से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल अपराधों में भी तेजी आ रही है। इससे निपटने के लिए किशोर न्याय प्रणालियों को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना होगा।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, किशोर न्याय पर चर्चा करते वक्त हमें कानूनी विवादों में फंसे बच्चों की कमजोरियों और जरूरतों को समझना होगा। किशोर न्याय की प्रकृति और समाज के आयामों के संबंधों को समझना महत्वपूर्ण है।' उन्होंने आगे कहा, 'प्रौद्योगिकी का तेजी से विकास हो रहा है। किशोर हैकिंग, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल उत्पीड़न सहित अन्य साइबर अपराधों में शामिल हो रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की सुरक्षा और आसान प्रवेश प्रकृति के कारण युवा अवैध गतिविधियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। भारत और नेपाल के किशोर न्याय प्रणालियों का विश्लेषण करते हुए कहा न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, 'रोकथाम, हस्तक्षेप और पुनर्वास की रणनीतियों से हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर सकते हैं जो अधिक समावेशी हो। इसमें हम प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमता दिखाने के लिए पूरा अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा, ' निष्पक्ष और न्यायसंगत समाज को आकार देने में किशोर न्याय महत्वपूर्ण भूमिक निभाता है।

पाकिस्तानी हिंदुओं ने हरिद्वार के शदाणी दरबार में टेका मत्था

हरिद्वार। आस्था और धर्म किसी सरहदों को नहीं बांटता और इसका उदाहरण है हरिद्वार में आए पाकिस्तानी हिंदुओं का जत्था जिनके लिए हरिद्वार आज भी विशेष महत्व रखता है।

इस लिए हर वर्ष पाकिस्तानी हिन्दुओ के कई जत्थों ने पहुंचकर शदाणी दरबार मे अपनी अरदास पूरी कर मत्था टेकते हैं। इस बार भी 223 से ज्यादा पाकिस्तानी हिन्दू पहुंचे हैं। हरिद्वार पहुंचते ही इन लोगो की खुशी देखते ही बनती है। धर्म नगरी हरिद्वार पहुंचने से पहले अयोध्या पहुंचकर भगवान श्रीराम के दर्शन किए और वहां पर दोनों देशों में अमन चैन बना रहे इसकी प्रार्थना की वहीं धर्मनगरी हरिद्वार पहुंचने पर हरिद्वार के स्थानीय लोगों ने इनको माला पहनकर सभी का स्वागत भी किया।

35 हजार करोड़ का मसाला निर्यात गुणवत्ता मापने के लिए सिर्फ 9 लैब

अमेरिका, हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर समेत कम से कम पांच देशों ने भारतीय मसालों की जांच कराने की घोषणा की है। शिकायत है कि मसालों में जहरीले केमिकल एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा स्वीकृत सीमा से ज्यादा है। एथिलीन ऑक्साइड को मसालों में फूड स्टेबलाइजर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

गुणवत्ता की चिंता जरूरी

भारत ने पिछले साल लगभग 35 हजार करोड़ रु. के मसालों का निर्यात किया। इसकी देश के कृषि निर्यात में लगभग 10% हिस्सेदारी है। कारोबार बनाए रखने के लिए गुणवत्ता बेहद जरूरी है। लेकिन, मसालों की गुणवत्ता मापने के लिए देशभर में सिर्फ 9 लैब है।

2022-23 में 32 हजार करोड़ के मसाले हुए निर्यात : वित्त वर्ष 2022-23 में भारत ने करीब 32,000 करोड़ रुपए के मसालों का एक्सपोर्ट किया। मिर्च, जीरा, हल्दी, करी पाउडर और इलायची एक्सपोर्ट किए जाने वाले प्रमुख मसाले हैं।

कीटनाशक है एथिलीन ऑक्साइड, इससे कैंसर का खतरा

स्पाइस बोर्ड एथिलीन ऑक्साइड को 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर ज्वलनशील, रंगहीन गैस के रूप में परिभाषित करता है। यह कीटाणुनाशक, स्टरलाइजिंग एजेंट और कीटनाशक के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज करने और मसालों में माइक्रोबियल कंटेमिनेशन को कम करने के लिए किया जाता है। यानी यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि यह मनुष्यों में कैंसर का कारण बन सकता है।

शुरू किया परीक्षण

स्पाइस बोर्ड ऑफ इंडिया ने निर्यात किए जाने वाले उत्पादों का अनिवार्य परीक्षण शुरू कर दिया है। उत्पादों में एथिलीन ऑक्साइड के सही इस्तेमाल के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। एथिलीन ऑक्साइड के अलावा वैकल्पिक तरीके खोजने के लिए भी मानदंड निर्धारित किए गए।

वापस करने का मुख्य कारण साल्मोनेला

अमेरिका के एफडीए की रिपोर्ट के अनुसार कम से कम 30 उत्पाद साल्मोनेला, एक जहरीले व हानिकारक पदार्थ के कारण अस्वीकार किए गए। कम से कम 11 उत्पादों को गलत ब्रांडिंग, छेड़छाड़, आर्टिफिशियल कलर या गलत लेबलिंग के कारण अस्वीकार किया गया।

भारत से कौन खरीदता है सबसे ज्यादा मसाले

(आंकड़ा करोड़ रुपये में)

चीन	6,391.64
अमेरिका	4,467.39
बांग्लादेश	2,076.64
यूएई	1,945.98
थाईलैंड	1,498.08
मलेशिया	1,205.60
इंडोनेशिया	1,199.12
ब्रिटेन	932.65
श्रीलंका	868.50
सऊदी अरब	747.89

एक नजर

चीन में तूफान को लेकर रेड अलर्ट

गुआंगजौ। चीन के दक्षिण गुआंग्डोंग प्रांत के झुहाई जिले के तीन इलाकों में तूफान को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। यहां के मौसम विज्ञान ब्यूरो ने शनिवार को बताया कि डौमेन जिले में सुबह आठ बजे तक एक घंटे में करीब 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई। दो अन्य स्थान जियांगझू जिला और झुहाई नेशनल हाई-टेक औद्योगिक विकास क्षेत्र ने भी तूफान के लिए रेड अलर्ट जारी किया। यातायात विभाग ने कहा कि शहर के सड़कों पर पानी भर जाने से निवासियों को घर के अंदर रहने की सलाह दी है।

पूर्वी कांगो में शिविरों पर बमबारी से बच्चों समेत 12 की मौत, 30 घायल

किंशासा। पूर्वी कांगो पूर्वी कांगो के उत्तरी किवु प्रांत में विस्थापित लोगों के तीन शिविरों पर किए गए हमलों में बच्चों एवं महिलाओं सहित 12 लोगों की मौत हो गई और अन्य 30 से अधिक घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा, उत्तरी किवु के पूर्वी प्रांत की राजधानी गोमा के लैक वर्ट, लुशगाला और मुगुंगा इलाकों में स्थित तीन आईडीपी केंद्रों पर हमले आश्रयों और अन्य मानवीय संरचनाओं को भी नुकसान पहुंचाया। संयुक्त राष्ट्र ने इन हमलों को मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया और कहा कि इन्हें युद्ध अपराध माना जा सकता है।

पंजाब में सीमा के पास ड्रोन और हेरोइन के दो पैकेट बरामद

चंडीगढ़। पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास तीन अलग-अलग घटनाओं में एक ड्रोन और हेरोइन के दो पैकेट बरामद किए गए। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने कहा कि शुक्रवार को तरनतारन जिले के कालिया गांव में एक खेत से टूटी हालत में ड्रोन बरामद किया गया। ड्रोन चीन निर्मित डीजेआई मविक-3 क्लासिक है। वहीं, एक अन्य घटना में बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर के हरदो रतन गांव के पास एक खेत से 460 ग्राम हेरोइन का पैकेट बरामद किया है। प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को तरनतारन जिले के गांव सांकतरा के पास भी एक खेत में एक पैकेट मिला जिसमें 406 ग्राम हेरोइन थी।

महाराष्ट्र के सांगली में सैन्य हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

सांगलीत। भारतीय सेना के एक हेलीकॉप्टर ने शनिवार को महाराष्ट्र के सांगली जिले के एरंडोली गांव में आपातकालीन लैंडिंग की। हेलीकॉप्टर के आपातकालीन लैंडिंग की वजह तकनीकी खराबी बतायी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर सेना के जवानों को चिकित्सा सामग्री सहित रसद प्रदान करने के लिए नासिक से बेंगलुरु जा रहा था, तभी अचानक से हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने पर उसे खेत में आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। हेलकॉप्टर की खराबी को ठीक करने के लिए नासिक से सेना की एक टीम रवाना हुई।

भारत की पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ा : कंबोज

यूएन में स्थायी प्रतिनिधि बोलीं-31 लाख जनप्रतिनिधियों में से 14 लाख महिलाएं

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ा है। कंबोज ने कहा कि भारत में ग्रामीण इलाकों में प्रशासन के लिए बनी पंचायती राज व्यवस्था पर भारत गर्व कर सकता है और इससे जमीनी स्तर पर सत्ता का विकेंद्रीकरण हुआ है। साथ ही उन्होंने भारत में लैंगिक समानता की दिशा में किए जा रहे कामों बारे में बताया।

जनसंख्या आयोग के 57वें सत्र के मौके पर संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज, राजस्थान की नीरू यादव आंध्र प्रदेश से कुनुकु हेमा कुमारी और त्रिपुरा की सुप्रिया दास दत्ता मौजूद रहीं।

संयुक्त राष्ट्र में जनसंख्या आयोग के 57वें सत्र में बोलते हुए रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में जमीनी स्तर पर महिला सशक्तिकरण के परिवर्तनकारी प्रभाव हुए हैं। कंबोज ने कहा कि पंचायती राज सीधे लोकतंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें एक ग्राम सभा की पंचायत में सभी निवासियों की भागीदारी होती है। इससे सत्ता का विकेंद्रीकरण होता है। यह दुनिया में पाए जाने वाले पारंपरिक नगरपालिका प्रशासन मॉडल से अलग है और पंचायती राज व्यवस्था से समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है। भारत की लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्धता को बताते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि 1992 में संविधान संशोधन के साथ एक अहम मील का पत्थर हासिल किया गया, जिसके तहत स्थानीय शासन में कम से कम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं।

जमीनी स्तर पर फैसले लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम था। कंबोज ने बताया कि आज भारत में निर्वाचित कुल 31 लाख जनप्रतिनिधियों में से 14 लाख से अधिक महिलाएं हैं।

यह व्यापक सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। कंबोज ने स्वीकार किया कि नेतृत्व में महिलाओं के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं, लेकिन इसके लिए सहायक कानूनी ढांचे, मजबूत क्षमता निर्माण और सहयोगी भागीदारी पर जोर देने की जरूरत है।

चुनाव देखने भारत आए 23 देशों के पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में चल रहे लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया को देखने और समझने के लिए पूरी दुनिया से लोग भारत आएंगे। चुनाव आयोग ने बताया कि दुनियाभर के 23 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) से जुड़े 75 प्रतिनिधि भारत आए हैं। यह लोग चुनाव प्रणाली की बारीकियों को जानेंगे। आयोग का कहना है कि ये प्रतिनिधि एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसमें अन्य देशों से आए लोगों को भारत की चुनाव प्रणाली की बारीकियों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र द्वारा उपयोग की जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित कराया जाता है।

आयोग ने कहा, लोकसभा चुनाव के दौरान इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (आईईवीपी) आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना जारी रख रहा है। ईसीआई ने कहा कि यह कार्यक्रम 4 मई से शुरू हो रहा है, जिसका उद्देश्य विदेशी ईएमबी को भारत की चुनावी प्रणाली की बारीकियों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र द्वारा उपयोग की जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित कराना है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू 5 मई को प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे।

इन देशों से आए प्रतिनिधि

चुनाव आयोग ने बताया कि भूटान, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, मेडागास्कर, फिजी, किर्गिज गणराज्य, रूस, मोल्दोवा, ट्यूनीशिया, सेशेल्स, कंबोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी और नामीबिया जैसे 23 देशों के विभिन्न ईएमबी और संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 प्रतिनिधि भारत आए हैं।

पाकिस्तान में आधिकारिक तौर पर शुरू हुआ योग

इस्लामाबाद, एजेंसी

वैश्विक सुर्खियां बटोरने के बाद, आध्यात्मिक अभ्यास योग आधिकारिक तौर पर पड़ोसी देश पाकिस्तान में पहुंच गया है। इस्लामाबाद के रखरखाव के लिए जिम्मेदार कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) के आधिकारिक बयान के अनुसार, इस्लामाबाद मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन ने एफ-9 पार्क में मुफ्त योग कक्षाएं शुरू की हैं। सीडीए ने कहा, स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए कई लोग पहले ही शामिल हो चुके हैं।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने 11 दिसंबर 2014 को 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया था। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना के लिए एक

मसौदा प्रस्ताव भारत द्वारा प्रस्तावित किया गया था और रिकॉर्ड 175 सदस्य देशों द्वारा इसका समर्थन किया।

योग आमतौर पर भारत से जुड़ा हुआ है और पाकिस्तान में योग सिखाने के लिए अधिक औपचारिक संस्थान नहीं हैं। कई निवासियों ने योग कक्षाएं आयोजित करने के कदम की सराहना की है।

शांति की मांग

नई दिल्ली : कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हुई जातीय हिंसा को लेकर मणिपुर की यूएनएयू आदिवासी महिलाओं व लोगों ने नई दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से मांग की है कि, राज्य में शांति बहाल की जाए। उल्लेखनीय है कि मैतेई समुदाय की मांग है कि उन्हें भी जनजाति का दर्जा दिया जाए। ● एजेंसी

अच्छे-बुरे आतंकवाद में नहीं हो सकता अंतर

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीबीआई निदेशक बोले- वैश्विक सुरक्षा के लिए ऑनलाइन कट्टरपंथ बड़ी चुनौती

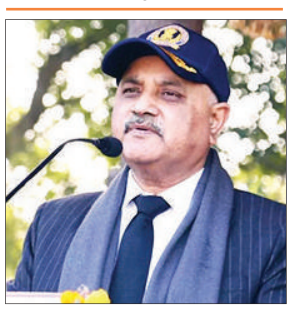

भारत ने कहा है कि ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। साथ ही इस बात को जोर दिया है कि अच्छे आतंकवाद और बुरे आतंकवाद में अंतर नहीं किया जा सकता है।

फ्रांस के ल्योन में नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के प्रमुखों के हाल ही में संपन्न 19वें इंटरपोल सम्मेलन में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने सम्मेलन में संगठित अपराध, आतंकवाद और चरमपंथी विचारधाराओं के बीच साठगांठ से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। सूद ने कहा, ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा की और कहा कि अच्छे आतंकवाद और बुरे आतंकवाद के बीच कोई अंतर नहीं किया जा सकता।

सीबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, इंटरपोल सम्मेलन में 136 देशों के नेशनल सेंट्रल ब्यूरो ने भाग लिया, जिसका प्रतिनिधित्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने किया। प्रत्येक देश में नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी) इंटरपोल के साथ समन्वय के लिए जिम्मेदार नोडल संगठन है। भारत में सीबीआई को एनसीबी नामित किया गया है।

इस सम्मेलन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए इंटरपोल और एनसीबी के बीच सहयोग को मजबूत करना रहा। सीबीआई बयान के अनुसार, सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने संगठित अपराध, आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और ऑनलाइन कट्टरपंथ समेत विभिन्न अपराधों से निपटने के लिए बड़ चुनौती।

अमेरिका: फिलिस्तीन समर्थित प्रदर्शन में दिखे कश्मीरी झंडे

वाशिंगटन। फिलिस्तीन के समर्थन में इन दिनों अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे ही प्रदर्शन के दौरान न्यूजर्सी स्थित रटगर्स विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारी छात्रों ने फिलिस्तीन और कुर्द झंडों के साथ ही कश्मीर के अलगाववादी झंडे भी लहराए।

इस पर भारतीय अमेरिकी संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। भारतीय अमेरिकी समूहों ने रटगर्स विश्वविद्यालय के चांसलर द्वारा कश्मीरी झंडे लहराने की अनुमति देने की आलोचना की और कहा कि इससे गलत संदेश जाएगा। विवि में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे समूह ने बताया कि रटगर्स विवि प्रशासन ने उनकी 10 में से आठ मांगें मान ली हैं।

सत्ता से बातचीत के लिए तैयार लेकिन सौदे के लिए नहीं : इमरान

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पूर्व पीएम की जनादेश चुराने वाले लोगों को दो टूक

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लंबे समय से जेल में बंद हैं। इस बीच, उन्होंने कहा कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन उनका जनादेश चुराने वाले लोगों के साथ वे सौदा नहीं करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अदियाला जेल में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बातचीत केवल विरोधियों के साथ ही की जाती है। इसलिए बात उनके साथ ही होनी चाहिए, जो पीटीआई के सबसे बड़े विरोधी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इमरान ने कहा कि वे 18 महीने से कह रहे हैं कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन समझौता करने के लिए नहीं। खान ने साफ किया कि उनकी पार्टी तीन पक्षों को छोड़कर सभी के साथ बातचीत करेगी। पूर्व पीएम नवाज शरीफ का नाम लिए बिना उन्होंने कहा,'सौदा वे करते हैं, जो देश छोड़ना चाहते हैं या जेल से बचना चाहते हैं।' खान ने कहा कि मैंने तीन लोगों को बातचीत के लिए नामित किया है। नामित लोगों में खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब और सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज हैं। बता दें, खान तोशाखाना मामले में अदियाला जेल में बंद हैं।

ताइवान की सीमा में घुसे चीनी सैन्य विमान, बढ़ाई सुरक्षा

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने शनिवार को कहा कि नौ चीनी सैन्य विमानों और पांच नौसैनिक जहाजों को देश के चारों ओर घूमते हुए पाया गया।

ताइवान के एमएनडी बयान के अनुसार, चीनी कार्रवाई के जवाब में ताइवान ने स्थिति की निगरानी की और लड़ाकू गश्ती विमान, नौसैनिक जहाजों और तटीय मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया।

एक्स पर किए गए पोस्ट में ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, ताइवान के आसपास सक्रिय 9-पीएलए विमान और 5 जहाजों का पता चला। ताइवान की सेना ने स्थिति की निगरानी की है और आवश्यकता के अनुसार प्रतिक्रिया दी है। इससे पहले गुरुवार और शुक्रवार को देश के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों और पांच नौसैनिक जहाजों को देखा गया था।

विज्ञान आईसीआरएनेट द्वारा आयोजित कार्यशाला में हुआ खुलासा, नवीन तकनीक से बरसों की खोज महीनों में होगी पूरी

अब होगी खगोल विज्ञान के नए युग की शुरुआत

नैनीताल कार्यालय

नई तकनीक के जरिये क्वेज़ार की तस्वीर।

अमृत विचार : खोज की दुनिया में अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए खगोल विज्ञान नए युग की शुरुआत करने जा रहा है। नवीन तकनीक से खगोलविद सालों की खोज महीनों में पूरी कर सकेंगे।

अध्ययन इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिलेटिविस्टिक एस्ट्रोफिजिक्स नेटवर्क (आईसीआरएनेट) द्वारा आयोजित खगोल वैज्ञानिको की कार्यशाला में यह तथ्य उभरकर सामने आया। ब्रह्मांड को समझ पाना कतई आसान नही है। आधुनिक खगोल विज्ञान की शुरुआत करीब 4 सौ साल पहले हुई। तब से अभी तक दर्जनों प्रकार की दूरबीनें ईजाद की जा चुकी हैं, जो जमीन से लेकर आसमान तक लाखों किमी दूर स्थापित की गई हैं। इन दूरबीनों से वैज्ञानिक सुदूर अंतरिक्ष में देख पाने की क्षमता हासिल कर चुके हैं। इससे भी बड़ी बात यह है कि डेटा प्रोसेसिंग के उपकरणों को ईजाद करने में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी कामयाबी हासिल की है। खोज की दिशा में डेटा प्रोसेसिंग महत्वपूर्ण कार्य है। नवीन तकनीक में मशीन लर्निंग अत्याधुनिक तकनीक है। इसके जरिए जमीन-आधारित और अंतरिक्ष-आधारित दूरबीनों के निर्माण और नियंत्रण से लेकर संपूर्ण खगोलीय अनुसंधान प्रक्रिया की एकीकृत किया गया है। जिसमें प्रकाशिकी प्रणालियों के प्रदर्शन को अनुकूलित करना, उपग्रहों की विशिष्ट क्रियाओं (ट्रिगर) की शुरुआत में सुधार करना, डेटा विश्लेषण, शोर में कमी, डेटा प्रतिरूपण, वर्गीकरण, सिमुलेशन, सैद्धांतिक मॉडल की स्थापना और सत्यापन शामिल है।

नई तकनीक गुरुत्वाकर्षण का परीक्षण, न्यूट्रॉन की स्थिति व तारों की सटीक जानकारी हासिल की जा सकती है। इसी क्रम मे जेनरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफार्मर (जीपीटी) मॉडल का प्रयोग बेहद उपयोगी साबित हुआ है, जो बाहरी ग्रहों की खोज व उनकी विस्तृत जानकारी देता है। इस कॉन्फ्रेंस में दुनियाभर के अनेक वैज्ञानिक संगठन शामिल हुए। जिसमें ये बात निकलकर सामने आई कि नई तकनीकों से खोज की दिशा बेहद आसान होगी और एक नए युग की शुरुआत होगी।

दुनिया के अनेक देशों के वैज्ञानिक हुए शामिल

कॉन्फ्रेंस में अध्ययन इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिलेटिविस्टिक एस्ट्रोफिजिक्स नेटवर्क (आईसीआरएनेट) के अलावा इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिलेटिविस्टिक एस्ट्रोफिजिक्स (आईसीआरए), नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोफिजिक्स (आईएनएएफ), विज्ञान विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय संघ, चीनी विज्ञान अकादमी उच्च ऊर्जा भौतिकी संस्थान (सीएएस-आईएचईपी), पडोवा विश्वविद्यालय, इस्फ़हान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और फेरेरा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक शामिल हुए। इस मौके पर नई तकनीक पर आधारित शोधपत्र क्या एआई हमारे ब्रह्मांड को समझ सकता है? एस्ट्रोफिजिकल डेटा द्वारा फाइन-ट्यूनिंग जीपीटी का परीक्षण प्रस्तुत किया गया।